डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 30.06.2025 से 06.07.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-27 ▶ मूल्य ₹ 10.00

प्रधानमंत्री के मंत्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास को आत्मसात कर प्रदेश सरकार कार्य कर रही है

नई दिल्ली, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को मध्यप्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों के लिए मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है।

अभियानांर्तगत खण्डवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्यप्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहां पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष काम किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया है।

आगामी आयोजनों की दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में चार स्तंभों-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजित करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में 2 लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद समाप्त करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि विगत डेढ़ वर्ष में 10 से अधिक नक्सलवादी मारे गए हैं जिन पर एक करोड़ 62 लाख रुपये का इनाम था।

मुख्यमंत्री ने नव उद्यमियों से किया संवाद, उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग और थीमैटिक सेशन

एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव में 30 हजार 402 करोड़ रुपये के मिले निवेश प्रस्ताव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में आयोजित एमपी राइज कॉन्क्लेव में एमएसएमई के लाभार्थियों से वर्चुअल संवाद किया

- 35 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोज़गार।
- रतलाम अब स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिये भी जाना जायेगा।
- उन्नति के दरवाजे खोलने का कार्य कर रही है राज्य सरकार।
- 2012 करोड़ से अधिक लागत की 94 औद्योगिक इकाइयों एवं क्लस्टर्स का भूमि-पूजन और लोकार्पण।
- एमएसएमई इकाइयों को भी नवकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर दी जायेगी सब्सिडी।

रतलाम, देश के साथ-साथ अब मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। यहां विकास के सभी क्षेत्रों में नवाचार हो रहे हैं। हर क्षेत्र में निवेश का अच्छा माहौल बना है। प्रदेश के औद्योगिक विकास का यह कारवां रुकेगा नहीं, बल्कि अब और तेज गति से आगे बढ़ेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में आयोजित एमपी राइज 2025 कॉन्क्लेव के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि रतलाम पहले सेव, साड़ियों और सोने के लिए जाना जाता था लेकिन अब यही रतलाम स्किल, स्केल और स्टार्टअप्स के लिए जाना जाएगा। रतलाम की राइज कॉन्क्लेव में 30 हजार 402 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जिससे 35 हजार 520 रोज़गार का सृजन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में हर महीने इन्वेस्टर समिट के साथ उद्योग और रोज़गार को बढ़ाने के लिए कई कार्यक्रम हो रहे हैं। सरकार व्यापार-व्यवसाय के लिए अपनी नीतियों के बल पर ठोस कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पूर्व स्थापित एमएसएमई इकाइयों द्वारा यदि नवकरणीय संयंत्र की स्थापना में पृथक से निवेश किया जाता है तो उन्हें निवेश पर उद्योग विकास अनुदान की सहायता दी जायेगी। रतलाम में मेगा इन्वेस्टमेंट रीजन से लगे 6 ग्राम के निवासियों की सुविधा के लिये मार्ग निर्माण, सामुदायिक भवन एवं आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिये प्रति ग्राम पंचायत 50 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने निवेश क्षेत्र इण्डस्ट्रीयल पार्क एवं रतलाम क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों की सुविधा के लिये नवीन क्षेत्र में 220 केवी विद्युत लाइन की व्यवस्था करने की भी घोषणा की।

रोज़गार देने हर संभव प्रयास जारी

मुख्यमंत्री ने कहा कि रतलाम का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। रतलाम की देश में केन्द्रीय स्थिति इसे और भी विशेष बनाती है। बहुत जल्द प्रदेश में एयर कार्गो के जरिए हवाई मार्ग से माल की आवाजाही की जाएगी। राज्य की बेहतरी और युवाओं को रोजगार देने के लिए हमारी सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी प्रदेश बनाने तक हमारी कोशिशें जारी रहेंगी।

हितग्राहियों को 3 हजार 861 करोड़ रुपये का ऋण

मुख्यमंत्री ने कॉन्क्लेव में प्रदेश के 4 लाख से अधिक हितग्राहियों को स्व-रोज़गार के लिए 3 हजार 861 करोड़ रुपये की ऋण राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खातों में हस्तांतरित की। मुख्यमंत्री ने 6000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश करने और 17 हजार 600 से अधिक रोज़गार प्रदान करने वाली 35 वृहद औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन पत्र भी प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने 538 एमएसएमई इकाइयों को भू-खंड आवंटन पत्र भी प्रदान किए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत को वैश्विक मंच पर दी नई पहचान

वाराणसी, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने न केवल आंतरिक विकास की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है, बल्कि वैश्विक मंच पर भी भारत की आवाज़ को निर्णायक और सम्मानजनक मान्यता मिली है। 'ऑपरेशन सिंदूर' इस बात का प्रतीक है कि भारत अब अपने नागरिकों की सुरक्षा, सम्मान और प्रतिष्ठा के लिए किसी भी सीमा तक जा सकता है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वाराणसी में संपन्न हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक में सहभागिता करते हुए कही। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने यह विश्वास दिलाया है कि हर भारतीय, चाहे वो कहीं भी हो, भारत सरकार उसकी ढाल बनकर खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत 'विकसित भारत 2047' के मार्ग पर चल रहा है। प्रधानमंत्री ने हमेशा इस बात पर बल दिया है कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में है लेकिन उसकी गति, उसका विकास 'टीम इंडिया' की भावना में निहित है।

पुरातत्व ज्ञान सृष्टि की मूल्यवान वस्तुओं से भी अधिक महत्वपूर्ण

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में विद्यार्थियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डोंगला अब नगरी के रूप में विकसित हो रहा है। उज्जैन काल की नगरी है और प्राचीनकाल में समय गणना का प्रमुख केंद्र रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहरा दी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन अनुसार दुनिया युद्ध की नहीं बल्कि अहिंसा और भगवान बुद्ध की दुनिया है।

देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र का हुआ लोकार्पण

इंदौर, हमारे देश की प्राचीन सोच को नवीन रूप से कायम कर समाज में आत्मीयता पूर्ण माहौल बनाने के लिए मध्यस्थता वर्तमान समय की मांग है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में देश के पहले सामुदायिक मध्यस्थता केन्द्र के लोकार्पण के अवसर पर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यस्थता से न केवल मामलों का निपटारा होता है अपितु समाज में आपसी विश्वास पैदा होता है। मध्यस्थता की सोच को मध्यप्रदेश सरकार गांवों तक ले जाने के प्रयास करेगी जिससे गांवों में भी परस्पर सौहार्द्र का माहौल बन सके।

बीए उत्तीर्ण को भी साक्षात्कार के माध्यम से मिलेगा प्रवेश

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा विभाग की 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 शीर्ष समिति' की बैठक हुई। बैठक में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों, स्नातक स्तर पर संचालित कृषि पाठ्यक्रम में प्रवेश तथा अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि ऐसे विद्यार्थी जो स्नातक स्तर पर चयनित मुख्य अथवा गौण विषय से इतर किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर करना चाहते हैं तो उनकी पात्रता का निर्धारण राज्य के विश्वविद्यालयों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए पात्र विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के प्राप्तांकों के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा।

एमपी पीएससी के 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यकाल में अब तक मध्यप्रदेश लोकसेवा आयोग ने 3 हजार 756 पदों पर भर्ती की है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा ने बताया कि दिसम्बर 2023 से अब तक जारी 75 विज्ञापनों में शामिल 4 हजार 492 पदों के लिये 3 हजार 756 उम्मीदवारों की नियुक्ति के लिए संबंधित विभागों को अनुशंसा पत्र भेजे गये हैं। आयोग ने 81 भर्ती विज्ञापन जारी किए हैं। इनके माध्यम से आगामी महीनों में 5 हजार 562 पद भरे जाएंगे। वर्तमान में 5 हजार 317 पदों के लिए 61 भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं। उपर्युक्त सभी परिणाम मध्यप्रदेश शासन एवं उच्च न्यायालय के कुल विज्ञापित पदों में से 87 प्रतिशत पदों के परिणाम घोषित करने के निर्देशों के अनुपालन में घोषित किए गए हैं।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

21 जून

अगले वर्ष से दोपहिया में एबीएस अनिवार्य

● केंद्रीय सरकार एक जनवरी 2026 से सभी दोपहिया वाहनों में एंटी-लॉक ब्रेकिंग

सिस्टम (एबीएस) अनिवार्य करने की तैयारी कर रही है। इसका उद्देश्य दोपहिया से होने वाली दुर्घटनाओं को कम करना है। इसके अलावा, डीलर और वाहन निर्माता कंपनियों को अब बिक्री के समय दो भारतीय मानक ब्यूरो प्रमाणित हेलमेट देना भी आवश्यक होगा। फिलहाल केवल 125 सीसी से ऊपर के मॉडल पर एबीएस की अनिवार्यता लागू है। उल्लेखनीय है कि एबीएस एक सुरक्षा तकनीक है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन के पहिए लॉक नहीं होते हैं। इससे चालक को वाहन पर नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है और फिसलन भरी सड़कों पर भी रुकने की दूरी घटती है। अलग-अलग अध्ययनों के अनुसार, एबीएस से सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 35-45 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है।

● सरकार विदेशी बीमा कंपनियों को अन्य प्रमुख प्रबंधन कर्मियों (केएमपी) के अलावा बोर्ड में बहुसंख्य विदेशी सदस्यों को नियुक्त करने की अनुमति दे सकती है। दो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को मौजूदा 74 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत किए जाने के बाद ऐसा किया जाएगा। यह अमेरिकी बीमा इंडस्ट्री की प्रमुख मांग रही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि बीमा विधेयक हमारी ओर से तैयार है और उसे आगामी मानसून सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। हम निदेशकों की नियुक्ति से संबंधित प्रावधानों को आसान बना रहे हैं।

22 जून

एआई ट्रेनिंग में बिना मंजूरी डिजिटल प्लेटफॉर्म का कंटेंट नहीं दे सकेंगे

● डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

DNPA DIGITAL NEWS PUBLISHERS ASSOCIATION

(एआई) मॉडल्स की ट्रेनिंग में बिना अनुमति कंटेंट को लेकर कड़ा ऐतराज जताया है। साथ ही उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा कॉपीराइट और एआई तकनीकों के आपसी संबंधों की समीक्षा और हितधारकों से राय मांगने की पहल का डीएनपीए ने स्वागत किया है। एसोसिएशन ने कहा कि डिजिटल न्यूज प्लेटफॉर्म्स की सामग्री को बिना पूर्व अनुमति एआई मॉडल्स की ट्रेनिंग या जनरेटिव एआई सेवाओं (जैसे सर्च असिस्टेंट और सूचना-प्रदायक टूल्स) में प्रयोग करना कॉपीराइट का उल्लंघन है। डीएनपीए ने यह भी कहा कि इस तरह के उपयोग के लिए सामग्री निर्माताओं को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। एसोसिएशन ने मंत्रालय के साथ मिलकर एक संतुलित और न्यायसंगत व्यवस्था बनाने की इच्छा भी जताई है।

● मेघालय सरकार ने पर्यटकों की सुरक्षा के मुद्दे पर उठे सवालों के चलते कड़े कदम उठाए हैं। अब राज्य में पर्यटकों के आने-जाने की निगरानी होगी। वे दोपहिया और चौपहिया वाहन ड्राइविंग के लिए किराए पर नहीं ले सकेंगे। मेघालय सरकार ने बताया कि सरकार 50 नए पर्यटन वाहन सड़कों पर उतारेगी। इसके लिए निजी-सार्वजनिक भागीदारी के तहत निजी उद्यमियों को भी जोड़ा जाएगा। इसके साथ ही होटलों, होमस्टे और गेस्ट हाउस में पर्यटकों का पंजीकरण अनिवार्य होगा। इसके लिए सरकार ने पर्यटन ऐप भी बनाया है। राज्य की सीमा चौकियों पर भी पर्यटकों का डेटा दर्ज किया जाएगा। इस डेटा को प्रतिदिन ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट किया जाएगा।

23 जून

अगले वर्ष से सीबीएसई आयोजित करेगी 10वीं कक्षा की एक वर्ष में दो बार परीक्षा

● सीबीएसई ने 10वीं की परीक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव लागू करने का फैसला

CBSE

किया है। वर्ष 2026 से 10वीं के छात्र एक सत्र में दो बार परीक्षा दे सकेंगे। पहली परीक्षा फरवरी में होगी। यह सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी। पहली परीक्षा में छात्रों को सभी विषयों के पेपर देने होंगे। दूसरी परीक्षा मई में होगी, जो वैकल्पिक रहेगी। अपना प्रदर्शन सुधारने के इच्छुक छात्र इसमें अधिकतम तीन विषयों के पेपर दे सकेंगे। यानी छात्र दो बोर्ड परीक्षाओं में बांटकर अलग-अलग पेपर नहीं दे सकेंगे। पहली परीक्षा का रिजल्ट अप्रैल और दूसरी का जून में आएगा। जो छात्र दोनों परीक्षाओं में शामिल होंगे, उनके तीन विषयों के सर्वश्रेष्ठ अंक मार्कशीट में जुड़ेंगे। ग्रेडिंग दूसरी बोर्ड परीक्षा के बाद जारी होगी। पहली परीक्षा का रिजल्ट डिजिलॉकर में जारी होगा। इसके आधार पर 11वीं में प्रवेश मिलेगा। पास होने संबंधी दस्तावेज दूसरी परीक्षा के रिजल्ट के बाद जारी होंगे। पुनर्मूल्यांकन जैसी सुविधाएं भी दूसरी परीक्षा के रिजल्ट के बाद उपलब्ध होंगी।

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेल के बावजूद आरोपी को जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दी गई व्यक्तिगत स्वतंत्रता का उल्लंघन है। कोर्ट ने एक आरोपी को जमानत के करीब दो महीने बाद तक जेल में रखने पर उत्तर प्रदेश सरकार पर नाराजगी जाहिर की। साथ ही, आरोपी को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने को कहा है।

24 जून

देश का पहला मैंग्रोव पार्क मुंबई में तैयार

● देश का पहला मैंग्रोव पार्क मुंबई के गोराई गांव में बनकर लगभग तैयार है।

महाराष्ट्र वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक यह पार्क अगस्त के मध्य तक आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। यह पार्क एक ऐसी प्राकृतिक पाठशाला होगी, जहां लोग मैंग्रोव वनों की जैव विविधता, तटीय पारिस्थितिकी और पक्षी जीवन को बहुत करीब से देख और समझ सकेंगे। इस पार्क का निर्माण करीब 33.43 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। यह आठ हेक्टेयर के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का हिस्सा है। पार्क की खासियत यह है कि इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए एक भी मैंग्रोव पेड़ को काटा नहीं गया है। पार्क को बनाने में इको फ्रेंडली मटेरियल और सौर ऊर्जा का भी उपयोग किया गया है। इसके साथ ही पैदल चलने के लिए बनाए गए रास्ते एलिवेटेड हैं, ताकि मैंग्रोव क्षेत्र को कोई क्षति न पहुंचे।

● ब्रिटेन की प्रतिस्पर्धा और बाजार प्राधिकरण (सीएमए) ने कहा है कि गूगल को देश में यूजर्स को अन्य सर्च इंजन चुनने का विकल्प देना पड़ सकता है। सीएमए ने बताया कि वह डिजिटल बाजारों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए नए नियमों के तहत गूगल पर यह शर्तें लागू कर सकता है। सीएमए ने कहा कि उसकी प्राथमिक योजनाओं में यह शामिल है कि गूगल को अपने प्रमुख प्रोडक्ट्स जैसे क्रोम ब्राउजर और एंड्रॉइड मोबाइल सिस्टम पर यूजर्स को विकल्प स्क्रीन दिखानी होगी। इन स्क्रीन के जरिए यूजर्स आसानी से अलग-अलग सर्च सेवाएं चुन और बदल सकेंगे।

25 जून

डॉलर के घटते प्रभुत्व के चलते केन्द्रीय बैंक खजाने में बढ़ा रहे सोना

● वैश्विक व्यापार के बिखरने और भू-राजनैतिक उथल-पुथल के चलते डॉलर

का प्रभुत्व घटने लगा है। खरबों डॉलर की संपत्ति वाले दुनियाभर के केंद्रीय बैंक खजाने में तेजी से सोना जोड़ रहे हैं। वे यूरोपीय संघ की करेंसी यूरो और चीन के युआन को भी विकल्प मान रहे हैं। आधिकारिक मौद्रिक एवं वित्तीय संस्थान फोरम की रिपोर्ट बताती है कि 75 केंद्रीय बैंकों में से 25 अगले दो साल में सोने में निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। ये बैंक संयुक्त रूप से 430 लाख करोड़ रुपये की संपत्तियां संभालते हैं। ये 2022 से 2024 तक सामूहिक रूप से रिकॉर्ड सालाना 1000 टन से ज्यादा सोना खरीद चुके हैं। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के टैरिफ वॉर की घोषणा के बाद से डॉलर के प्रति केंद्रीय बैंकों का रुख बदला है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल डॉलर सबसे लोकप्रिय करेंसी थी। पर इस साल यह 7वें नंबर पर है।

● रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 6-7 जुलाई को होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। जिनपिंग की अनुपस्थिति की पुष्टि होने पर यह पहली बार होगा जब वे इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। रूस की ओर से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भाग लेंगे। पुतिन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़ेंगे।

26 जून

टेक फंडिंग में भारत तीसरे स्थान पर

● टेक स्टार्टअप फंडिंग में भारत अब पूरी दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन के मुताबिक, भारत टेक फंडिंग में जर्मनी और इजरायल से आगे निकल गया है। टेक स्टार्टअप फंडिंग में अमेरिका पहले और ब्रिटेन दूसरे स्थान पर है। भारतीय टेक स्टार्टअप्स ने वर्ष 2025 की पहली छमाही में 4.8 अरब डॉलर जुटाए। जनवरी से जून के बीच ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स टेक, रिटेल और एंटरप्राइज टेक को सबसे ज्यादा फंडिंग हुई। कुल फंडिंग में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ बेंगलुरु सबसे आगे रहा। इसके साथ ही 25 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दिल्ली दूसरे स्थान पर रहा।

● अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन इंडियाना के न्यू कार्लाइल के पास 1200 एकड़ जमीन पर दुनिया का सबसे बड़ा एआई डेटा सेंटर बना रही है। कंपनी ने इस मेगा प्रोजेक्ट को 'प्रोजेक्ट रेनीयर' नाम दिया है। यह डेटा सेंटर एक एआई स्टार्टअप एंथ्रोपिक के लिए बनाया जा रहा है, जिसका लक्ष्य ऐसा एआई सिस्टम बनाना है, जो इंसानी दिमाग की बराबरी कर सके। अमेजन ने एंथ्रोपिक में पहले ही करीब 8 बिलियन डॉलर का निवेश किया है। अब तक यहां सात विशाल डेटा सेंटर बन चुके हैं। इन डेटा सेंटर्स में लाखों खास कम्प्यूटर चिप्स लगाए जाएंगे, जिन्हें फाइबर के हजारों किलोमीटर लंबे नेटवर्क से आपस में जोड़ा जाएगा। इससे यह पूरा परिसर एक विशाल कम्प्यूटर मशीन की तरह काम करेगा।

27 जून

एमसीयू में अतिथि व्याख्याताओं के होंगे इंटरव्यू

● माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन, जनसंपर्क, मीडिया प्रबंधन, ग्रॉफिक्स एनीमेशन जैसे करीब 23 विषयों में अतिथि व्याख्याताओं के लिए चयन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इसमें ऐसे अभ्यर्थी शामिल हो सकते हैं, जो कि यूजीसी या एआईसीटीई की निर्धारित योग्यताएं रखते हों, पीएचडी, यूजीसी नेट उत्तीर्ण हों या मीडिया/आईटी क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएट के साथ 10 वर्षों का अनुभव हो। अभ्यर्थियों का चयन इंटरव्यू के माध्यम से किया जाएगा। वॉक इन इंटरव्यू भोपाल में 8 से 10 जुलाई, 2025 को विश्वविद्यालय के मुख्यालय में होगा। चयनित अतिथि शिक्षकों को भोपाल, रीवा, दतिया और खण्डवा परिसर में शिक्षण कार्य मिलेगा। यह नियुक्ति अस्थायी होगी तथा विश्वविद्यालय के नियमानुसार कालखंड आधारित मानदेय दिया जाएगा। इंटरव्यू के लिए टाइम टेबल www.mcu.ac.in पर जल्द जारी की जाएगी।

● इटली के इंजीनियरों ने दुनिया का पहला उड़ने वाला रोबोट 'आइरनकब एमके 3' विकसित किया है। यह रोबोट आपात स्थितियों में काफी मददगार साबित हो सकता है। यह रोबोट चार जेट इंजन से लैस है। 70 किलो वजनी इस रोबोट में गर्मी से बचाव करने वाले कवर हैं। निर्माताओं को उम्मीद है कि यह आपदा क्षेत्रों में, खतरनाक मरम्मत में या निरीक्षण कार्यों में अहम भूमिका निभाएगा।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश के छिन्दवाड़ा, धार, रतलाम, राजगढ़ एवं नीमच में एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालयीन समय में संपर्क करें

0755-2760006

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की ख़बरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय ख़बरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम

40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011

फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006

www.mpmadhyam.in

madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

वर्ष 42, अंक 27 30.06.2025 से 06.07.2025

रोज़गार और निर्माण

www rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-

रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011

फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**

रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

जल समृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा जल गंगा संवर्धन अभियान

मध्यप्रदेश, भारत का हृदय प्रदेश है, जल संसाधनों से समृद्ध है। यहां अनेक नदियां जैसे नर्मदा, ताप्ती, चंबल और बेतवा प्रवाहित होती हैं। हालांकि, जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण जलस्रोतों पर भारी दबाव पड़ा है। इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में 30 मार्च, 2025 से लेकर 30 जून, 2025 तक 90 दिनों का 'जल गंगा संवर्धन अभियान' प्रारंभ किया गया है। जल संरक्षण को लेकर शुरू किया गया यह अभियान पूर्ण होने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के क्षिप्रा तट से विधिवत इसकी शुरुआत की। इस अभियान की विशेषता है कि इसमें सरकार के साथ प्रदेश की जनता ने कदम से कदम मिलाया और यह अभियान जन आंदोलन बन गया है, जिसमें जनता, ग्राम पंचायतें, प्रशासन के साथ सामाजिक संस्थाएं काम कर रही हैं। इस अभियान को पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जल संसाधन, नगरीय विकास, पर्यावरण, कृषि, शिक्षा समेत 12 से अधिक विभागों द्वारा संचालित किया है। अभियान का उद्देश्य नदियों और जलस्रोतों का संरक्षण, पुनर्जीवन और स्वच्छता सुनिश्चित करना है। अभियान के अंतर्गत नदियों के किनारे पौधारोपण, जलस्रोतों की सफाई, वर्षा जल संचयन, ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरचनाओं का निर्माण, और जल संरक्षण के प्रति जन जागरूकता फैलाने जैसे कार्य शामिल हैं। राज्य सरकार ने 55 जिलों की जल संरचनाओं का मानसून डेटा बनाकर प्री और पोस्ट मानसून जल स्तर का विश्लेषण किया। सभी संरचनाओं को जियोटैगिंग द्वारा चिह्नित किया गया। अभियान में एक लाख 'जलदूत' बनाने का लक्ष्य रखा गया। प्रदेश के खंडवा जिले ने इस अभियान के तहत 4700 कूप रिचार्ज पिट बनाने का लक्ष्य रखा था उसमें 4838 निर्माण करके न सिर्फ पूरा किया, बल्कि लक्ष्य से आगे निकल गया और देश में तीसरे नंबर पर आ गया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत, भोपाल की ऐतिहासिक धरोहर 'बड़े बाग की बावड़ी' को नवजीवन मिला है। यह सफलता केवल विकास और जल संरचना के पुनरुद्धार की नहीं, बल्कि प्रदेश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण की भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के पर्यावरण संरक्षण दृष्टिकोण और जल संरक्षण को लेकर प्रतिबद्ध नेतृत्व ने इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। करीब 200 वर्ष पूर्व निर्मित यह बावड़ी भोपाल की सबसे बड़ी बावड़ी है, बड़े बाग का कुल क्षेत्रफल 32 एकड़ है और यहां कई जल संरचनाएं हैं, उनमें से इस बावड़ी की गहराई 60 फीट है। बावड़ी दो मकबरों के मध्य स्थित है यह बावड़ी स्थापत्य कला का अद्भुत उदाहरण भी है। जिला प्रशासन एवं नगर निगम भोपाल द्वारा इस बावड़ी की सफाई, सिल्ट हटाने, खरपतवार उन्मूलन, दीवारों और सीढ़ियों की मरम्मत, रंगाई-पुताई तथा सुरक्षा जाली लगाने जैसे कार्य तेज़ी से किए गए। लगभग 40 क्यूबिक मीटर सिल्ट हटाने और जल ग्रहण क्षमता को 2000 लीटर प्रति घंटा तक पहुँचाने के बाद यह संरचना फिर से उपयोग में लाई जा रही है। आज इस ऐतिहासिक बावड़ी का जल निस्तार कार्यों में प्रयोग हो रहा है और यह स्थल अब भोपाल की जल धरोहर एवं सांस्कृतिक पर्यटन का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की दूरदर्शिता ने इस बावड़ी को एक बार फिर जीवंत कर दिया है। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत यह कार्य न केवल एक संरचना का पुनर्उद्धार है, बल्कि जल संरक्षण के प्रति मध्यप्रदेश सरकार की गहरी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

जल गंगा संवर्धन अभियान न केवल नदियों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी प्रयास है। यदि जनभागीदारी इसी प्रकार बनी रही, तो मध्यप्रदेश जल संरक्षण का एक आदर्श मॉडल बन सकता है।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नवाचारों के प्रतिमान स्थापित करता भारत

भारत की अंतरिक्ष यात्रा विश्व के अंतरिक्ष कार्यक्रमों में एक प्रेरणादायक उदाहरण रही है। सीमित संसाधनों और तकनीकी चुनौतियों के बावजूद भारत ने वैज्ञानिक नवाचार, आत्मनिर्भरता और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बनाई है। भारत की अंतरिक्ष यात्रा न केवल वैज्ञानिक उपलब्धियों की गाथा है, बल्कि यह 'कम लागत, उच्च प्रभाव' रणनीति का बेहतरीन उदाहरण है। इसरो की उपलब्धियां भारत को आत्मनिर्भर और विश्व में एक अग्रणी अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित करती हैं। यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए विज्ञान और नवाचार की प्रेरणा बनी रहेगी।

भारत की अंतरिक्ष यात्रा की शुरुआत वर्ष 1962 में हुई जब भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति का गठन हुआ। इसके बाद 1969 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना की गई। भारत का पहला रॉकेट 1963 में केरल के थुंबा प्रक्षेपण केंद्र से लॉन्च किया गया। वर्ष 1975 में भारत ने अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट सोवियत संघ की मदद से अंतरिक्ष में भेजा। 1980 में भारत ने एसएलवी-3 रॉकेट से अपना उपग्रह रोहिणी पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। यह भारत के लिए स्वदेशी अंतरिक्ष युग की शुरुआत थी। इसरो ने 1993 में पीएसएलवी की शुरुआत की, जो भारत का सबसे विश्वसनीय रॉकेट बन गया। वर्ष 2008 में भारत ने चंद्रयान-1 मिशन के तहत चंद्रमा पर पानी की मौजूदगी के प्रमाण दिए। इसके बाद वर्ष 2013 में भारत ने मंगलयान लॉन्च किया और पहली ही बार में सफल होकर ऐसा करने वाला पहला देश बना। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मिली सफलताओं के बाद वर्ष 2014 में भारत के लिए एक बड़ा बदलाव का दौर आया और भारत ने नये प्रतिमान स्थापित करना आरंभ किया। वर्ष 2019 में चंद्रयान-2 मिशन में सफलता मिली। इसके बाद वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मिली सफलता के बाद भारतीय वैज्ञानिक प्रोत्साहित हुए और वे अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में सतत रूप से कार्य कर रहे हैं।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

नेशनल डॉक्टर्स-डे 2025

मध्यप्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र की गौरवशाली प्रगति

चिकित्सक वे अनमोल योद्धा हैं जिन्हें धरती का भगवान कहा जाता है, क्योंकि वे हर मरीज के जीवन में आशा का सूरज उगाते हैं। भारत की सनातन संस्कृति में चिकित्सा कला का स्वर्णिम इतिहास रहा है, जहां आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा ने विश्व को स्वस्थ और सुखी जीवन का मार्ग दिखाया। यह गौरवशाली परंपरा आज मध्यप्रदेश के चिकित्सकों में जीवित है, जो निःस्वार्थ समर्पण के साथ समाज की सेवा में जुटे हैं। मध्यप्रदेश सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व और चिकित्सा क्षेत्र के प्रति गंभीरता ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है, जिससे हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं।

हर साल एक जुलाई को भारत में नेशनल डॉक्टर्स-डे मनाया जाता है, जो चिकित्सकों के अतुलनीय योगदान को सम्मानित करने का पवित्र अवसर है। यह दिन प्रख्यात चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। मध्यप्रदेश में यह दिन चिकित्सकों की सेवा और सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों को उत्सव की तरह मनाने का मौका है। यह आलेख मध्यप्रदेश सरकार के नेतृत्व में चिकित्सा क्षेत्र की शानदार प्रगति और नेशनल डॉक्टर्स-डे 2025 के उत्साहपूर्ण आयोजनों को प्रस्तुत करता है।

नेशनल डॉक्टर्स-डे चिकित्सकों का गौरव

नेशनल डॉक्टर्स-डे चिकित्सकों की उस भावना को सलाम करता है जो हर मरीज के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए अथक मेहनत करती है। यह दिन चिकित्सकों के समर्पण को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता देने और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने का अवसर है। मध्यप्रदेश सरकार इस दिन को चिकित्सकों के सम्मान और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रचार-प्रसार के लिए एक भव्य उत्सव में बदल देती है। यह हर उस चिकित्सक को समर्पित है जो अपने पेशे को एक मिशन मानकर मानवता की सेवा में जुटा है।

मध्यप्रदेश में चिकित्सा क्षेत्र की शानदार प्रगति

मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सा क्षेत्र के प्रति अपनी गंभीरता और प्रतिबद्धता को ठोस कदमों के माध्यम से साबित किया है। सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण, जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, और हमीदिया, सुल्तानिया, ग्वालियर, जबलपुर जैसे मेडिकल कॉलेजों में नए भवनों और बुनियादी ढांचे का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि मध्यप्रदेश स्वास्थ्य सेवाओं में अग्रणी बन रहा है। निम्नलिखित उपलब्धियां सरकार की स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता को दर्शाती हैं।

आयुष्मान भारत योजना हर जीवन को सुरक्षा

मध्यप्रदेश सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को पूरे समर्पण के साथ लागू किया है। इस योजना के तहत लाखों परिवारों को प्रति परिवार 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध है। यह योजना गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान साबित हुई है, जिससे उन्हें विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं मिल रही हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने इस योजना को हर गांव और शहर तक पहुंचाकर स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया है।

मेडिकल कॉलेज : स्थानीय प्रतिभाओं का उत्थान

मध्यप्रदेश सरकार ने जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना कर चिकित्सा शिक्षा को क्रांतिकारी बनाया है। रतलाम, छिंदवाड़ा, विदिशा, और अन्य शहरों में नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं, ताकि स्थानीय छात्रों को अपने ही क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त हो और उन्हें बड़े शहरों की दौड़ में शामिल न होना पड़े। ये कॉलेज आधुनिक उपकरणों, प्रशिक्षित फैकल्टी, और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित हैं। हमीदिया (भोपाल), सुल्तानिया (भोपाल), ग्वालियर, और जबलपुर के मेडिकल कॉलेजों में नए भवनों और उन्नत बुनियादी ढांचे का निर्माण मध्यप्रदेश सरकार की चिकित्सा शिक्षा के प्रति गंभीरता का जीवंत प्रमाण है। ये प्रयास स्थानीय युवाओं को चिकित्सक बनने का अवसर दे रहे हैं।

सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण : नई पहचान

मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी अस्पतालों को आधुनिक और रोगी-अनुकूल बनाने के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। प्रदेश के विभिन्न शहरों में अस्पतालों का आधुनिकीकरण इस बात का सबूत है कि सरकार चिकित्सा सेवाओं को विश्वस्तरीय बनाने के लिए कटिबद्ध है। इन अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनें, प्रशिक्षित कर्मचारी, और बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध है, जो मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा प्रदान करता है।

टेलीमेडिसिन : ग्रामीण भारत का सशक्तिकरण

मध्यप्रदेश सरकार ने टेलीमेडिसिन के माध्यम से ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाया है। मरीज अब विशेषज्ञ चिकित्सकों से ऑनलाइन परामर्श ले सकते हैं, और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड सिस्टम ने मरीजों का डेटा सुरक्षित और व्यवस्थित किया है। यह तकनीकी नवाचार सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं को हर कोने तक पहुंचाने की गंभीरता को दर्शाता है।

स्वास्थ्य जागरूकता जनता का उत्थान

मध्यप्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य जागरूकता को जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान शुरू किए हैं। टीकाकरण, मातृ-शिशु स्वास्थ्य, और गैर-संचारी रोगों (जैसे डायबिटीज और हृदय रोग) की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ये अभियान जनता को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं और मध्यप्रदेश को स्वस्थ राज्य बनाने में योगदान दे रहे हैं।

चिकित्सकों का कल्याण सरकार की प्राथमिकता

मध्यप्रदेश सरकार ने चिकित्सकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रशिक्षण कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित किए जाते हैं, जो तनाव प्रबंधन, कार्य-जीवन संतुलन, और नई चिकित्सा तकनीकों पर केंद्रित हैं। ये प्रयास चिकित्सकों को और अधिक ऊर्जावान और समर्पित बनाते हैं, जो सरकार की चिकित्सकों के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है।

आयुर्वेद का गौरव सनातन विरासत

मध्यप्रदेश सरकार ने आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए विशेष केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ जोड़कर स्वास्थ्य सेवाओं को समृद्ध कर रहे हैं। यह प्रयास भारत की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का एक शानदार उदाहरण है।

नेशनल डॉक्टर्स-डे-2025 मध्यप्रदेश में उत्सव का माहौल

मध्यप्रदेश सरकार और स्वास्थ्य संगठन नेशनल डॉक्टर्स-डे को चिकित्सकों के सम्मान और स्वास्थ्य जागरूकता के उत्सव के रूप में मनाते हैं। निम्नलिखित गतिविधियां वर्ष 2025 में मध्यप्रदेश में उत्साह का माहौल बनाएंगी।

भव्य सम्मान समारोह

अलग-अलग जगहों पर भव्य समारोह आयोजित होंगे, जहां उत्कृष्ट चिकित्सकों को पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। ये आयोजन चिकित्सकों के प्रति कृतज्ञता को व्यक्त करते हैं।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित होंगे, जहां ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, और आंखों की जांच की जाएगी। ये शिविर विशेष रूप से जनजातीय और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाएंगे।

जागरूकता रैलियां और सेमिनार

स्कूलों, कॉलेजों, और सामुदायिक केंद्रों में स्वास्थ्य जागरूकता रैलियां और सेमिनार होंगे। चिकित्सक और विशेषज्ञ जनता को स्वस्थ जीवनशैली और रोग निवारण के बारे में प्रेरित करेंगे।

चिकित्सकों के लिए उत्साहवर्धक आयोजन

अस्पतालों में सांस्कृतिक कार्यक्रम, डिनर, और मीट्स आयोजित होंगे, जो चिकित्सकों में एकजुटता और गर्व की भावना जगाएंगे।

सोशल मीडिया पर उत्सव

सोशल मीडिया पर #DoctorsDay 2025 जैसे हैशटैग्स के साथ चिकित्सकों की प्रेरणीय कहानियां साझा की जाएंगी। ये अभियान युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में कॅरियर के लिए प्रेरित करेंगे।

निष्कर्ष

नेशनल डॉक्टर्स-डे 2025 मध्यप्रदेश में चिकित्सकों की निःस्वार्थ सेवा और सरकार की चिकित्सा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों का उत्सव है। आयुष्मान भारत, जिला स्तर पर मेडिकल कॉलेजों की स्थापना, सरकारी अस्पतालों का आधुनिकीकरण, और हमीदिया, सुल्तानिया, ग्वालियर, जबलपुर जैसे संस्थानों में उन्नत बुनियादी ढांचा मध्यप्रदेश सरकार की चिकित्सा के प्रति गंभीरता का प्रतीक है। ये प्रयास हर नागरिक को स्वस्थ जीवन का अधिकार दे रहे हैं। "चिकित्सक जीवन के सच्चे रक्षक हैं, जो आशा और विश्वास का संचार करते हैं।"

- निशांत शर्मा

(लेखक, सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करते हैं।)

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबेक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./7461/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 23.06.2025

NOTICE INVITING TENDER No. 1232 (PM-JANMAN)
(Batch-II, Year-2024-25)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.pmgsytenders.gov.in**. as detailed below :-

- **Name of Work :-** Construction/Upgradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five year after construction.
- **SSR Applicable :-** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority, effective from 01.01.2024 and amended upto issue date of NIT.
- **PMAJANMAN-Batch-II**

S. No.	Name of District	No. of Packages	No. of Road	Total Length (in kms)	Total PAC (In Rs.)
1.	Sidhi	1	2	4.70	28522000.00

1. **Availability of Bid Documents and mode of submission:** The bid document is available online and should be submitted online in **www.pmgsytenders.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.
2. Bid document may be purchase online from **24.06.2025 (17:30 hrs) and last date for online bid submission is 11.07.2025 (17:00 hrs.)**
3. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and SBD for PMGSY Works (June-2020) on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120759/2025 R-51160/2025 **(TENDER)**

म.प्र. भवन विकास निगम लिमिटेड

(म.प्र. शासन का उपक्रम)
16-A, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-11, फोन नं. : 4853295/4853297, वेब. : www.mpbdc.gov.in, CIN : U45400MP2022SGC060277
No. 4330/MPBDC/858/HR/2025 (Phase-11) Bhopal, Date: 26.06.2025

RECRUITMENT NOTICE/ADVERTISEMENT

Madhya Pradesh Building Development Corporation Ltd. (MPBDC) is a wholly Govt. owned company incorporated under the Companies Act 2013 and has its registered office at 16-A, Arera Hills, Bhopal. To meet the manpower requirement, MPBDC invites applications for following indicative posts from eligible candidates:

1. Assistant Manager (Civil) - 10 (UR (PH)-01 (Deaf), UR-05, OBC-01, EWS-01, ST-02

For the above posts, appointment is to be made on the basis of GATE score of any one year of last three years (2023 to 2025), interested candidates (Male/Female) must submit their application as per Rule Book before last date through proper channel. The last date for submitting online applications may refer the rule book, placed on MPBDC portal **https://mpbdc.mp.gov.in**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120834/2025 **(HR& ADMIN.)**

R-51171/2025

म.प्र. भवन विकास निगम लिमिटेड

(म.प्र. शासन का उपक्रम)
16-A, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-11, फोन नं. : 4853295/4853297, वेब. : www.mpbdc.gov.in, CIN : U45400MP2022SGC060277
No. 4331/MPBDC/858/HR/2025 (Phase-11) Bhopal, Date : 26.06.2025

RECRUITMENT NOTICE/ADVERTISEMENT

Madhya Pradesh Building Development Corporation Ltd. (MPBDC) is a wholly Govt. owned company incorporated under the Companies Act 2013 and has its registered office at 16-A, Arera Hills, Bhopal. To meet the manpower requirement, MPBDC invites applications for following indicative posts from eligible candidates:

1. Deputy General Manager (Civil)-07 [UR-03, ST-01, OBC-03 (2+1)] Deputation/Contract
2. Assistant General Manager (Civil)-07 [UR (PwD: Blind & Autism)-02, ST-02, SC-01, OBC-02] Deputation/Contract
3. Assistant General Manager (Design)-01 [UR Deputation/Contract]
4. Assistant General Manager (Architect)- 01 (UR-01) Deputation/Contract
5. Legal Adviser- 01 (UR-01) Contract only
6. Manager (Civil) – 07 on Deputation only (OBC-13%)
7. Assistant Manager (Civil) – 05 on Deputation only (OBC-13%)

For the above posts, interested candidates (Male/Female) must submit their application as per Rule Book before last date through proper channel. The last date for submitting online applications may refer the rule book, placed on MPBDC portal **https://mpbdc.mp.gov.in**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120835/2025 **(HR & ADMIN.)**

R-51172/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORP. LTD.

R.O. Chambal, City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 35 **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 20.06.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के रख-रखाव का कार्य।	41840000.00/419000.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 25.06.2025 से 07.07.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120767/2025 R-51161/2025 **कार्यपालन यंत्री**

MADHYA PRADESH BUILDING DEVELOPMENT CORPORATION

(An Agency of Govt. of M.P. Public Works Department)
16-A, CEDMAP Building, Arera Hills, Bhopal (MP)-462011
Telephone No: 0755- 4853297, 0755- 4853295
E-mail : einc-mpbdc@mp.gov.in, dgmhqmpbdc@gmail.com
NIT No.: 4200/GM/MPBDC/CW/25/NIT-68 Bhopal, Dtd. : 23.06.2025

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Building Development Corporation Limited (MPBDC) Bhopal invites online tenders for the following works :-

1. Construction upgradation and renovation work in Maharaja Yashwantrao, Hospital, Indore- PAC : **Rs. 58705.99 Lacs**
2. Construction/Renovation of OPD Block maturity block staff quarter nursing college hostel and allied works in Shyam Shah Medical College Rewa, M.P.- **PAC : Rs. 25500.50 Lacs**
3. Construction Work at Indore District
I. Composite Tahsil Office Building BHICHOULIHAPSI – **PAC : Rs. 626.94 Lacs**

PACKAGE NO.10/TAHSIL OFFICE/2024/BDC/ KHANDWA

II. Construction and Upgradation Work in DAV University at Indore – PAC : **Rs. 1116.01 Lacs (2nd Call)**
4. New Construction on existing building and Renovation of Science Block at Government Post Graduate College, Seoni, M.P.– **PAC: Rs. 313.00 Lacs**
5. Construction of Basketball Court and Multi purpose Hall at Jawaharlal Nehru Government Degree College Barwaha, Khargone, M.P. – PAC : **Rs. 261.43 Lacs**
6. Interior Furnishing and electrification work of the 5th floor in the newly constructed administrative building and cultural centre of commissioner tribal office at arera hills Bhopal, M.P. – **PAC- Rs. 200.03 Lacs**

Detailed NIT and tender documents can be viewed, downloaded and purchased online from **02.07.2025 at 18:00 hrs. to 25.07.2025 at 15:30 hrs. (for S. No. 01 to 02 only), 26.06.2025 at 18:00 hrs. to 14.07.2025 at 15:30 hrs. (for S. No. 03 to 05 only) and 25.06.2025 at 18:00 hrs. to 10.07.2025 at 15:30 hrs. (for S. No. 06 only)** from website **www.mptenders.gov.in** PAC can vary at the time of uploading of tender document. Any amendment/ corrigendum 'if any' will be published on website only, will not be published on newspapers.

M.P. Madhyam/120771/2025 **MANAGING DIRECTOR**

R-51163/2025

म.प्र. भवन विकास निगम लिमिटेड

(म.प्र. शासन का उपक्रम)
16-A, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.)-462011, फोन नं. : 4853295/4853297, वेब. : www.mpbdc.gov.in, CIN : U45400MP2022SGC060277
No. 4332/MPBDC/858/HR/2025 (Phase-11) Bhopal, Date: 26.06.2025

RECRUITMENT NOTICE/ADVERTISEMENT

Madhya Pradesh Building Development Corporation Ltd. (MPBDC) is a wholly Govt. owned company incorporated under the Companies Act 2013 and has its registered office at 16-A, Arera Hills, Bhopal. To meet the manpower requirement, MPBDC invites applications for following indicative posts from eligible candidates:

1. General Manager (Civil)-02 (UR-01, OBC-01) Deputation/ Contract

For the above posts, interested candidates (Male/Female) must submit their application as per Rule Book before last date through proper channel. The last date for submitting online applications may refer the rule book, placed on MPBDC portal **https://mpbdc.mp.gov.in**

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/120836/2025 **(HR & ADMIN.)**

R-51173/2025

मुख्यमंत्री ने कैप्टन शुभांशु को दी बधाई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमेरिका अंतरिक्ष अनुसंधान एजेंसी (NASA) के एक्सिओम मिशन 4 के अंतर्गत अंतरिक्ष की उड़ान भरने पर भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और सम्पूर्ण टीम को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्रुप कैप्टन श्री शुक्ला की यह उपलब्धि न केवल वायुसेना, बल्कि पूरे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण और गर्व का विषय है। ग्रुप कैप्टन श्री शुक्ला ने नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से अंतरिक्ष की ओर कदम बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहली बार भारतीय वायुसेना के किसी वरिष्ठ अधिकारी ने अंतर्राष्ट्रीय निजी अंतरिक्ष मिशन में सहभागिता की है।

OM COLLEGE OF EDUCATION

Run by : Sajjan Aadiwasi Shikshan Evam Vikas Samiti
(Recognised By NCTE New Delhi Approved M.P. Govt. & Affiliated to D.A.V.V., Indore)
Village Amba Kuwa Gram Panchyat Bhurimati Tehsil Ranapur Dist Jhabua (M.P.)
Visit us : infoomcollege@gmail.com

Under College Code -28

REQUIRED

For B.Ed. Course

01	Principal/HOD	01 post
02	Assistant Professor in Perspectives in Education	04 post
03	Assistant Professor in Pedagogy subjects (Maths, Science, Social Science, Language)	08 post
04	Assistant Professor in Health And Physical Education	01 post
05	Assistant Professor in Fine Arts	01 post
06	Assistant Professor in Performing arts (Music/Dance/Theatre)	01 post

Qualification : As per NCTE Norms, Salary : As per NCTE & UGC Norms
Apply Within 08 Days to College Address & Email ID
Contact : 95847-67000, 99935-27427

R-51175/2025

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री
ए-2/2, एम.आय.जी., महानंदा नगर, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail : mpphcl_ujjain@yahoo.in, मोबा. 9406808103
क्र. 961, 962 /पय/मप्रपुआवविनि/25/ उज्जैन, दिनांक : 25.06.25

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 08 एवं 09/2025-26

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक-08/2025-26 दिनांक 25.06.2025 के अंतर्गत जिला उज्जैन एवं मंदसौर में विभिन्न निर्माण कार्यों एवं निविदा क्रमांक-09/2025-26 दिनांक 25.06.2025 के अंतर्गत जिला उज्जैन में विभिन्न स्कूलों में बाउण्ड्रीवाल निर्माण हेतु ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2025_MPPHC_433008, 2025_MPPHC_433009, 2025_MPPHC_433010, 2025_MPPHC_433011, 2025_MPPHC_433013 (कुल 5 निविदा) आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन दिनांक 10.07.2025 17.00 बजे तक प्रस्तुत किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120812/2025 R-51169/2025 **परियोजना यंत्री**

पीपुल्स (निजि) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान

भारत सरकार एवं म.प्र.शासन से मान्यता प्राप्त

✆ 0755-4175062, 9893180813, 9691546821
Email: pitc.bpl@gmail.com

प्रवेश प्रारम्भ

क्र.	विषय	अवधि	शैक्षणिक योग्यता	प्रमाणित
1.	कम्प्युटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट	एक वर्ष	10वीं पास	एन.सी.वी.टी
2.	लिथो ऑफसेट मशीन माइन्डर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी
3.	प्लेट मेकर कम इम्पोजिटर	एक वर्ष	10वीं पास	एस.सी.वी.टी

संस्था का पता : पीपुल्स स्टेडियम, पीपुल्स पब्लिक स्कूल परिसर, भानपुर, अयोध्या बायपास रोड, भोपाल (म.प्र.)
सम्पर्क समय : प्रातः 9:00 बजे से 5:00 बजे तक

R-51184/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India)
Tel. : (91) 755-2571830,2575618,3523555,3523505, CIN : U511 02MP1977SGC001392
E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in
MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/223/ Date : 23.06.2025

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following work from registered contractors and firms for the following work :

NIT No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract (in Rs Cr)
223	Survey, Site Investigation, Detailed Design, Construction, Procurement and Installation and Commissioning of 1.00 MLD capacity ZLD (Zero Liquid Discharge) based Common Effluent Treatment Plant with 10 Years Operation and Maintenance at Investment Region Ratlam, MP	Ujjain	15.63

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement **Portal- https://mptenders.gov.in** – MPIDC HO.

M.P. Madhyam/120770/2025 R-51162/2025 **CHIEF ENGINEER**

प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट (PAT) 2025 आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि
24.06.2025 से 08.07.2025 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि
24.06.2025 से 13.07.2025 तक

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
26 जुलाई 2025 शनिवार से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 07:00 से प्रात: 08:00 बजे तक	प्रात: 09:00 से प्रात: 12:00 बजे तक (03 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से दोपहर 06:00 बजे तक (03 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर : भोपाल, इंदौर, जबलपुर, सीधी, उज्जैन, सतना, सागर, रतलाम, नीमच एवं रीवा।**
4. **प्रवेश परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	**रुपये 500/-**
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	**रुपये 250/-**
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुक्ल	**रुपये 60/-**
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटीजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	**रुपये 20/-**

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट में से काई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यपित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक हैं, वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों की प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं Sun Glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

'चयन भवन' मेन रोड नं.-1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, Websit : www.esb.mp.gov.in

विज्ञापन क्र. 64/2025 म.प्र. माध्यम/120773/2025

R-51164/2025

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमि.

(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
CIN : U40109MP2001SGC014880
रजिस्टर्ड ऑफिस : ब्लॉक नं. 2 शक्तिभवन, रामपुर, जबलपुर (म.प्र.) 482008
दूरभाष : (0761), 2702041, Website : www.mptransco.in
E-mail : ce.ca@mptransco.nic.in

क्रमांक अस/एमपीपीटीसीएल/ई-1/1843 **दिनांक : 24.06.2025**

विज्ञापन सूचना

म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर जो कि मध्यप्रदेश राज्य में विद्युत पारेषण के क्षेत्र में कार्यरत है, के द्वारा इस विज्ञापन के माध्यम से निम्नलिखित संवर्गों के समक्ष अंकित रिक्त पदों हेतु **दिनांक 04.08.2025 तक** ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं :-

क्र.	श्रेणी	पद का नाम	रिक्तियों की संख्या	वेतनमान
1.	द्वितीय	सहायक अभियंता (पारेषण)	63	56100-177500
2.	द्वितीय	विधि अधिकारी	1	56100-177500
3.	तृतीय	कनिष्ठ अभियंता (पारेषण)	247	32800-136000
4.	तृतीय	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	12	32800-136000
5.	चतुर्थ	लाइन परिचारक	67	19500-62000
6.	चतुर्थ	उपकेन्द्र परिचारक	229	19500-62000
7.	चतुर्थ	सर्वेयर परिचारक	14	19500-62000

भर्ती प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत विज्ञापन विवरण के लिए कंपनी की अधिकारिक वेबसाइट **www.mptransco.in** अथवा एम.पी. ऑनलाइन की वेबसाइट **www.mponline.gov.in** अथवा **Iforms.mponline.gov.in** को देंखे।

म.प्र. माध्यम/120806/2025 **मुख्य अभियंता (मा. संसा. एवं प्रशा.)**

(बिजली की बचत करें)

R-51168/2025

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

(मध्यप्रदेश शासन का उपक्रम)
CIN : U40109MP2001SGC014880
रजिस्टर्ड ऑफिस: ब्लॉक नं. 2, शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर (म.प्र.)-482008, दूरभाष : (0761)-2702036, 2702041, Website : www.mptransco.in, E-mail : ce.ca@mptransco.nic.in

क्रमांक - अस/एमपीपीटीसीएल/ई-1/1859 **दिनांक : 25.06.2025**

केवियेट सूचना

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों को सीधी भर्ती से भरे जाने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से विज्ञापन क्रमांक अस/एमपीपीटीसीएल/ई-1/1843 दिनांक 24.06.2025 द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। संभावना है कि, किसी व्यक्ति/समूह/संस्था/संगठन द्वारा इस भर्ती को रिट याचिका अथवा किसी अन्य विधिक प्रक्रिया द्वारा चुनौती/स्थगन लेने के लिए माननीय उच्च न्यायालय, प्रधानपीठ जबलपुर/खंडपीठ इंदौर/खंडपीठ ग्वालियर में रिट याचिका दायर की जा सकती है। अत: सभी को यह सूचित किया जाता है कि, यदि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा विभिन्न संवर्गों के रिक्त पदों की सीधी भर्ती हेतु जारी विज्ञापन या प्रक्रिया को चुनौती दी जाती है, तो संबंधित द्वारा इसकी विधिवत सूचना एवं याचिका की अग्रिम प्रति, मुख्य अभियंता (मा.संसा. एवं प्रशा.) मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, ब्लॉक नं.- 2, शक्ति भवन, रामपुर, जबलपुर (म.प्र.) पिन नं. 482008, अथवा हमारे निम्नांकित कंपनी अधिवक्ता को आवश्यक रूप से उपलब्ध करायी जाये। माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय प्रधानपीठ जबलपुर/खंडपीठ इंदौर/खंडपीठ ग्वालियर में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर द्वारा केवियेट दायर की जा रही है। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड, जबलपुर का मुख्यालय जबलपुर (म.प्र.) में होने से प्रकरण का न्यायिक क्षेत्र म.प्र. उच्च न्यायालय प्रधानपीठ जबलपुर होगा।

1.	माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय, प्रधानपीठ जबलपुर	श्री सत्य प्रकाश मिश्रा, अधिवक्ता, बी-28, अवंति विहार कॉलोनी, रामनगर, रामपुर, जबलपुर (म.प्र.), पिन नं. : 482008, मो.नं. : 9993409274
2.	माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय, खंडपीठ इंदौर	श्री मधुसूदन द्विवेदी, अधिवक्ता, 503, ब्लॉक-बी, एक आरएनटी मार्ग, इंदौर (म.प्र.), पिन नं. : 452001, मो.नं. : 9826056685
3.	माननीय म.प्र. उच्च न्यायालय, खंडपीठ, ग्वालियर	श्री अनिल शर्मा, अधिवक्ता, एम 150, माधव नगर, महाधिवक्ता कार्यालय के पास, ग्वालियर (म.प्र.) पिन नं. : 474002, मो.नं. : 9977244500

(धीरेन्द्र सिंह)

म.प्र. माध्यम/120805/2025 R-51167/2025 **मुख्य अभियंता (मा.संसा. एवं प्रशा.)**

M.P. INDUSTRIAL DEV. CORPN. LTD.

R.O. Gwalior City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 2427 **ई-टेण्डर नोटिस** **दिनांक 20.06.2025**

कार्य का नाम	अनु. लागत/धरोहर राशि
एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों के रख-रखाव का कार्य।	4305000.00/ 46100.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.06.2025 से 10.07.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120833/2025 **कार्यपालन यंत्री**

R-51170/2025

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, पुलिस लाइन रीवा (म.प्र.)
मोबाइल : 9425601556/9340714903

प्रेस-विज्ञप्ति

संभाग रीवा के अंतर्गत निर्माण कार्य अर्द्धशहरी थाना भवन जमोड़ी जिला सीधी के कार्य हेतु निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक MPPHCL/TENDER No. 2025_MPPHC_432999_1 आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र दिनांक **08.07.2025 समय 17:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं प्रस्तुत किये जा सकते हैं एवं निविदा सूचना व अन्य विवरण Portal : **http://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120804/2025 **परियोजना यंत्री**

R-51166/2025

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय

(मध्यप्रदेश विधानसभा के अधिनियम क्रमांक 15, 1990 द्वारा स्थापित)
माखनपुरम परिसर, म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, पोस्ट बरखेड़ा नाथू बिसनखेड़ी भोपाल - 462044, फोन : (0755) 2551642, 2553523, Website : www.mcu.ac.in

शैक्षणिक सत्र 2025-26
अतिथि व्याख्याताओं के आवेदन पत्र आमंत्रित

शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अध्यापन हेतु विषय- पत्रकारिता, जनसंचार, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, विज्ञापन एवं जनसम्पर्क, मीडिया प्रबंधन, ग्राफिक्स एनीमेशन, मल्टीमीडिया, सिनेमा अध्यापन, भाषा एवं अनुवाद, कम्प्यूटर, संचार शोध, सांख्यिकी, डिजीटल जर्नलिज्म, न्यू मीडिया, फिल्म प्रोड्क्शन, ऑडियो-वीडियो एडीटिंग पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, ई-कॉमर्स, वाणिज्य, प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी एवं गणित के अध्यापन हेतु अतिथि शिक्षकों के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

अभ्यर्थियों का चयन विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रक्रिया द्वारा किया जायेगा। चयनित आवेदकों का साक्षात्कार विश्वविद्यालय मुख्यालय भोपाल में होगा। यूजीसी/एआईसीटीई की निर्धारित अर्हता को पूर्ण करने वाले उम्मीदवारों को कालखंड आधारित मानदेय पर एक सेमिस्टर के लिए अस्थाई रूप से रखा जायेगा।

अर्हताएं :

1. यूजीसी/एआईसीटीई की निर्धारित अर्हता
2. उपरोक्त संबंधित विषयों में पीएच.डी. अथवा
3. यूजीसी नेट उत्तीर्ण अथवा
4. मीडिया/आई.टी. क्षेत्र में कार्य करने का स्नातकोत्तर उपाधि के साथ 10 वर्ष या उससे अधिक का अनुभव।

कार्य संतोषजनक पाये जाने पर कालखंड आधारित मानदेय पर कार्यकाल अगले सत्र के लिए भी बढ़ाया जा सकेगा। चयनित उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के भोपाल, रीवा, दतिया एवं खंडवा परिसर में शिक्षण कार्य दिया जाएगा। यह चयन पूर्णत: अस्थायी/तदर्थ होगा और इसके आधार पर नियमित नियुक्ति का दावा नहीं किया जा सकेगा। अतिथि व्याख्याताओं को कालखंड के आधार पर मानदेय विश्वविद्यालय के नियमानुसार देय होगा।

इच्छुक उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय के **माखनपुरम परिसर, मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के सामने, बिशनखेड़ी, भोपाल में दिनांक 08 से 10 जुलाई 2025 को सम्मुख साक्षात्कार (Walk–in interview) के लिए उपस्थित होना होगा।** साक्षात्कार की समय सारणी शीघ्र ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट **www.mcu.ac.in** पर जारी की जाएगी।

म.प्र. माध्यम/120792/2025 R-51165/2025 **कुल सचिव**

कार्यालय क्षेत्रसंचालक, सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व, नर्मदापुरम, म.प्र.

Phone No. : 07574-254394 (0), E-mail : fdsatnp.hbd@mp.gov.in

No./Est./5261 Narmadapuram, Date : 27.06.2025

Public Notice

Applications are invited for engagement of Field Biologist as Junior Research Fellow on Contractual basis

According to the Madhya Pradesh Tiger Foundation Society (MPTFS) Office memorandum No./ MPTFS/3333, Dated 26.04.2021, Satpura Tiger Reserve, Narmadapuram (M.P.) invites application for the engagement of 03 **Field Biologists** (01 each for Satpura Tiger Reserve Narmadapuram, Veerangana Durgavati Tiger Reserve Sagar and Bandhavgarh Tiger Reserve Umaria) purely on contractual basis for one year so as to provide technical inputs to the management. Details are as follows :

1.	**Name of Post**	:	Field Biologist
2.	**Last date for form submission**	:	17.07.2025
3.	**Essential Qualification**	:	M.Sc. in Wildlife Science/Environmental Science
4.	**Emoluments**	:	Rs. 37200/- (Rupees Thirty Seven Thousand Two Hundred only) per month plus the House Rent Allowance (HRA) as per the office memorandum issued by MOEF & CC, GoI dated 24th July 2019
5.	**Age**	:	Not more than 30 years as on 01.01.2025
6.	**Date of Interview**	:	23.07.2025
7.	**Place of Interview**	:	Office of the Field Director, Satpura Tiger Reserve, Besides Commissioner Colony, Pipariya Road, Narmadapuram (M.P.)

Note :

- Interested candidates are required to submit their duly filled-in application form in PDF format with self-attested true copies of all required documents by email only to **fdsatnp.hbd@mp.gov.in.**
- For any query, please mail at **fdsatnp.hbd@mp.gov.in** or contact 9425556200, 9424792105

DEPUTY DIRECTOR SATPURA TIGER RESERVE

G-14872/51178/2025 **NARMADAPURAM (M.P.)**

जन अभियान परिषद्

(योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन)

राजीव गांधी भवन, द्वितीय खण्ड, श्यामला हिल्स, भोपाल

विज्ञप्ति

म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा नवांकुर योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 हेतु लीड एन.जी.ओ. के रूप में प्रदेश के समस्त जिलों के प्रत्येक विकासखण्ड में 05 (प्रत्येक सेक्टर में एक) स्वैच्छिक संस्थायें परिषद् के साथ तीन वर्षों से जुड़ कर कार्य कर रही संस्थाओं/समितियों का निर्धारित मापदण्डों के अनुसार म.प्र. जन अभियान परिषद् द्वारा गठित समिति द्वारा चयन किया जावेगा तथा उक्त चयनित संस्थाओं को परिषद् द्वारा प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराकर लीड स्वैच्छिक संगठन के रूप में विकसित किया जावेगा।

योजना का विवरण, चयन प्रक्रिया एवं आवेदन फार्म परिषद के राज्य/संभाग/जिला कार्यालय अथवा परिषद् की वेबसाइड **www.mpjap.mp.gov.in** से प्राप्त किये जा सकते हैं। पूर्णतः भरे हुये आवेदन समस्त दस्तावेजों सहित **दिनांक 20 जुलाई 2025 को सायं 6.00 बजे तक** स्वयं या रजिस्टर डाक से संबंधित जिला कार्यालय में आवेदन फार्म जमा किये जा सकते हैं।

कार्यपालक निदेशक

जी-14869/51177/2025 **म.प्र. जन अभियान परिषद्**

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा भोपाल, मध्यप्रदेश

(जे.पी. चिकित्सालय परिसर, न्यू भवन, भोपाल)

ई-मेल : dr.vandanakhare@mp.gov.in, वेबसाइट : health.mp.gov.in

क्रमांक/2/अवि./सेल-2 (भर्ती)/2025

विभागीय विज्ञप्ति

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 के समूह-5 के अंतर्गत पद कोड-01 रेडियोग्राफर एवं पद कोड-02 लेब टेक्नीशियन (लेबोरेट्री टेक्नीशियन) के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये हैं, तत्संबंध में रेडियोग्राफर एवं लेब टेकनीशियन के पदों की पूर्ति हेतु **काउंसलिंग प्रक्रिया दिनांक 01.07.2025 से** प्रारंभ की जा रही है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल द्वारा संयुक्त भर्ती परीक्षा वर्ष 2024 के समूह-5 के अंतर्गत पद कोड -01 रेडियोग्राफर एवं पद कोड-02 लेब टेक्नीशियन (लेबोरेट्री टेक्नीशियन) के परीक्षा परिणाम में उत्तीण अभ्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि काउंसलिंग की प्रक्रिया से संबंधित मैसेज अथवा जानकारी अभ्यार्थियों द्वारा मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल, भोपाल को प्रदाय किये गये मोबाइल नम्बर एवं ई-मेल पर ही प्रदाय की जावेगी।

इसके अतिरिक्त काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट **health.mp.gov.in** पर देखें।

जी-14904/51180/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री

संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./930, 931/तशा/प.यं./2025 **दिनांक : 26.06.2025**

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त कोतवाली कार्यालय भोपाल में निर्माण/रेनोवेशन/मरम्मत कार्य तथा थाना ईटखेड़ी जिला भोपाल में अर्द्धशहरी पुलिस थाना भवन का निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_433493_1, 2025_MPPHC_433494_1 **दिनांक 10.07.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/120852/2025 R-51183/2025 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

खनि अधिकारी परीक्षा -2023

क्रमांक 5031/07/2023/चयन **इन्दौर, दिनांक : 25.06.2025**

चयन - सूची (मुख्य भाग 87 प्रतिशत)

पदनाम - खनि अधिकारी

आयोग के विज्ञापन **क्रमांक 06/2023 दिनांक 13.03.2023** एवं समय-समय पर जारी शुद्धिपत्रादि, सूचनाओं आदि के संदर्भ में **म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग** के अंतर्गत विज्ञापित पद- **खनि अधिकारी के कुल 05 पद** (अनारक्षित-02, अ.जा. -01, अ.ज.जा. -01, अ.पि.वर्ग -01, ई.डब्ल्यू. एस. - निरंक) इनमें से महिलाओं हेतु आरक्षित (अनारक्षित-01, अ.जा.-निरंक, अ.ज.जा.-निरंक, अ.पि.वर्ग - निरंक ई.डब्ल्यू. एस.-निरंक) विज्ञापित किए गए हैं। उक्त पदों की पूर्ति के लिए, **खनि अधिकारी परीक्षा-2023 दिनांक 25.08.2024** को आयोजित की गई। आयोग द्वारा लिखित परीक्षा परिणाम **दिनांक 25.10.2024** को घोषित किया गया। उक्त परीक्षा में अर्ह आवेदकों के **साक्षात्कार 10.06.2025** को आयोजित किए गए हैं।

2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के पत्र क्रमांक एफ 07-46/2021/आ.प्र./एक दिनांक 29.09.2022 में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन में म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग से प्राप्त मांग पत्र के परिप्रेक्ष्य में विज्ञापन कमांक 06/2023 दिनांक 13.03.2023 के अंतर्गत विज्ञापित कुल पदों में से अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु-01 पद विज्ञापित होने के कारण 87 प्रतिशत मुख्य भाग एवं किन्तु 13 प्रतिशत प्रावधिक भाग की रिक्तियों का पद विभाजन अंकित नहीं किया गया है। उक्त पत्र दिनांक 29.09.2022 के अनुसार परीक्षा परिणाम दो भागों में मुख्य भाग एवं प्रावधिक भाग के रूप में घोषित किया जाना प्रावधानित किया गया है। चयन परिणाम केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) का घोषित किए जाने के प्रावधान के तहत उक्त विज्ञापित कुल पद केवल मुख्य भाग के होने के परिणामस्वरूप, कुल रिक्तियों का विवरण निम्नांकित तालिका में अंकित है। अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु 01 पद विज्ञापित होने से प्रावधिक भाग की रिक्तियां निरंक रहने के परिणामस्वरूप, पृथक से प्रावधिक भाग का चयन परिणाम जारी किए जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

3. अतएव लिखित परीक्षा + साक्षात्कार में प्राप्त प्राप्तांकों के योग के गुणानुक्रम के आधार पर निम्नानुसार केवल 87 प्रतिशत पदों (मुख्य भाग) की चयन सूची घोषित की जाती है :-

खनि अधिकारी (म.प्र. शासन, खनिज साधन विभाग)

पद विवरण तालिका (मुख्य भाग-87 प्रतिशत)

	अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	ई.डब्ल्यू.एस.	योग
कुल पदों की संख्या	2	1	1	1	0	5
इनमें से महिलाओं के लिए आरक्षित पद	1	0	0	0	0	

मुख्य सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	Seat	श्रेणी
1.	100201	VIPUL KUMAR RAVAT	M	UNR	UNR
2.	100054	PRAGATI SONVANE	F	UNRF	OBC
3.	100150	PRAJJWAL PAWAR	M	OBC	OBC
4.	100187	NAVNEET BHALEKAR	M	SC	SC
5.	100304	SHIV PRATAP SINGH	M	ST	ST

अनुपूरक सूची

स.क्र.	अनुक्रमांक	नाम	लिंग	श्रेणी
1.	100105	SUNIL KUMAR PANDAY	M	UNR
2.	100519	GAURAV WASNIK	M	SC
3.	100249	ROSHNI MISHRA	F	UNR
4.	100242	KAMAL KANT PARASTE	M	ST

टीप :-

1. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक एफ-7-46/99/आ. प्र./एक भोपाल दिनांक 07 नवम्बर, 2000 में दिए निर्देशों के तहत अनारक्षित (ओपन) पदों पर चयन हेतु निर्धारित मापदंड के तहत आरक्षित वर्ग के वे ही आवेदक ऐसे ओपन पदों पर चयनित किए गए हैं जो कि हर प्रकार से सामान्य वर्ग के उम्मीदवार के समान ही बिना किसी रियायत के योग्यता प्राप्त किए हों। किसी प्रकार की रियायत को प्राप्त किए बिना तथा मेरिट में आने पर ही आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों का चयन मेरिट गुणानुक्रम के आधार पर अनारक्षित पदों पर किया जाना प्रावधानित है।
2. म.प्र. शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के परिपत्र क्रमांक सी/3-2/97/3/एक भोपाल, दिनांक 10.02.1997 की कंडिका 05 के परिपालन में घोषित की गई चयन सूची में पर्याप्त संख्या में महिला अभ्यर्थी अनुपलब्ध होने की दशा में महिलाओं हेतु आरक्षित पदों को संबंधित प्रवर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों से भरे जाने का प्रावधान प्रावधानित है।
3. चयन परिणाम प्रकाशित होने के बाद यदि कम्प्यूटर त्रुटि/लिपिकीय त्रुटि आयोग के संज्ञान में आती है तो आयोग के पास चयन परिणाम सुधारने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।
4. घोषित चयन परिणाम मान. उच्च न्यायालय में लंबित याचिका क्रमांक डब्ल्यू. पी. 18736/2025 के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रहेगा।
5. न्यायालयीन प्रकरण वाले अभ्यर्थियों के चयन परिणाम मान. न्यायालय के अंतिम निर्णय के अध्यधीन रखे गए हैं।

(प्रबल सिपाहा) सचिव

जी-14879/51179/2025 **म.प्र. लोक सेवा आयोग, इन्दौर**

श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास मंदसौर (म.प्र.)

तीर्थंकर भगवान महावीर मार्ग (संजीत मार्ग), मंदसौर (म.प्र.)-458001

(बी.सी.आई. से मान्यता प्राप्त एवं विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से संबद्ध)

आवश्यकता

श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय, मंदसौर में कॉलेज कोड 28 के अंतर्गत निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन-पत्र आमंत्रित हैं।

प्राचार्य-01 पद, प्राध्यापक-01 पद

सहायक प्राध्यापक :- विधि-08 पद, इतिहास-01 पद, अर्थशास्त्र-01 पद, समाजशास्त्र-01 पद, हिन्दी-01 पद, कम्प्यूटर- 01 पद

योग्यता एवं वेतनमान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बार काउंसिल ऑफ इंडिया एवं म.प्र. शासन के नियमानुसार

सहायक प्राध्यापक हेतु सेवा शर्ते :- ● यू.जी.सी., बी.सी.आई. विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित नियमों तथा श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास द्वारा निर्मित नियमावली के अनुसार होगी। ● अभ्यर्थी अपनी शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव संबंधी पूर्ण जानकारी स्वप्रमाणित दस्तावेजों के साथ **सचिव, श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय न्यास, तीर्थंकर भगवान महावीर मार्ग (संजीत मार्ग), मंदसौर (म.प्र.)-458001** को इस विज्ञापन के प्रकाशन से एक माह में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

रघुवीर सिंह चुण्डावत, (सचिव)

श्री जवाहरलाल नेहरू विधि महाविद्यालय मंदसौर

R-51176/2025

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग जबलपुर परिक्षेत्र जबलपुर

AN ISO 9001: 2015 CERTIFIED OFFICE
इंदिरा गांधी मार्ग, साउथ सिविल लाइन, जबलपुर (म.प्र.) पिन-482001
Phone No. : 0761-2621541, E-mail : cepwdcentral@mp.nic.in

निविदा सूचना क्रमांक-04/सा/2025-26 जबलपुर, दिनांक : 20.06.2025

निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। यह निविदा वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर प्राप्त हो सकेंगे।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 01. तिलवारा चरगवां मार्ग लं. 6.70 कि.मी. का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य विद्युतीकरण सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ लो.नि.वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_ 432211_1	जबलपुर क्र.-2	प्रथम	4562.35 लाख	22,82,000/-	50,000/-	24 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 02. घुटास उमरिया मेहली ईलाही से घुघरी मार्ग लं. 24.00 कि.मी. एवं घुघरी चाबी मार्ग लं. 21.40 कि.मी. का निर्माण कार्य कुल लं. 45.40 कि.मी. विद्युतीकरण सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ लो.नि.वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_ 432212_1	मण्डला	प्रथम	9752.23 लाख	48,76,200/-	50,000/-	36 माह वर्षाऋतु सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 03. कालपी छिंदगांव पिपरिया मार्ग लं. 31.30 कि.मी. का उन्नयन का कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित।

टेण्डर आई.डी.	जिला/ लो.नि.वि. संभाग	आमंत्रण	ठेके की अनु. राशि रु. (लाख में)	अमानत राशि रु.	निविदा प्रपत्र राशि रु.	समयावधि
2025_PWDRB_ 432213_1	मण्डला	प्रथम	5907.92 लाख	29,54,000/-	50,000/-	30 माह वर्षाऋतु सहित

टीप :– निविदा का विस्तृत विवरण म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 07.07.2025** समय 5.30 PM तक है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता
जी-14652/51151/2025 **लो.नि.वि. जबलपुर परिक्षेत्र, जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग ग्वालियर (म.प्र.) पिन - 474011

[विकास परिसर ठाठीपुर ग्वालियर 474011 कार्यालय फोन नं. : 0751-2232466
Email ID : eeresgwalior-mp@nic.in]

क्रमांक 1713/ग्रायासे/निविदा/2025 ग्वालियर, दि. : 23.06.2025

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना - 01/RES/DIV/GWL/2024-25

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से ऑफलाइन प्रतिशत दर निविदायें निविदा प्रपत्र "2-10" में निहित शर्तों के अनुरूप म.प्र. लोक निर्माण विभाग के केन्द्रीयकृत ई-पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा (कवर) पद्धति में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के निर्माण कार्यों हेतु प्रदर्शित दर अनुसूची (निविदा विज्ञप्ति जारी होने के दिनांक तक संशोधित) के आधार पर दिनांक 17.06.2025 को सुबह समय 10:00 बजे से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 07.07.2025 को दोपहर 3:00 बजे तक कार्यालय में जमा की जा सकती हैं एवं प्राप्त निविदायें उसी दिनांक 07.07.2025 को समय दोपहर 3:30 बजे खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.06.2025 को सुबह समय 10:00 से **07.07.2025 दोपहर 3:00 बजे तक** अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय में चालान के माध्यम से फीस जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

कार्य क्र.	कार्य का नाम/स्थान	कार्य की अनु. लागत (लाख में)	समयावधि (वर्षाकाल सहित)	निविदा का आमंत्रण
1.	जनपद पंचायत मुरार कैम्पस में निर्माणाधीन दुकानों की कंस्ट्रक्शन ऑफ शापस एडीशनल वर्क इन जनपद 1 पंचायत मुरार जिला ग्वालियर पिनकोड - 474011 RES SOR inforced from date 11.04.2022 with and upto date ammendment."	9.327	03 माह	प्रथम

रु. 9.327 लाख (रु. नौ लाख बत्तीस हजार मात्र)

नोट:- निविदा संबंधी शर्तें व नियम कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यालयीन समय में देखी जा सकती हैं।

कार्यपालन यंत्री
जी-14719/51152/2025 **ग्रा.यां. सेवा संभाग, ग्वालियर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 22 से 23/2025-26 **विदिशा, दिनांक : 20.06.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. पीकलोन पहुंच मार्ग लंबाई 3.90 कि.मी. में मजबूतीकरण कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी.
2025_PWDRB_431271_1	विदिशा	मजबूतीकरण कार्य	प्रथम	320.60	320600/-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. सिरोंज सेमलखेड़ी मार्ग 5.50 कि.मी., कालादेव दौरला माता मुण्डरा मार्ग लंबाई 10.00 कि.मी. एवं सिरसावास पहुंच मार्ग 0.80 कि.मी. लंबाई 16.30 कि.मी. में बी.टी. रिन्यूवल कार्य।

टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी.
2025_PWDRB_431272_1	विदिशा	बी.टी. रिन्यूवल कार्य	प्रथम	166.89	166890/-
			योग	**487.49**	

उपरोक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 08.07.2025, (17.30) बजे निर्धारित है।** विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
जी-14796/51155/2025 **लोक निर्माण विभाग, संभाग विदिशा**

कार्यालय आयुक्त
लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग
6वीं मंजिल, सतपुड़ा भवन, भोपाल (म.प्र.)

ई-मेल : dme12001@yahoo.com, वेबसाइट : www.medicaleducation.mp.gov.in

क्रमांक 832/पीजी/4/संचिशि/2025 भोपाल, दिनांक : 25.06.2025

राज्य के शासकीय स्वशासी एवं निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में एम.डी.एस. स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की स्टेट कोटा सीटों पर प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसिलिंग के संबंध में सूचना

संचालनालय चिकित्सा शिक्षा द्वारा NEET MDS-2025 की मेरिट के आधार पर तथा मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा प्रवेश नियम, 2018 एवं समय-समय पर जारी संशोधनों के अधीन राज्य के शासकीय एवं निजी दंत चिकित्सा महाविद्यालयों में एम.डी.एस. पाठ्यक्रमों की समस्त सीटों पर प्रवेश हेतु पंजीयन की प्रक्रिया **दिनांक 28.06.2025 से** प्रारम्भ की जा रही है। इस संबंध में काउंसिलिंग की समय सारणी तथा अन्य जानकारी संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट एवं निर्धारित पोर्टल पर उपलब्ध रहेगी। काउंसिलिंग के संबंध में किसी भी प्रकार के संशोधन की जानकारी संचालनालय चिकित्सा शिक्षा की वेबसाइट **www.medicaleducation.mp.gov.in** एवं निर्धारित पोर्टल **https://dme.mponline.gov.in** पर प्रदर्शित की जाएगी। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे संचालनालय की वेबसाइट एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल पर लगातार इस संबंध में जानकारी प्राप्त करते रहें। इस हेतु अलग से संचालनालय चिकित्सा शिक्षा द्वारा कोई विज्ञापन जारी नहीं किया जाएगा। काउंसिलिंग से संबंधित प्रश्नों के निराकरण हेतु e-mail I.D. **(mpugpgcounselling@gmail.com)** पर मेल कर सकते हैं।

जी-14822/51157/2025 **संचालक चिकित्सा शिक्षा, मध्यप्रदेश**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 05/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2025-26 **भोपाल, दिनांक : 19.06.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम:– 1. मण्डला जिले के अंतर्गत सुरखी से इन्द्री मार्ग में बंजर नदी पर पहुँच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेन्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025_PWDRB_431975_1	मण्डला	पुल कार्य	प्रथम	1271.87	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम:– 2. मण्डला जिले के अंतर्गत खैरी झुरकी पौंडी मार्ग में बुढ़नेर नदी पर पहुँच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेन्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025_PWDRB_431976_1	मण्डला	पुल कार्य	प्रथम	1202.23	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम:– 3. टीकमगढ़ जिले के ग्राम पंचायत उपरारा में आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 अनुसूचित जाति बस्ती से आफतपुरा की ओर कि.मी. 1/7 में सुखनई नदी पर पहुंच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेन्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025_PWDRB 431977_1	टीकमगढ़	पुल कार्य	प्रथम	787.44	केवल ऑनलाइन

क्र. एवं कार्य का नाम:– 4. श्योपुर जिले में निमोदामठ से नयागांव आवदा अजापुरा रोड के मध्य सीप नदी पर पहुँच मार्ग सहित जलमग्नीय पुल निर्माण कार्य।

टेन्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनुमानित राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025_PWDRB_ 431979 1	श्योपुर	पुल कार्य	प्रथम	626.58	केवल ऑनलाइन
			कुल योग	**3888.12**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 11.07.2025 (17:30) बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-14747/51154/2025 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र, भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन)
लोक निर्माण विभाग, निर्माण भवन
प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 17/2025/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 20.06.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय शाजापुर में अतिरिक्त भवन के निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_432247 1	शाजापुर	733.74	733740	20000	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. गुलाना जिला शाजापुर में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय भवन निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_432712_1	शाजापुर	95.29	95290	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में मुख्य भवन, कर्मशाला भवन, केन्टीन ब्लॉक एवं रेनोवेशन के निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_432482_1	नर्मदापुरम	1273.31	1000000	30000	18 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 20.06.2025 समय 10.30 **से दिनांक 07.07.2025** समय 05.30 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)
जी-14841/51159/2025 **लोक निर्माण विभाग भोपाल**

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेंडरिंग/406/1554

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग

जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ईमेल : mpwrdetenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in

फोन : 0755-2553402, फैक्स : 0755 - 2552406

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्रमांक- 608/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेंडरिंग **भोपाल, दिनांक : 23.06.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाइट पर **दिनांक 11.07.2025 को 17:30 बजे तक** क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1	2025_WRD_374140	कोलार अतिथि भवन, भोपाल के सिविल, इलेक्ट्रीकल एवं विविध कार्य।	भोपाल	3.53
2	2025_WRD_374141	कोलार अतिथि भवन, भोपाल में हाउसहोल्ड हेतु मैनपावर का कार्य।	भोपाल	18.12
3	2025_WRD_412148	वाहन क्र. एम.पी. 02 ए.वी. 4062 (मांजा) का सुधार कार्य।	भोपाल	0.63
4	2025_WRD_412157	वाहन क्र. एम.पी. 02 ए.वी. 5496 (बोलेरो) का सुधार कार्य।	भोपाल	0.55
5	2025_WRD_420480	संजय सागर बांध, के रेडियल गेट ऑपरेटिंग पैनल से मेन सप्लाई पैनल तक केबल ट्रे में केबल फिटिंग का कार्य।	भोपाल	3.86
6	2025_WRD_420482	सगड़ बांध, के केबल ट्रे और एलटी स्विचगियर पैनल की आपूर्ति का कार्य।	भोपाल	4.82
7	2025_WRD_420483	सगड़ मध्यम परियोजना, के 12 नग रेडियल गेट्स और 04 नग स्लूस गेट का मानसून पूर्व रखरखाव का कार्य।	भोपाल	5.47
8	2025_WRD_420488	कुशालपुरा बांध मध्यम परियोजना (ब्यावरा), के 07 नग रेडियल गेट एवं 02 नग हेड स्लूस गेट कपल्ड हेड स्टॉक सेट का मानसून पूर्व वार्षिक मरम्मत रखरखाव कार्य।	भोपाल	5.71
9	2025_WRD_420489	कलियासोत मध्यम परियोजना, भोपाल के 13 नग वेस्ट वियर रेडियल गेटों की रबर सीलों का बदलने का कार्य।	भोपाल	4.94
10	2025_WRD_422297	खरगोन संभाग के 07 तालाबों के 13 नग जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव का कार्य।	धार	1.83
11	2025_WRD_424178	बिलगांव केनाल एवं उपसंभाग बिलगांव शीर्ष कार्य का वर्षा पूर्व टैंकों का स्लूस गेटों मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	2.76
12	2025_WRD_424179	वर्षा पूर्व उपसंभाग समनापुर के माइनर टैंकों के स्लूस गेटों के मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	1.79
13	2025_WRD_424180	वर्षा पूर्व उपसंभाग घोबाटोरिया के लघु/मध्यम जलाशयों के स्लूस गेटों के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	2.21
14	2025_WRD_424182	मटियारी बांध के रेडियल गेटों के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	2.52
15	2025_WRD_424183	उपसंभाग निवास के लघु/मध्यम जलाशयों के स्लूस गेटों के सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	3.37
16	2025_WRD_424184	संजय सरोवर परियोजना भीमगढ़ के 10 नं. रेडियल गेट का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	4.68
17	2025_WRD_424185	बारसिवनी ब्रांच केनाल के कुड़वा के भंडार बोधी सी.एच. 1168 और गोंदीटोला सी.एच. 1197 के फुट ब्रिज का सुधार कार्य।	नरसिंहपुर	2.00
18	2025_WRD_424186	राजीव सागर परियोजना कुड़वा जिला बालाघाट के रेडियल गेट वर्षापूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	1.98
19	2025_WRD_424283	वर्षा पूर्व उपसंभाग डिंडौरी माइनर टैंकों के स्लूस गेटों का मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	3.43
20	2025_WRD_427641	राजीव सागर परियोजना कुड़वा के आर.बी.सी. मेन स्लूस गेट का वर्षापूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	5.78
21	2025_WRD_427642	राजीव सागर परियोजना कुड़वा के एल.बी.सी. मेन स्लूस गेट का वर्षापूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	4.59
22	2025_WRD_427643	थाँवर बांध बीजेगांव पर 5 नग रेडियल गेटों वायर रोप बदलीकरण का कार्य।	नरसिंहपुर	17.91
23	2025_WRD_428748	हनुमान बांध, मामा का टैंक, पी.एस. केनाल और पेसारी बांध के गेटों का आईलिंग एवं ग्रीसिंग का कार्य।	ग्वालियर	1.12
24	2025_WRD_428749	ला.मा. वि./यां उपसंभाग ग्वालियर के टैंक के गेटों का आईलिंग एवं ग्रीसिंग का कार्य।	ग्वालियर	1.68
25	2025_WRD_428828	अटल सागर (मडीखेड़ा बांध) हेतु सशस्त्र गार्ड/गेज रीडर एवं सफाई कर्मचारी का प्रदाय।	शिवपुरी	15.84
26	2025_WRD_428899	अधीक्षण अभियंता, जल संसाधन वृत्त, भोपाल के कार्यालय में डेजर्ट कूलर का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.25
27	2025_WRD_428900	कोलार बांध, के पैरापेट रेलिंग, बूम बैरियर की मरम्मत एवं सुरक्षा केबल स्थापना का कार्य।	भोपाल	12.64
28	2025_WRD_428901	कोलार बांध पर के होइस्ट ब्रिज एवं फेंसिंग का मरम्मत का कार्य।	भोपाल	16.46
29	2025_WRD_428902	कोलार परियोजना के आर.बी.सी. एवं एल.बी.सी. के सी.आर. एवं एच.आर. नहर गेट्स की ऑयलिंग, ग्रीसिंग कार्य।	भोपाल	1.79
30	2025_WRD_428903	रेहटी बांध के 07 नग वर्टीकल गेटों की रबर सील बदलने का कार्य।	भोपाल	2.41
31	2025_WRD_428904	हलाली डेम के एलबीएमसी के 04 नग वर्टिकल लिफ्ट गेट की क्षतिग्रस्त स्टील वायर रोप बदलने एवं हेड स्लूस केनाल गेट की गियर मैकेनिज्म सिस्टम, संचालित पुली का रखरखाव कार्य।	भोपाल	4.15
32	2025_WRD_428906	सम्राट अशोक सागर परियोजना (हलाली बांध), के 01 नग 100 केवीए डी.टी.आर. संस्थापन का कार्य।	भोपाल	12.54
33	2025_WRD_428907	सम्राट अशोक सागर बांध परियोजना (हलाली बाँध), के वर्टिकल लिफ्ट गेटों और अन्य मशीनरी का मानसून पूर्व मरम्मत और रखरखाव कार्य।	भोपाल	1.33
34	2025_WRD_428909	छज्जू बरखेड़ा टैंक के पेडेस्टल पुल और उसके भागों की पेंटिंग का कार्य।	भोपाल	8.38
35	2025_WRD_428911	रामपुर बांध के आर.डी. मीटर 1410 एल से आर.डी. मीटर 22128 एल तक 40 नग केनाल स्लूस गेटों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	भोपाल	8.30
36	2025_WRD_428912	राघौगढ़ संभाग के लघु तालाबों एवं संजय सागर मध्यम परियोजना के 38 नग स्लूस गेटों की वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	भोपाल	4.79
37	2025_WRD_428913	राजीव सागर बांध, के 23 नग ऑटोमेटिक टिल्टिंग गेट्स की रबर सील बदलने एवं फेब्रिकेशन व पेंटिंग एवं कार्य।	भोपाल	11.65
38	2025_WRD_428914	राघौगढ़ संभाग गोपी कृष्ण सागर बांध पर केपेसिटर बैंक पैनल उपलब्ध कराने एवं लगाने का कार्य।	भोपाल	2.53
39	2025_WRD_428915	गोपी कृष्ण सागर बांध के रेडियल गेट्स, केनाल स्लूस गेट्स व विभिन्न वैद्युत सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	3.52
40	2025_WRD_428916	छज्जू बरखेड़ा टैंक के 02 नग हेड स्लूस गेट्स एवं 23 नग फ्लड कण्ट्रोल गेट्स के सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	10.44
41	2025_WRD_428917	घोघरा बांध, फंकी टैंक और अमलापानी टैंक के स्लूस गेटों की मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.08
42	2025_WRD_428918	अपर पलकमाली, लोअर पलकमाली, हेड स्लूस गेट, सी.आर. और एस्केप गेट्स के सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	2.09
43	2025_WRD_428919	बांकापुरा बांध, राजगढ़ के फिक्स्ड व्हील वर्टिकल लिफ्ट गेटों की ऑयलिंग, ग्रीसिंग एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	12.80
44	2025_WRD_428921	मुंडला बांध, राजगढ़ के रेडियल हाईड्रोलिक होइस्ट गेटों की वार्षिक मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	भोपाल	8.12
45	2025_WRD_429325	राजगढ़ संभाग हेतु लेखन सामग्री एवं राजस्व आबियाना का कार्य।	राजगढ़	2.04
46	2025_WRD_429575	थाँवर बांध परियोजना में स्थापित रेडियल गेटों के होइस्टिंग अरेंजमेंट, लोकल कंट्रोल पैनल का वर्षाकाल पूर्व मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	2.94
47	2025_WRD_429581	कुसमाड़ तालाब का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	3.88
48	2025_WRD_429589	भीकारखेडी तालाब की मुख्य नहर का मिट्टी, पक्के कार्य एवं लाईनिंग का विशेष मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	खरगौन	4.22
49	2025_WRD_429591	डेहरी नं. 02 तालाब की नहर लाईनिंग का विशेष मरम्मत कार्य।	खरगौन	4.24
50	2025_WRD_429760	खारक तालाब की मुख्य नहर के एस्केप गेट एवं क्रास रेग्युलेटर गेटों का सुधार एवं रखरखाव कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	धार	2.57
51	2025_WRD_429763	आंवलिया मध्यम परियोजना के 06 नग रेडियल गेट एवं गेन्ट्री क्रेन के संचालन हेतु इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रिब्यूशन पेनल व केबल स्थापना एवं संयोजन का कार्य।	धार	8.60
52	2025_WRD_429914	वि./यां. भारी मशीनरी संभाग, बालाघाट हेतु वाहन किराये पर लेना।	बालाघाट	3.42
53	2025_WRD_429941	मुख्य अभियंता, वि/यां. (बांध सुरक्षा भवन) में लिफ्ट क्रमांक 01 के आपरेशन व रिपेयरिंग मेंटेनेन्स कार्य बावत।	भोपाल	7.20
54	2025_WRD_430062	33/11 के.व्ही. सबस्टेशन से डेम साईट एवं कुड़वा कॉलोनी तक जा रही 11 के.व्ही. ट्रांसमिशन लाइन का वर्षा पूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	नरसिंहपुर	5.62
55	2025_WRD_430063	उपसंभाग मोहगांव टैंकों का स्लूस गेटों का वर्षापूर्व सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नरसिंहपुर	2.58
56	2025_WRD_430154	कोलार अतिथि भवन, भोपाल में लाउन्ड्री का कार्य।	भोपाल	2.38
57	2025_WRD_430155	सरस्वती एवं कलियासोत कॉलोनी, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	17.26
58	2025_WRD_430156	सीएमयू कॉलोनी, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	11.88
59	2025_WRD_430157	नार्थ टीटी नगर कॉलोनी, भोपाल में सुरक्षा व्यवस्था का कार्य।	भोपाल	5.94
60	2025_WRD_430158	बांध सुरक्षा भवन, भोपाल में रखरखाव कार्य हेतु इलेक्ट्रीकल्स, हार्डवेयर, सेनेटरी एवं अन्य विविध मटेरियल के प्रदाय हेतु।	भोपाल	3.60
61	2025_WRD_430159	कलियासोत एवं सरस्वती कॉलोनी में हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	6.55
62	2025_WRD_430160	बांध सुरक्षा भवन, भोपाल में हाउसकीपिंग का कार्य।	भोपाल	13.82
63	2025_WRD_430161	बांध सुरक्षा भवन, भोपाल में रखरखाव कार्य हेतु मैनपावर प्रदाय।	भोपाल	17.02
64	2025_WRD_430202	जेरा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. विद्युत लाइन सुनहरा फीडर के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	5.28
65	2025_WRD_430203	जेरा सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. विद्युत लाइन हनीपुर डी.एल. फीडर के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	16.09
66	2025_WRD_430204	पठा सिंचाई जलाशय के डूब क्षेत्र से प्रभावित 11 के.व्ही. सहित एल.टी. विद्युत लाइन व डी.टी.आर. के प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्य।	सागर	16.90
67	2025_WRD_430344	धुबेला तालाब अंतर्गत स्लूस कमरे का कार्य।	छतरपुर	1.83
68	2025_WRD_430346	बरियारपुर परियोजना अंतर्गत सरवई क्र. 1 संधा की लघु नहरों एवं वितरिका का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	4.20
69	2025_WRD_430704	पिपलीनाका तालाब के डूब में आ रही एल.टी. विद्युत लाइन कि शिफ्टिंग व स्थापना का कार्य।	धार	2.18
			कुल योग	**422.62**

जी-14744/51153/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./7657/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 27.06.2025

NOTICE INVITING TENDER EL-88

Online Percentage rate Tenders are invited for "Shifting/ Raising of High Voltage (HV)/Medium Voltage (MV)/Low Voltage (LV) lines and poles from alignment of PMGSY/ CMGSY Road from contractors having 'A' class valid license issued by Madhya Pradesh Licensing Board (Electrical) and registered with MPPWD in appropriate class of contractors on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in**. Contractors are to quote rate in percentage below/above or at par of the estimated rates given in BOQ including all Taxes except GST.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Betul	1	541507.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website from **30.06.2025 from 17:30 hrs.** and last date for online bid submission is **22.07.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed NIT and tender document on the above mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/120851/2025 R-51182/2025

'मेरी सड़क' ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)

3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)

(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./7654/22/D-12/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 27.06.2025

NOTICE INVITING TENDER No. 1233 (PMGSY-Road-Part)

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **www.pmgsytenders.gov.in** as detailed below :-

- **Name of Work –** Construction/Up-gradation of Rural Roads under PMGSY including maintenance for Five years after construction.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Panna	1	20401000.00

1. Bid document may be purchased online from **30.06.2025 (17:30 hrs.)** and last date for online bid submission is **22.07.2025 (17:00 hrs.)**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/120850/2025 R-51181/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

R.O. Gwalior, City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक : 2428 **ई-टेण्डर नोटिस** दिनांक : 26.06.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
प्लास्टिक पार्क बिलौआ जिला ग्वालियर में सीमेंट कांक्रीट द्वारा पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य।	9403000.00/ 94100.00

निविदा प्रपत्र **दिनांक 30.06.2025 से 12.07.2025 समय 5.30 सायं तक https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय ग्वालियर बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/120849/2025 कार्यपालन यंत्री

R-51174/2025

वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन में मध्यप्रदेश बन रहा मॉडल

भोपाल, वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन के कार्य में देश में मध्यप्रदेश मॉडल बनकर उभर रहा है। प्रदेश में वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा राजस्व विभाग के सहयोग से किया जा रहा है। प्रदेश की सभी 15003 वक्फ सम्पत्तियों के डिजिटलाइजेशन का कार्य किया जा चुका है। पहले स्तर पर वक्फ बोर्ड द्वारा डिजिटलाइजेशन के कार्य का वेरिफिकेशन कर लिया गया है। दूसरे स्तर पर राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर वेरिफिकेशन का कार्य किया जा रहा है। अब तक कुल डिजिटलाइजेशन सम्पत्तियों में से 2425 सम्पत्तियों का वेरिफिकेशन राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है। प्रदेश में सर्वाधिक वक्फ सम्पत्तियों वाले 11 जिलों में कुल वक्फ सम्पत्तियों और डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि उज्जैन, विदिशा, भोपाल, शाजापुर, सीहोर, रायसेन, इंदौर, धार, बुरहानपुर, देवास और मंदसौर जिलों की सभी वक्फ सम्पत्तियों का डिजिटलाइजेशन किया जा चुका है।

कार्यालय आयुक्त जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

क्रमांक/निर्माण/34/2025-26/1/316337/2025 भोपाल, दिनांक : 19.06.2025

विज्ञप्ति

म.प्र. शासन के आदेश क्रमांक 1542/94//2022/25-1 दिनांक 06.10.2023 द्वारा जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत नवीन स्वीकृत तकनीकी संरचना अनुसार निम्नलिखित पदों पर म.प्र. शासन के विभिन्न विभागों में कार्यरत तकनीकी अधिकारियों से पद पूर्ति हेतु प्रतिनियुक्ति पर 02 वर्ष की पदस्थापना हेतु निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

क्र.	पदनाम	पद पूर्ति का माध्यम	पदों की संख्या	शैक्षणिक योग्यता	अनिवार्य अर्हता एवं अनुभव
1.	अधीक्षण यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	01	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/सड़क निर्माण कार्य में 15 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में अधीक्षण यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
2.	कार्यपालन यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	03	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/सड़क निर्माण कार्य में 10 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यपालन यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
3.	सहायक यंत्री (सिविल)	प्रतिनियुक्ति	14	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/सड़क निर्माण कार्य में 5 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में सहायक यंत्री (सिविल) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।
4.	सहायक यंत्री (विद्युत)	प्रतिनियुक्ति	03	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से (विद्युत) अभियांत्रिकी में स्नातक	1. शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में कार्यरत तथा भवन/सड़क निर्माण कार्य में 5 वर्ष का अनुभव। 2. म.प्र. शासन के किसी भी शासकीय/अर्द्धशासकीय विभाग में सहायक यंत्री (विद्युत) के नियमित पद पर कार्यरत। 3. प्रार्थी की आयु दिनांक 30.04.2025 की स्थिति में 60 वर्ष से अधिक न हो।

नोट -

1. विज्ञापन की शर्तें, आवेदन पत्र, घोषणा, सत्यापन इत्यादि की जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की वेबसाइट **www.tribal.mp.gov.in** के महत्वपूर्ण लिंक तथा परिपत्र में देखी जा सकती हैं।
2. निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कार्यालय के ई-मेल आई.डी. **civil ctd@mp.gov.in** पर दिनांक 23.06.2025 से **दिनांक 07.07.2025 सायं 06:00 बजे तक** भेजे जा सकेंगे। विलम्ब से प्राप्त आवेदन अमान्य रहेंगे।

जी-14832/51158/2025 आयुक्त , जनजातीय कार्य, मध्यप्रदेश

कार्यालय मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग

राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र निर्माण भवन, अरेरा हिल्स भोपाल (म.प्र.)

प्रेस विज्ञप्ति

विषय :- लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल के अंतर्गत परिक्षेत्र कार्यालय एवं संभागीय कार्यालयों में रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स की 12 माह हेतु संविदा नियुक्ति।

लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र भोपाल एवं संभागीय कार्यालय भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर एवं रीवा में निम्नानुसार रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स की 12 माह हेतु संविदा नियुक्ति के लिये **आवेदन दिनांक 15.07.2025 तक** आमंत्रित किये जाते हैं।

क्र.	कार्यालय का नाम	रिटायर्ड रेवेन्यू ऑफिसर्स
1.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र निर्माण भवन भोपाल (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड एडिशनल कलेक्टर/डिप्टी कलेक्टर
2.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग भोपाल (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी
3.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग इंदौर (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी
4.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग ग्वालियर (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी
5.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग जबलपुर (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी
6.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग सागर (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी
7.	लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग रीवा (म.प्र.)	(1) एक पद - रिटायर्ड डिप्टी कलेक्टर/तहसीलदार (1) एक पद - रिटायर्ड रेवेन्यू इन्सपेक्टर/पटवारी

नोट :- उपरोक्त संविदा नियुक्ति हेतु नियम एवं शर्तें वेबसाइट पर अपलोड की गई हैं जिसे **www.mppwd.gov.in** वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

मुख्य अभियंता (रा.रा.परि.)
लोक निर्माण विभाग, भोपाल

जी-14820/51156/2025

MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)

SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM

21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India), Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505

E-mail : helpdesk@mpidc.co.in, Website : www.invest.mp.gov.in, CIN : U51102MP1977SGC001392

MPIDC/CE/Tech-RFP/2025/224/ Date : 27.06.2025

NOTICE INVITING TENDER

Madhya Pradesh Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites online percentage rate bids for the following work from registered contractors and firms for the following work:

NIT No.	Name of Work	District	Probable Amount of Contract (in Rs. Cr)
224	Design, Construction, Testing, Commissioning and Operation & Maintenance of Internal Infrastructure Works for PM MITRA Park Dhar (MP) Package I on EPC Basis	Dhar	773.08

The Tender documents can be downloaded from the e-procurement Portal- **https://mptenders.gov.in** – MPIDC HO.

M.P. Madhyam/120873/2025 R-51186/2025 **CHIEF ENGINEER**

INTELLICON COLLEGE OF PROFESSIONAL STUDIES

Plot No. 751.1,764/2/1, 765/1, 778 Gram kharpa, Ratibad, Bhopal (M.P.),

Recognized by NCTE, And Affillated to Barkatullah University, Bhopal (M.P.)

Applications are invited for the appointment of Assistant Professors for B.Ed. Programme under College code 28 of the University. Minimum qualifications required is as under.

1. **Postgraduate Degree with 55% marks.**
2. **M.Ed. with 55% marks**
3. **SLET / NET or Ph.D. in Education.**

Interested candidates may send their resume along with all necessary documents to the above mentioned address or mail to **intellicon123@gmail.com, within 7 days.**

JYOTI PUB.

R-51185/2025

योजना

डिजिटल इंडिया निर्माण का एक दशक

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को डिजिटल इंडिया निर्माण का लक्ष्य दिया। पिछले ग्यारह वर्षों में प्रधानमंत्री जी का उद्देश्य धरातल पर दिखाई दे रहा है। इसे हम डिजिटल दशक भी कह सकते हैं। भारत की एक दशक की डिजिटल यात्रा ने शासन, प्रशासन और सेवाओं में बड़ा बदलाव किया है। यही नहीं देश के आर्थिक विकास के लिए आधार भी तैयार हुआ है। डिजिटल उद्योग तेज गति से बढ रहे हैं, आर्थिक दृष्टि से उनका महत्वपूर्ण योगदान है। दूरदराज के गांवों तक इंटरनेट पहुंच गया है। डिजिटल प्लेटफार्म की सुलभता से सार्वजनिक सेवा के वितरण में मानों एक क्रांति आ गयी है। वर्ष 2022-23 में डिजिटल अर्थव्यवस्था ने 11.74 प्रतिशत का योगदान दिया था। वर्ष 2024-25 में 13.42 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।

डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की प्रगति से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड कंप्यूटिंग की ओर बढ़ते कदमों ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। डिजिटल अर्थव्यवस्था देश की कुल अर्थव्यवस्था का पांचवां हिस्सा बनने की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य में डिजिटल इंडिया की बड़ी भूमिका हो सकती है।

कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचा

एक मजबूत डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती है। पिछले 11 वर्षों में भारत ने ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का काफी विस्तार करके इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार किया है, इंटरनेट और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी के विस्तार ने डिजिटल इंडिया के निर्माण में बड़ा परिवर्तन लाया है।

5जी और कनेक्टिविटी में विस्तार

वर्ष 2016 से 4जी कवरेज के तेजी से विस्तार ने देश के हर कोने में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी ला दी है। इस गति को आगे बढ़ाते हुए, अक्टूबर 2022 में 5जी के लॉन्च ने भारत की डिजिटल यात्रा को और तेज कर दिया है, जिससे और भी तेज गति से सेवाएं मिल रही है।

बेहतर मोबाइल इंफ्रास्ट्रक्चर ने इंटरनेट एक्सेस को तेज रफ्तार दी है। भारत के इंटरनेट उपयोगकर्ता आधार में पिछले 11 वर्षों में 285 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, वायरलेस डेटा की लागत में भारी गिरावट आई है, जो वर्ष 2014 में 308 रुपये प्रति जीबी से घटकर वर्ष 2022 में सिर्फ 9.34 रुपये रह गई है, जिससे डिजिटल सेवाएं सस्ती हो गई हैं।

भारतनेट परियोजना से गांवों को इंटरनेट से जोड़ना

डिजिटलीकरण की इस मुहिम का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण भारत को जोड़ना है। जनवरी 2025 तक भारतनेट परियोजना ने 2.18 लाख से ज़्यादा ग्राम पंचायतों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचा दिया है। इस पहल के तहत लगभग 6.92 लाख किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई गई है। जिससे गांव-गांव तक इंटरनेट पहुंच संभव हुई है।

यूपीआई से बदलाव

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने पूरे देश में डिजिटल लेन-देन में क्रांति ला दी है। यूपीआई अब यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस सहित सात से अधिक देशों में लाइव है, इससे भारत की डिजिटल भुगतान में वैश्विक अग्रणी स्थिति निर्मित हुई है।

आधार-आधारित ई-केवाईसी प्रणाली ने बैंकिंग और सार्वजनिक सेवाओं दोनों में प्रक्रियाओं को सरल बनाने में मदद की है। इससे कागजी कार्रवाई कम हुई और सभी क्षेत्रों में पारदर्शिता आई है। अप्रैल 2025 तक, 141.88 करोड़ आधार आईडी तैयार किए जा चुके हैं। आधार अब भारत की डिजिटल रीढ़ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है, जिससे लोगों को आसानी से सेवाओं तक पहुंचने में मदद मिलती है।

प्रत्यक्ष लाभ

आधार प्रमाणीकरण द्वारा समर्थित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) ने सब्सिडी और जन-कल्याण संबंधी भुगतान को त्वरित और पारदर्शी बना दिया है। मई 2025 तक, डीबीटी के माध्यम से अंतरित कुल राशि 44 लाख करोड़ रुपये के पार हो गई है। लोगों को सीधे और समय पर अपना हक मिल रहा है।

डिजिलॉकर

वर्ष 2015 में लॉन्च किए गए डिजिलॉकर का उद्देश्य नागरिकों के डिजिटल दस्तावेज वॉलेट में प्रामाणिक डिजिटल दस्तावेजों तक पहुंच प्रदान करके नागरिकों का 'डिजिटल सशक्तिकरण' करना है। डिजिलॉकर उपयोगकर्ताओं की संख्या अप्रैल 2025 तक 51.6 करोड़ हो गई है।

उमंग

उमंग (यूनिफाइड मोबाइल एप्लीकेशन फॉर न्यू-एज गवर्नेंस) को वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया था। इसे मोबाइल गवर्नेंस को आगे बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है। उमंग सभी भारतीय नागरिकों को केंद्र से लेकर स्थानीय शासकीय निकायों तक की अखिल भारतीय ई-गवर्नेंस सेवाओं तक पहुंचने के लिए एक एकल मंच प्रदान करता है।

एआई मिशन

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7 मार्च 2024 को इंडियाएआई मिशन को मंजूरी दी। यह भारत में व्यापक और समावेशी एआई परितंत्र बनाने की एक ऐतिहासिक पहल है। यह सात कार्यनीतिक स्तंभों - कम्प्यूटर क्षमता, नवाचार केंद्र, डेटासेट प्लेटफॉर्म, एप्लिकेशन डेवलपमेंट इनिशिएटिव, फ्यूचरस्किल्स, स्टार्ट-अप फाइनेंसिंग और सुरक्षित तथा विश्वसनीय एआई पर केंद्रित है। पांच वर्षों में 10,371.92 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ, मिशन का उद्देश्य राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप जिम्मेदार एआई नवाचार को आगे बढ़ाना है।

30 मई 2025 तक, भारत की राष्ट्रीय कम्प्यूटर क्षमता 34,000 जीपीयू को पार कर गई है, जो एआई-आधारित अनुसंधान और विकास के लिए एक मजबूत आधार है।

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन भारत के डिजिटल परिवर्तन की कुंजी है, क्योंकि सेमीकंडक्टर सभी आधुनिक डिजिटल प्रौद्योगिकियों को शक्ति प्रदान करते हैं। यह मिशन स्थानीय चिप निर्माण को बढ़ावा देकर एक आत्मनिर्भर, तेज और अधिक सुरक्षित डिजिटल अर्थव्यवस्था को आधार प्रदान करता है।

इस मिशन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण में घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और भारत के इलेक्ट्रॉनिकी उद्योग को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ जोड़ना है। इस कार्यक्रम के तहत 14 मई, 2025 तक छह सेमीकंडक्टर विनिर्माण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस | 5 जुलाई

सहकार से समृद्धि की ओर बढ़ता मध्यप्रदेश

सहकारिता का सिद्धांत भारत के साथ पूरे विश्व को एक सफल व टिकाऊ आर्थिक मॉडल देने का काम कर सकता है। सहकारिता का शाब्दिक अर्थ है, मिलजुल कर कार्य करना या किसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक साथ मिलकर प्रयास करना। इस व्यवस्था में व्यक्ति या संस्थाएं एक साथ मिलकर अपने आर्थिक या सामाजिक हितों की पूर्ति के लिए काम करते हैं। सरकार का उद्देश्य भी देश को सहकार से समृद्धि और समृद्धि से संपूर्णता की ओर ले जाना है। भारत जैसे विशाल देश में विकास के साथ लोगों की समृद्धि केवल सहकारिता से ही संभव है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया है, यह वाक्य चरितार्थ होता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे देश के करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव आया है। चाहे PACS के आधुनिकीकरण और विस्तार से ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बनाना हो, तीन बहु-राज्य सहकारी समितियों का गठन हो, या मॉडल बायलॉज लाना आदि सरकार सहकारी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए एक के बाद एक कदम उठा रही है। संयुक्त राष्ट्र ने भी सहकारिता के महत्व को मान्यता दी है, तभी तो हर वर्ष जुलाई के पहले शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाया जाता है। इसके साथ ही 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है।

एक साथ मिलकर एक बेहतर विश्व का निर्माण

19 जून 2024 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष (IYC) के रूप में घोषित किया था। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन के अध्यक्ष की ओर से कहा गया है कि वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के रूप में समर्पित किया है, और यह कोई संयोग नहीं है। सहकारिताएँ हमारे जीवन के हर पहलू में मौजूद है, और हर जगह SDGs के लिए जवाबदेह है। आइये हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि 2025 में सहकारिता के लिए एक नए युग की शुरुआत हो, जो अधिक न्यायसंगत और समावेशी वैश्विक अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को करीब लाता है।

सहकारिता दिवस के इतिहास पर गौर करें तो 16 दिसंबर, 1992 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा जुलाई के पहले शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस के रूप में घोषित किया गया था। इस दिवस का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर सहकारी समितियों को बढ़ावा देना और एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जो उनके विस्तार और लाभप्रदता को बढ़ावा दे सके। इस पूरे साल की थीम 'सहकारी संस्थाएं एक बेहतर विश्व का निर्माण करती हैं' निर्धारित की गई है। वहीं 5 जुलाई, 2025 को, दुनिया 'सहकारिताः एक बेहतर दुनिया के लिए समावेशी और टिकाऊ समाधान लाने की दिशा में कदम' थीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाएगी। यह थीम इस बात पर प्रकाश डालती है कि सहकारिता किस तरह समुदायों, आर्थिक समावेशन, और स्थिरता को बढ़ावा देती है।

देश में सहकारिता क्यों अहम है?

कृषि, ऋण, डेयरी, आवास और मत्स्य पालन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 8,00,000 से अधिक सहकारी समितियों के साथ भारत का सहकारिता नेटवर्क विश्व के सबसे बड़े नेटवर्कों में से एक है। सहकारिता क्षेत्र में देश के किसान, कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास एवं सशक्तिकरण के लिये पर्याप्त संभावनाएं हैं। सहकारिता क्षेत्र को प्रोत्साहन देने के क्रम में केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी। सहकारिता मंत्रालय की स्थापना 6 जुलाई, 2021 को हुई थी। श्री अमित शाह देश के पहले सहकारिता मंत्री बने। 6 जुलाई, 2021 से लेकर 14 मई, 2025 तक देश के कई राज्यों में हजारों नई सहकारी समितियां बनाई जा चुकी हैं। इस मंत्रालय के गठन के बाद से नई सहकारिता नीति और योजनाओं के मसौदे पर काम हो रहा है।

मध्यप्रदेश में सहकारिता के नए आयाम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सहकारिता को लेकर मध्यप्रदेश में नित नये नवाचार किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में सहकारी आंदोलन का सफर तेजी से आगे बढ़ रहा है। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भोपाल के राज्यस्तरीय सहकारी सम्मेलन में बताया कि राज्यों में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन के कार्य में मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि के लिये प्रदेश की सराहना की थी। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) के तहत सहकारिता क्षेत्र में कुल 2305 करोड़ राशि में 19 एमओयू हुए थे। यह एक क्रांतिकारी पहल है। सीपीपीपी मॉडल के तहत इतने एमओयू सहकारिता क्षेत्र में हुए हैं। केंद्र सरकार द्वारा देश की सभी सहकारी संस्थाओं की जानकारी राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस (एनसीडी) पोर्टल पर अपलोड करवाई जा रही है। मध्यप्रदेश की सभी सहकारी संस्थाओं की एन्ट्री पोर्टल पर कर दी गई है।

- मध्यप्रदेश के नया सीपीपीपी (को-ऑपरेटिव पब्लिक प्रायवेट पार्टनरशिप) मॉडल की ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में सराहना हुई। वहीं मध्यप्रदेश में सहकारिता क्षेत्र में को-ऑपरेटिव पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (सीपीपीपी) मॉडल के अंतर्गत कुल अनुमानित 2305 करोड़ रुपये के 19 एमओयू हुए हैं।
- मध्यप्रदेश में सहकार से समृद्धि की पहल के तहत केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह की उपस्थिति में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और स्टेट डेयरी को-ऑपरेटिव फेडरेशन तथा फेडरेशन से संबद्ध दुग्ध संघों के बीच कोलेबोरेशन एग्रीमेंट हुआ है।
- सरकार द्वारा प्राथमिक कृषि साख समितियों (पैक्स) के कम्प्यूटरीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि हो रही है।
- सहकारी समितियां अब टिकट बुकिंग, बिल जमा करने, पेट्रोल पम्प व गैस एजेंसी चलाने जैसी गतिविधियां भी संचालित करेंगी।
- देश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियां (पैक्स) के कम्प्यूटराइजेशन का कार्य चल रहा है। इसमें मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है।
- राष्ट्रीय स्तर पर तीन नई किसान सहकारी समितियों का गठन किया गया। किसानों के उत्पाद को ग्लोबल मार्केट में स्थान मिले, इसके लिए एक्सपोर्ट को-ऑपरेटिव बनाया गया।
- 100वें राष्ट्रीय स्कॉच समिट में मध्यप्रदेश के सहकारिता विभाग के राज्य सहकारी विपणन संघ (मार्कफेड) को उनके फर्टिलाइजर सप्लाई चैन ऑटोमेशन प्रोजेक्ट आईएफएसएस को प्रतिष्ठित स्कॉच अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है।

मध्यप्रदेश में भारत सरकार से प्राप्त मॉडल बायलॉज सभी पैक्स में लागू कर पैक्स को बहुउद्देश्यीय बनाया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एम-पैक्स की स्थापना की जा रही है। प्रथम चरण में 637 नये एम-पैक्स के गठन की कार्यवाही शुरू है। प्रदेश में ग्रामीण स्तर पर बैंकिंग सुविधा आमजन को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला सहकारी केन्द्रीय बैंकों की 773 शाखाओं और उनसे संबद्ध 4000 पैक्स संस्थाओं द्वारा लगभग 4800 माइक्रो एटीएम का संचालन किया जा रहा है। माइक्रो एटीएम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सरल एवं शीघ्र लेन-देन की बैंकिंग सुविधाएं प्राप्त हो रही हैं।

- रश्मि रंजन
(लेखिका, सम-सामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति का हिस्सा-मुख्यमंत्री

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में 'स्नेह धाम' भवन के लोकार्पण अवसर पर कहा कि यह प्रकल्प केवल सामाजिक सुरक्षा नहीं, बल्कि सुरक्षित आवास सुविधा भी सुनिश्चित करता है। यह अपने आप में एक बड़ा और संवेदनशील कदम है, जो वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा, सम्मान और सुरक्षा हमारी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित आवास सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर में 18 करोड़ रुपये की लागत से 'स्नेह धाम' भवन इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाया गया है। प्रदेश में अपने तरह की इस पहली अभिनव पहल का लोकार्पण मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। स्नेह धाम भवन में बुजुर्गों के लिए भोजन, चिकित्सा, मनोरंजन, स्वाध्याय, ध्यान और परामर्श जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे वे सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकें। यहां बुजुर्गों की सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम हैं।

मुख्यमंत्री ने लोकार्पण अवसर पर इंदौर को 565 करोड़ रुपये से अधिक के लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने इस मौके पर लगभग 90 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया और 476 करोड़ रुपये से अधिक लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय के साथ सामाजिक ढांचा बदला है। कई बुजुर्ग दंपति आज अकेले हैं, किसी के बच्चे विदेश में हैं तो कोई नौकरी के कारण दूर शहरों में रहते हैं ऐसे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, आत्मसम्मानजनक और सुसज्जित आवास की आवश्यकता को स्नेहधाम जैसी पहलें पूरा करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदौर सिर्फ स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि सामाजिक नवाचारों और जनकल्याण की दिशा में भी लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है और आगे भी निभाता रहेगा।

वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरता, शौर्य और पराक्रम भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में आयोजित समारोह में हितलाभ वितरित करते हुए

जबलपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर के नर्रई नाला स्थित वीरांगना रानी दुर्गावती की समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद बारहा ग्राम में आयोजित समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी दुर्गावती अपने नाम के अनुरूप मां दुर्गा के समान वीर और पराक्रम की प्रतिमूर्ति थीं। आज उनका बलिदान दिवस है। रानी दुर्गावती का जन्म लगभग 500 वर्ष पहले हुआ था। अमेरिका सहित पश्चिम के देशों को सामान्य तौर पर संस्कृति में अग्रणी माना जाता है, लेकिन भारत का गौरवशाली अतीत रहा है। आदिवासी अंचल की रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई नारी सशक्तिकरण की सबसे बड़ी उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जबलपुर का ठाकुरताल पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा। यहां भोपाल के वन विहार की तर्ज पर एक आधुनिक चिड़ियाघर (रेस्क्यू सेंटर एवं जू) बनाया जाएगा, यह सेंटर गोंडवाना साम्राज्य की वीरांगना रानी दुर्गावती को समर्पित होगा। यह वन्यप्राणी रेस्क्यू सेंटर रानी दुर्गावती के नाम से जाना जाएगा।

- **रानी दुर्गावती के नाम पर चिड़ियाघर व रेस्क्यू सेंटर बनाए जाने की घोषणा।**
- **प्रदेश में मोटे अनाज के उपार्जन एवं प्रोत्साहन के लिए रानी दुर्गावती के नाम पर आरंभ की गई योजना।**

राज्य सरकार रानी दुर्गावती सहित सभी महान हस्तियों का सम्मान करते हुए आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने मैराथन जैसे आयोजनों के लिए नगर निगम जबलपुर को 5 लाख रुपये और कार्यक्रम में मनमोहक प्रस्तुति देने वाले प्रत्येक लोक कलाकार को 5-5 हजार रुपये देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने मोटे अनाज के प्रोत्साहन एवं उपार्जन के लिए रानी दुर्गावती के नाम पर योजना प्रारंभ की है। रानी दुर्गावती ने अपने जीवनकाल में 52 लड़ाइयां लड़ीं और 51 में विजय श्री प्राप्त की। उनके गोंडवाना साम्राज्य में 23 हजार गांव शामिल थे। वीर रानी दुर्गावती ने 3 बार मुगल सेना को धूल चटाई थी। राज्य सरकार ने उनकी वीरता की कहानियों को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्णय लिया है। यह विरासत से विकास का एक क्रम है। वीरांगना दुर्गावती ने जल संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय प्रयास किए थे। उनके साथ इसी स्थान पर विश्वासघात हुआ था और उन्होंने वीरतापूर्वक अपना बलिदान कर दिया था। रानी दुर्गावती भी चंद्रशेखर आजाद की तरह आजाद रहीं दुश्मन उन्हें कभी हाथ नहीं लगा पाया। उन्होंने वीरांगनाओं को याद करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में रानी अवंतीबाई तथा रानी दुर्गावती की शौर्य और पराक्रम की अद्भुत गाथा है।

ग्राम पंचायतों को मिलेगा सशक्तिकरण पारदर्शिता और स्थायित्व - श्री पटेल

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तत्वावधान में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी योजना (मनरेगा) की उच्चस्तरीय बैठक में ग्राम रोज़गार सहायक मार्गदर्शिका-2025 को औपचारिक रूप से लागू करने की घोषणा की गई। इस ऐतिहासिक निर्णय में पंचायत, ग्रामीण विकास एवं श्रम विभाग के मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की सशक्त नेतृत्व भूमिका रही। श्री पटेल ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस नई मार्गदर्शिका को 'स्थानीय रोज़गार व्यवस्था में स्थायित्व, जवाबदेही और दक्षता का आधुनिक रूपांतरण' बताया।

श्री पटेल ने कहा कि यह दस्तावेज ग्राम रोज़गार सहायकों के चयन, मूल्यांकन और अनुशासन को लेकर आने वाले वर्षों की ग्रामीण विकास संरचना की रीढ़ सिद्ध होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मार्गदर्शिका-2025 का तत्काल प्रभाव से क्रियान्वयन किया जाएगा, जिसके तहत सभी नियुक्तियां, मूल्यांकन, नवीनीकरण एवं अनुशासन की प्रक्रिया संचालित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने डोंगला में तारामंडल का किया लोकार्पण

उज्जैन, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन जिले के डोंगला में अत्याधुनिक वराहमिहिर तारामंडल का लोकार्पण किया। इस आधुनिक तारामंडल में खगोल विज्ञान के रहस्यों के बारे में डोंगला आने वाले बच्चों और आगंतुकों को 4k फिल्म के माध्यम से जानकारी दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि आचार्य वराहमिहिर न्यास द्वारा अवादा फाउण्डेशन के आर्थिक सहयोग एवं डीप स्काई प्लेनेटेरियम, कोलकाता के तकनीकी सहयोग से डोंगला में अत्याधुनिक डिजिटल तारामंडल की स्थापना की गई है।

एमएसएमई विभाग की प्रोत्साहन योजना बनी संबल

भिंड, प्रदेश में महिला उद्यमिता से महिला सशक्तिकरण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा औद्योगिक वातावरण तैयार किया गया है, उसका लाभ जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। एमएसएमई सेक्टर को गति देने के लिए बनाई गई योजनाओं का असर अब सशक्त नारी और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की दिशा में मजबूत कदमों के रूप में दिख रहा है। भिंड की महिला उद्यमी श्रीमती मीतू अग्रवाल की सफलता इसका बेहतरीन उदाहरण है।

पारंपरिक पारिवारिक व्यवसाय को नई सोच और तकनीक के साथ आगे बढ़ाते हुए उन्होंने अपने मेसर्स पुखराज पॉलिमर इंडस्ट्री को स्थानीय से राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। प्लास्टिक पाइप और वेदर रेजिस्टेंस वॉटर टैंक के निर्माण से जुड़े इस उद्योग को उन्होंने एमएसएमई प्रोत्साहन योजना के माध्यम से विस्तार दिया। योजना के अंतर्गत उन्हें 500 लाख रुपये के निवेश पर मध्यप्रदेश शासन से 121 लाख रुपये की प्रोत्साहन सहायता राशि प्राप्त हुई।

यह केवल आर्थिक मदद नहीं थी, बल्कि उनके सपनों को नया आधार देने का अवसर बनी। श्रीमती मीतू अग्रवाल बताती हैं कि पहले उत्पादन सीमित था, संसाधनों की कमी के कारण बड़े ऑर्डर लेने में संकोच होता था लेकिन अब नियमित उत्पादन के साथ डिलीवरी क्षमता भी बढ़ी है।

श्रीमती अग्रवाल की कंपनी में तैयार किए जाने वाले टैंक एंटी-बैक्टीरियल, ऑडलेस, एंटी-अल्गल और वेदर रेजिस्टेंस तकनीक से बने होते हैं, जो हर मौसम में टिकाऊ रहते हैं। 200 से लेकर 5000 लीटर क्षमता वाले इन टैंकों की मांग न केवल मध्यप्रदेश में, बल्कि आसपास के राज्यों में भी बढ़ रही है। साथ ही कंपनी विभिन्न आकार के गार्डन पाइप भी बनाती है, जो घरेलू और कृषि दोनों तरह के उपयोग के लिए उपयुक्त हैं।

उद्यमिता की इस यात्रा में श्रीमती मीतू अग्रवाल सिर्फ एक महिला उद्यमी नहीं, बल्कि प्रेरणा का प्रतीक बनकर उभरी हैं। उन्होंने इस धारणा को तोड़ा है कि व्यवसाय सिर्फ पुरुषों का क्षेत्र है।

लोक निर्माण विभाग में औचक निरीक्षण की कार्ययोजना तैयार

भोपाल, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभाग द्वारा औचक निरीक्षण की कार्ययोजना तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत हर माह दो दिन रेंडमली चयनित कार्यों का औचक निरीक्षण कर उनकी गुणवत्ता का परीक्षण किया जाएगा। इसी क्रम में मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा बैतूल, बालाघाट, श्योपुर, बुरहानपुर, अनूपपुर, मंदसौर एवं दमोह जिलों में 35 कार्यों का निरीक्षण किया गया। इनमें 14 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 11 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 06 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, 03 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम एवं 01 कार्य एन.एच. का सम्मिलित रहा। श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदनों की समीक्षा बैठक हुई।

समीक्षा में बालाघाट जिले के कुटुंब न्यायालय भवन कार्य को बहुत अच्छा पाया गया, जिसके लिए कार्यपालन यंत्री श्री उदल सिंह उईके, अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राव बनसोर एवं उपयंत्री श्रीमती ममता धुर्वे की सराहना की गई। श्योपुर जिले में करहल-सरई-बरगवां मार्ग के कार्य को उत्कृष्ट पाए जाने पर कार्यपालन यंत्री श्री विष्णु अग्रवाल, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री अंजली प्रजापति एवं उपयंत्री श्री एम.सी. दंडोतिया की प्रशंसा की गई।

प्रकृति के साथ जुड़ने की भावना का प्रकटीकरण है जल गंगा संवर्धन अभियान

भोपाल, जल हमारी पहली जरूरत है। वर्षा जल का संचयन और उसका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। सरकार ने इसी दिशा में कदम बढ़ाकर जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया है। यह सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि प्रकृति के सान्निध्य और इसके समीप जाकर आत्मीयता से जुड़ने की सहज भावना का प्राकट्यकरण है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कही। बैठक में बताया गया कि इस अभियान का समापन एवं वाटरशेड सम्मेलन आगामी 30 जून को खण्डवा जिले में होगा।

बड़े तालाब और पुरानी बावड़ियों को भी इस अभियान से जोड़ें

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल के बड़े तालाब और सभी पुरानी बावड़ियों को भी जल गंगा संवर्धन अभियान से जोड़कर इनके विकास के लिए नवाचार किए जाएं। बड़े तालाब में शिकारा भी चलाया जा सकता है या नौकायन प्रतियोगिता भी कराई जा सकती है। इससे जनता का जुड़ाव बढ़ेगा।

जनप्रतिनिधियों की सहभागिता जरूरी

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बेहद जरूरी है, इसलिए समापन समारोह से पहले प्रदेश के सभी जिला एवं जनपदों के प्रतिनिधि, नगरीय निकायों के पदाधिकारी, विधायक, सांसद, मंत्रीगण आगामी 30 जून तक इस अभियान के तहत हो रही विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय होकर सहभागिता करें। इससे सबमें जल संरक्षण का भाव और भागीदारी का मानस विकसित होगा।

खण्डवा में होगा समापन समारोह

बैठक में प्रमुख सचिव ग्रामीण विकास श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने अभियान के तहत अब तक हुई गतिविधियों एवं प्राप्त उपलब्धता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान में खण्डवा जिले में जल संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय काम हुआ है। इसीलिए अभियान का समापन समारोह भी खण्डवा में ही प्रस्तावित है। समापन समारोह में खण्डवा जिले के निकटवर्ती खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर एवं अन्य जिलों के प्रतिभागी शामिल होंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

देश में रेल यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही हैं विश्वस्तरीय सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज का शुभारंभ करते हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर एग्जीक्यूटिव लाउंज के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देशवासियों को विश्वस्तरीय रेल सुविधा उपलब्ध हुई है। पिछले 11 साल में ट्रेनों के समय पर चलने, रेलवे स्टेशनों की व्यवस्थाओं, रेल मार्ग और ट्रेनों के उन्नयन और यात्री सुविधाओं में आया सकारात्मक बदलाव क्रांति के समान हैं। देश में बुलेट ट्रेन, सेमी हाईस्पीड ट्रेन और मेट्रो ट्रेनों का विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में प्रदेश में इंदौर में सबसे पहले मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाते हुए अब भोपाल स्टेशन पर स्पेशल और वीआईपी लाउंज का शुभारंभ हो रहा है। यहां मात्र 50 रुपये में यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

- प्रदेश में मेट्रो ट्रेन सहित चार ट्रैक पर रेल संचालन से व्यवस्थाओं में क्रांति आई है।
- भोपाल के पास रायसेन के उमरिया गांव में बनेगा रेल कोच निर्माण कारखाना।
- प्रदेश में संचालित हैं एक लाख करोड़ रुपये की रेल परियोजनाएं।

वहीं एक सौ रुपये में लाउंज में रीफ्रेशमेंट भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल को विश्वस्तरीय रानी कमलापति स्टेशन की सौगात मिल चुकी है।

रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 84 करोड़ रुपये की लागत से बीते दिनों नर्मदापुरम, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और ओरछा सहित प्रदेश के 6 स्टेशनों को आधुनिक बनाने का कार्य किया है। प्रदेश से चल रहीं 4 वंदे भारत ट्रेन 14 राज्यों को कनेक्ट करती हैं। अलग-अलग जिलों में इन स्टेशनों के 18 स्टापेज हैं। वंदे भारत के रखरखाव के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से नए कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण भी हो रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन सिंहस्थ के लिए भी रेलवे सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में कार्य जारी है। रेल मंत्रालय ने इंदौर-मनमाड और इंदौर-दाहोद रेल लाइन के लिए 18.5 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन शुरू होने से गुना-राजगढ़ सीधे मुंबई से जुड़ेंगे।

वर्तमान में दिल्ली से मुंबई जाने वाली रेलगाड़ियां ग्वालियर, भोपाल, इटारसी और खण्डवा के रास्ते गुजरती हैं। इंदौर-मनमाड रेल लाइन शुरू होने पर दिल्ली-मुंबई रूट पर लगभग 200 से 250 किलोमीटर दूरी कम होगी जिससे यात्रियों का समय बचेगा और प्रदेश को विकास की नई गति मिलेगी।

नर्मदा घाटी परियोजनाओं के संचालन में सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित किया जाए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की 267वीं बैठक मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में संपन्न हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नर्मदा नदी राज्य की जीवनदायिनी है। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित गतिविधियों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे और ऊर्जा उत्पादन में बहुत वृद्धि हुई है जिसके चलते प्रदेशवासियों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के अंतर्गत निर्मित सिंचाई व्यवस्था में सौर ऊर्जा के उपयोग को अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए। जल उद्वहन में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने से बिजली पर होने वाले व्यय में कमी लाई जा सकेगी। किसानों को भी सिंचाई में सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। मां नर्मदा के जल का प्रदेश हित में अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में शहीद ईलाप सिंह माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला हरदा, सेंधवा माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, निवाली उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला बड़वानी, धार उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना, माँ रेवा उद्वहन सिंचाई परियोजना जिला देवास की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति के संबंध में निर्णय लिए गए। बैठक में निर्माणाधीन स्लीमनाबाद टनल के तकनीकी पहलुओं पर चर्चा हुई। इसके साथ ही डोबी सिंचाई परियोजना, भीकनगांव बिंजलवाडा माइक्रो सिंचाई परियोजना, आई.एस.पी.-पार्वती लिंक परियोजना, खालवा उद्वहन माइक्रो सिंचाई परियोजना जिला खण्डवा की समयवृद्धि प्रस्ताव पर भी बैठक में विचार-विमर्श हुआ।

डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया से होगी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती

भोपाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पहली बार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की भर्ती पूर्णतः डिजिटल और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में कुल 19,504 रिक्त पदों की पूर्ति के लिए विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

सुश्री भूरिया ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पारदर्शी शासन प्रणाली की भावना को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस प्रक्रिया में इच्छुक महिलाएं एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल https://chayan.mponline.gov.in पर अपना आवेदन कर सकेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदनकर्ता अपने दस्तावेज भी इसी पोर्टल पर अपलोड करेंगे तथा चयन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन एवं योग्यता आधारित होगी। इस पहल से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की योग्य महिलाओं को समान अवसर मिलेगा और चयन में किसी प्रकार का भेदभाव या अपारदर्शिता नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 4 जुलाई, 2025 तक पोर्टल पर अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस बार विभागीय कार्यालयों में ऑफलाइन या व्यक्तिगत रूप से कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें समय पर मिलें

भोपाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने मंत्रालय में गवर्निंग बॉडी को संबोधित किया। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि हर वर्ष की तरह शैक्षणिक सत्र 2026-27 में भी बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें गुणवत्ता के साथ समय पर मिलें, यह सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने इस वर्ष 2025-26 में बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें शैक्षणिक सत्र अप्रैल में शुरू होते ही वितरित होने पर संतोष व्यक्त किया। प्रदेश में इस वर्ष 14 करोड़ 70 लाख पाठ्य-पुस्तकें स्कूल जाने वाले बच्चों को वितरित की गयी हैं।

बैठक में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये विभिन्न प्रकार की सामग्री जैसे एनसीईआरटी द्वारा तैयार जादुई पिटारा किट, फाउण्डेशन लिटरेसी एण्ड न्यूमेरेसी (एफएलएन) आदि पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। बैठक में बताया गया कि एनसीईआरटी द्वारा प्रदेश में अन्य राज्यों के मुकाबले में पहली बार जादुई पिटारा मुद्रित कराया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने पाठ्य-पुस्तकों के वितरण एवं छात्रों को प्रदाय की व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि अगले शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पाठ्य-पुस्तकों की गुणवत्ता में और सुधार कर आकर्षक बनाया जाये। बैठक में निगम के कर्मचारियों के वेतन और अन्य भत्तों सहित आवंटित आवासों के मरम्मत कार्य पर भी चर्चा की गयी। सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. गोयल ने निगम के कर्मचारियों और अधिकारियों के रिक्त पदों को भरे जाने के संबंध में सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि पर्याप्त स्टॉफ होने से निगम की कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।

जल जीवन मिशन से बदल रहा ग्रामीण भारत का चेहरा

भोपाल, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर नल से शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लिए प्रारंभ किए गए जल जीवन मिशन को मध्यप्रदेश में उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मिशन के क्रियान्वयन की रफ्तार निरंतर तेज हुई है। प्रदेश के 78 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा चुका है, जो कि कुल लक्षित परिवारों का 70.13 प्रतिशत है। यह उपलब्धि केवल भौतिक आंकड़ों की दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि यह ग्राम्य जीवन में मूलभूत बदलाव की शुरुआत भी है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों में प्रत्यक्ष लाभ दिखाई देने लगा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल जीवन मिशन को राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल करते हुए कार्यों को समय-सीमा और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया है कि शेष 30 प्रतिशत परिवारों तक नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य भी जल्द ही प्राप्त किया जाएगा।

प्रदेश के 19,760 गांव के प्रत्येक घर को नल से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा चुकी है इनमें से 12,702 गांवों को 'हर घर जल' प्रमाणन प्राप्त हो चुका है, जो मिशन की पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता का प्रमाण है। इन गांवों में स्थानीय निगरानी समितियों के माध्यम से जल गुणवत्ता, आपूर्ति की नियमितता और जनभागीदारी को मजबूत किया गया है।

राज्य सरकार ने 27 हजार 990 गांवों के लिए एकल ग्राम नलजल योजनाएं स्वीकृत की हैं, जिनमें से 15 हजार 542 योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं। ये योजनाएं छोटे गांवों के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध हो रही हैं, जहां स्थानीय स्रोतों से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। जल निगम द्वारा क्रियान्वित 147 समूह जलप्रदाय योजनाओं में से 38 योजनाओं के कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं, जिनसे 23 हजार 164 ग्रामों को लाभ मिलना आरंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का श्रीमती मनीषा भटनागर ने माना आभार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इजरायल-ईरान युद्ध के चलते कतर से वापसी के लिये रह गईं उज्जैन निवासी श्रीमती मनीषा भटनागर की सकुशल स्वदेश वापसी के बाद उनसे वीडियो कॉल पर चर्चा कर उनका कुशलक्षेम जाना। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार बहन-बेटियों को हर संभव मदद देने के लिए तत्पर है। श्रीमती भटनागर ने उज्जैन वापसी के लिए मुख्यमंत्री का आभार माना। उन्होंने कहा कि कतर से भारत लौटने में प्रदेश सरकार का भरपूर सहयोग मिला। संकट के क्षणों में पूर्ण विश्वास था कि देश और प्रदेश की सरकार हमारी चिंता कर रही है।

आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष था

इंदौर, देश में आपातकाल लागू होने की 50वीं वर्षगांठ को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 'आपातकाल विभीषिका' विषय पर संगोष्ठी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश के लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान न्यायालयों के फैसलों को पलट दिया गया। आपातकाल देश के लोकतंत्र पर काले धब्बे के समान था। उन्होंने कहा कि 50 वर्ष पूर्व 25 जून, 1975 को जिन लोगों ने देश में आपातकाल लागू किया था, वे ही इस कलंक के लिए जिम्मेदार हैं और वे कभी भी इस कलंक से मुक्त नहीं हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए निर्णायक लड़ाई लड़ी। उस दौर में हजारों निरपराध लोगों को जेलों में बंद कर दिया गया। आपातकाल में लोगों पर बेइंतहा अत्याचार किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिवंगत लोकतंत्र सेनानियों के योगदान का स्मरण भी किया।

राज्यसभा सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल के विरुद्ध लड़ाई देश की आजादी की दूसरी लड़ाई थी। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान किसी की भी संपत्ति जप्त की जा सकती थी। लोकसभा का कार्यकाल बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया गया था तथा संसद की बैठक के लिए कोरम की व्यवस्था समाप्त कर दी गई थी। श्री त्रिवेदी ने कहा कि आपातकाल में विधायिका, कार्यपालिका और न्याय-पालिका के साथ-साथ मीडिया पर भी नियंत्रण लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि देश में वास्तविक लोकतंत्र आपातकाल की समाप्ति के बाद ही लागू हुआ है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में हमें 'आत्म गौरव' का आभास होने लगा है। श्री त्रिवेदी ने कहा कि लोकतंत्र हमारे देश में वर्ष 1947 से नहीं बल्कि हजारों वर्ष पूर्व से लागू रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र तो है ही, साथ ही 'लोकतंत्र की जननी' भी है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

वनों का संरक्षण एवं संवर्धन पहली प्राथमिकता - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश के वनों के संरक्षण एवं संवर्धन को पहली प्राथमिकता में रखा गया है। वनों को हरा-भरा रखने के लिये अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। अब प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ रहा है और ओपन फॉरेस्ट कम हो रहा है। मध्यप्रदेश वनों में हर्बल औषधियों का भी खजाना है। वर्ष 2024-25 में वन विभाग 6 करोड़ रुपये से अधिक की हर्बल औषधियों की आपूर्ति आयुष विभाग एवं सरकारी संस्थानों को कर चुका है। मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, विशेष वन एवं वन्य प्राणियों की विविधता के लिये जाना जाता है। यहां वनों के रहने और नदियों के बहने का भी संबंध है। वनों की गोद से निकली सोन, नर्मदा, ताप्ती, चंबल के साथ सिंध, बेतवा, केन, धसान, तवा, क्षिप्रा और कालीसिंध जैसी नदियां जन-जीवन को जीवन दे रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में वनों से निकलने वाले तेन्दूपत्ता से 15 लाख परिवारों की आजीविका चल रही है। इससे 35 लाख लोग जुड़े हुये हैं, जिनमें 15 लाख पुरुष और 20 लाख से अधिक महिलाएं हैं। प्रदेश के वनों से हर वर्ष 12 लाख बोरा से अधिक तेन्दूपत्ता का संग्रहण किया जाता है। प्रदेश सरकार ने तेन्दूपत्ता संग्रहण करने वालों का पारिश्रमिक 3 हजार से बढ़ाकर 4 हजार रुपये प्रति मानक बोरा कर दिया है। वनोपजों के संग्रहण एवं विपणन के अधिकार ग्राम सभाओं को दिये गये हैं। तेन्दूपत्ता का संग्रहण एवं विपणन मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज व्यापार एवं विकास सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से कराया जाता है। प्रदेश के 20 जिलों की कुल 243 ग्राम सभाओं द्वारा स्वयं संग्रहण एवं विपणन किया जाता है। लघु वनोपज का स्वामित्व ग्राम सभाओं को सौंपा गया है।

विद्यार्थियों को विषयविद् के साथ संवेदनशील एवं मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण बनाना होगा

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के सभागृह में तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय परिचर्चा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का ध्येय है। श्रेष्ठ नागरिक निर्माण के लिए विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं के साथ भारतीय दृष्टि की आवश्यकता है। विद्यार्थियों में मात्र विषयविद् नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना होगा। विद्यार्थियों के लिए ऐसी पद्धति तैयार करनी होगी, जिससे समाज के प्रश्नों का समाधान भी निकले एवं मानवीय मूल्यों का परंपरागत संरक्षण एवं संवर्धन भी हो।

श्री परमार ने कहा कि उद्योग जगत एवं बाजार की आवश्यकता अनुरूप विद्यार्थियों को स्किल्ड (दक्ष) बनाने के लिए पाठ्यक्रम निर्माण की आवश्यकता है। हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण पद्धति की ओर बढ़ रहे हैं। इस दिशा में प्रतिबद्धता की भावना से आगे बढ़ने से लक्ष्य साकार हो सकेगा।

मुख्यमंत्री निवास पर हुआ लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन

लोकतंत्र हमारी जीवन शैली की आत्मा है - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रादेशिक सम्मेलन के दौरान प्रदेश के लोकतंत्र सेनानियों को सम्मान पत्र भेंट किया

- **लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग।**
- **लोकतंत्र ही हमारी पहचान है।**
- **70 साल से अधिक आयु के लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड से नि:शुल्क इलाज और आवश्यकता अनुसार एयर एम्बुलेंस सेवा की सुविधा भी दी जाएगी।**

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास में लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र भारतीय सभ्यता और संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह केवल एक शासन प्रणाली नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली की आत्मा और पहचान है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र भारतीय जनमानस में पुराकाल से रचा-बसा है और इसकी जड़ें हमारी परंपराओं में गहराई तक फैली हुई हैं।

इस अवसर पर उन्होंने लोकतंत्र की मजबूती में लोकतंत्र सेनानियों के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए कहा कि हमारा वर्तमान लोकतंत्र उनके अनथक संघर्ष और बलिदान का ही परिणाम है। आज हम एक मजबूत और जवाबदेह लोकतांत्रिक व्यवस्था में जीवन व्यतीत कर रहे हैं, इसके मूल में लोकतंत्र सेनानी ही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र शासन को जवाबदेह बनाता है, नागरिकों को अधिकार देता है और प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सुनिश्चित करता है। लोकतांत्रिक प्रणाली ही हमारी विविधता में एकता को बनाए रखने का आधार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी का आह्वान किया कि लोकतंत्र की इस विरासत को आगे बढ़ाना हम सबका नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। दुनिया हमारी ओर हैरत से देखती है कि यहां लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। भारत देश सच्चे अर्थों में लोकतंत्र का जनक है।

उन्होंने कहा कि हम सब लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाने वाली विरोधी ताकतों से मिलकर लड़ेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानियों के हित में घोषणा करते हुए कहा कि अब 70 साल से अधिक आयु के सभी लोकतंत्र सेनानियों को आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क इलाज और आवश्यकता पड़ने पर पीएम एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी दी जाएगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हो रहे हैं नवाचार

मध्यप्रदेश सोलर कैपिटल बनने को तैयार : अन्नदाता बनेंगे ऊर्जादाता

मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। इसे हार्ट ऑफ इंडिया भी कहते हैं। प्रदेश ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार किये और अब लंग्स ऑफ इंडिया बनने को तैयार है। प्रदेश के किसान सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से बिजली उत्पादक बन सकते हैं। सोलर कैपिटल बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश के रीवा, नीमच और ओंकारेश्वर का सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अभूतपूर्व स्थान है जो नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के लिए वरदान है। मध्यप्रदेश सरकार ने अब छोटे निवेशकों और किसानों को बिजली उत्पादन का अवसर प्रदान किया है। बहुत जल्द प्रदेश के अन्नदाता अब ऊर्जादाता बनेंगे।

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से लाभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि "सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना" से छोटे निवेशकों के साथ किसानों को भी लाभ मिलेगा। इस योजना से वोकल फॉर लोकल के अंतर्गत स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को निवेश एवं रोज़गार के अवसर मिलेंगे। निवेशकों के साथ सरकार 25 साल तक बिजली खरीदने का समझौता करेगी। निवेशकों को नीतिगत प्रोत्साहन के साथ सस्ती ज़मीन और तय बिजली रेट मिलेगा। "सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना" से किसानों को लाभ होगा। उन्हें दिन में भी सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा सकेगी। रात में बिजली का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। किसान अब बिना रुकावट सिंचाई कर सकेंगे और अन्नदाताओं का आर्थिक सशक्तिकरण होगा।

कुसुम-सी योजना का विस्तार

सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना, प्रधानमंत्री कुसुम-सी योजना का विस्तार है। इस योजना में हर गांव के पास जो कृषि फीडर है, उसे सौर ऊर्जा से चलाने की तैयारी हो रही है। किसानों को आवश्यक बिजली की आपूर्ति सौर ऊर्जा से हो इसके लिए सम्पूर्ण फीडर और विद्युत सब-स्टेशन का सोलराइज़ेशन किया जाएगा।

मुख्य बिन्दु

- मध्यप्रदेश ऊर्जाधानी बनने की ओर अग्रसर।
- सांची बनी देश की पहली सोलर सिटी।
- सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना से प्रदेश के किसानों और छोटे निवेशकों को मिलेगा लाभ।
- प्रदेश में अब तक 80 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। जिससे 16 हजार से अधिक कृषि पंपों को सौर ऊर्जा से जोड़ा गया है।
- लगभग 8 हजार कृषि फीडर्स लगाए हैं, जिन पर लगभग 35 लाख कृषि पंप जुड़े हैं। इन सभी फीडर्स पर सोलर पॉवर प्लांट लगाए जायेंगे।
- किसान खेती के लिए अनुपयोगी या बंजर जमीन पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली बना सकते हैं और सरकार को बेच सकते हैं।
- किसानों को एग्रीकल्चर इन्फ्रा फंड के तहत 7 वर्षों तक 3 प्रतिशत ब्याज में छूट मिलेगी तथा 240 मेगावॉट क्षमता की परियोजनाओं का निर्माण किया जा रहा है।
- प्रदेश में सौर, पवन, बायोमास और लघु जल ऊर्जा की क्षमता को बढ़ाने के लिए नीतियां बनाई गई हैं।
- प्रदेश में 9 हजार 300 मेगावॉट से अधिक नवकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित हो चुकी है।
- वर्ष 2025 में सभी शासकीय भवनों पर सोलर रूफटॉप लगाने का लक्ष्य।

प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के प्रतिमान

मध्यप्रदेश सरकार क्लीन और ग्रीन एनर्जी के विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में नवकरणीय ऊर्जा समिट का भी आयोजन किया गया, जिसमें निवेशकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। वर्ष 2012 में प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा की क्षमता 500 मेगावॉट से भी कम थी। प्रदेश की नीतियों और विभिन्न प्रोत्साहन के फलस्वरूप पिछले 12 वर्षों में राज्य की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता में 15 गुना वृद्धि हुई है। सौर ऊर्जा में 48 प्रतिशत और पवन ऊर्जा में 19 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है।

रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्रोजेक्ट और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट

रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर प्रोजेक्ट को विश्व बैंक और हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने सराहा है। यह प्रोजेक्ट एक केस स्टडी बन चुका है। ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट, जो दुनिया के सबसे बड़े फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट्स में से एक है, इसका पहला चरण पूरा कर लिया गया है और इसमें ऊर्जा उत्पादन भी शुरू हो गया है। रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना और ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की सफलता बता रही है कि मध्यप्रदेश नवाचार में अग्रणी है। नीमच सोलर पार्क 500 मेगावॉट की क्षमता वाला है। यह परियोजना 2.15 रुपये प्रति यूनिट की दर पर देश की सबसे किफायती सौर ऊर्जा परियोजनाओं में एक है। मध्यप्रदेश की ये परियोजनाएं भारत सरकार के 500 गीगावॉट नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

नवकरणीय ऊर्जा में भविष्य के लक्ष्य

मध्यप्रदेश का लक्ष्य है कि आने वाले वर्षों में हम 20 हजार मेगावॉट से ज्यादा नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करें। वर्ष 2030 तक प्रदेश की 50 प्रतिशत ऊर्जा नवकरणीय स्रोतों से प्राप्त करने की योजना है। इसके लिए ऊर्जा वितरण और संरक्षण में कुशलता पाने के लिए हमने स्मार्ट ग्रिड और माइक्रो ग्रिड तकनीकों पर भी काम शुरू किया गया है। प्रदेश में सोलर पार्क, पवन ऊर्जा पार्क, फ्लोटिंग सोलर और ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

चर्चा में

मैग्नस कार्लसन

शतरंज में 2900 ईएलओ रेटिंग अंक पाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नॉर्वे के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने शतरंज में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कार्लसन ने फिडे फ्रीस्टाइल रैंकिंग में 2900 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए हैं। वे 2900 रेटिंग अंक तक पहुंचने वाले विश्व के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। शतरंज रैंकिंग में वर्ष 2014 से शीर्ष पर कायम कार्लसन ने अपना दबदबा बरकरार रखा और मौजूदा रैंकिंग में 2909 अंक हासिल किए। रैंकिंग में अमेरिका के हिकारू नाकामूरा (2818) दूसरे और फेबियो कारूआनो (2804) तीसरे स्थान पर हैं। भारत के युवा खिलाड़ी आर. प्रगानंदा 2773 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उल्लेखनीय है कि मैग्नस कार्लसन ने पांच बार विश्व शतरंज चैम्पियनशिप जीती है। उन्होंने हाल ही में नॉर्वे ओपन का खिताब जीता था।

सचिन तेंदुलकर

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट के ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट ने भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अपना ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया है। कंपनी द्वारा जारी एक अधिसूचना में बताया गया कि खेल प्रशंसकों को अब रेडिट कम्यूनिटी में सचिन तेंदुलकर के साथ जुड़ने के विशेष अवसर मिलेंगे। खेल प्रशंसक अपनी आधिकारिक रेडिट प्रोफाइल के माध्यम से सचिन तेंदुलकर के साथ अपने व्यक्तिगत विचार, मैच की जानकारी और अन्य सामग्री साझा कर सकेंगे। रेडिट के साथ जुड़ने पर तेंदुलकर ने कहा कि क्रिकेट ने मुझे मैदान और मैदान के बाहर लोगों के साथ जोड़ा है। उन्होंने कहा कि रेडिट क्रिकेट कम्युनिटी को एक साथ लाता है।

कंगना रनौत

विश्व पैरा एथलेटिक्स की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

भारत की प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को विश्व पैरा एथलेटिक्स की ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त किया गया है। 'फैशन' और 'क्वीन' जैसी फिल्मों में अपने अभिनय के लिए प्रशंसा बटोरने वाली कंगना ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत के पैरा एथलीट हर दिन क्या संभव है, इसे फिर से लिख रहे हैं। मैं उनका समर्थन करने और उनकी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कंगना की तारीफ करते हुए कहा कि भारत के खिलाड़ियों के प्रति उनका जुनून, प्रभाव और प्रतिबद्धता उन्हें नई दिल्ली में इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए एक आदर्श दूत बनाती है।

अनुराधा ठाकुर

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड की सदस्य नियुक्त

केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश कैडर की 1994 बैच की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराधा ठाकुर को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के बोर्ड में अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। वे 1 जुलाई 2025 से पदभार ग्रहण करेंगी और सेवानिवृत्त हो रहे आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ का स्थान लेंगी। इसके साथ ही, अनुराधा ठाकुर भारत की पहली महिला आर्थिक मामलों की सचिव बन गई हैं। जल्द ही उन्हें भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल में भी वित्त मंत्रालय की प्रतिनिधि के रूप में शामिल किए जाने की अधिसूचना जारी होने की संभावना है।

सुशील शुक्ल

बाल साहित्य पुरस्कार से होंगे सम्मानित

साहित्य अकादमी ने वर्ष 2025 के लिए बाल साहित्य पुरस्कार की घोषणा कर दी है। अकादमी ने 24 भाषाओं में बाल साहित्य और 23 भाषाओं में युवा पुरस्कार के लिए रचनाकारों का चयन किया है। हिन्दी वर्ग में मध्यप्रदेश के साहित्यकार सुशील शुक्ल को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। सुशील शुक्ल को यह पुरस्कार उनके साहित्य संग्रह 'एक बटे बारह' के लिए मिलेगा। झारखंड की पार्वती तिर्की को काव्य संग्रह 'फिर उगना' के लिए हिन्दी वर्ग में युवा पुरस्कार मिलेगा। उल्लेखनीय है कि सुशील शुक्ल पिछले कई वर्षों से बाल साहित्य में सक्रिय हैं। उनके संग्रह एक बटे बारह की 40 हजार से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं। वे बच्चों की चर्चित पत्रिकाएं 'साइकिल' और 'प्लूटो' के सह संपादक भी हैं।

केलेची एजीही

लगातार 35 घंटे गोल्फ खेलने का रिकॉर्ड बनाया

अमेरिकी गोल्फर केलेची एजीही ने लगातार सबसे ज्यादा 35 घंटे तक गोल्फ खेलने का रिकॉर्ड बनाया है। एजीही ने बताया कि उन्होंने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड स्थित एक गोल्फ कोर्स पर लगातार 35 घंटे गोल्फ खेला है। उन्होंने बताया कि शुरू में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जगह बनाने के लिए मैंने लगातार 24 घंटे गोल्फ खेलने की योजना बनाई, लेकिन बाद में पता चला कि एक ब्रिटिश गोल्फर लगातार 32 घंटे गोल्फ खेलने का रिकॉर्ड बना चुका है, इसके बाद एजीही ने लगातार 35 घंटे गोल्फ खेलकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया।

अचल

तटरक्षक बल में शामिल हुआ स्वदेशी तीव्र गश्ती पोत

भारतीय तटरक्षक बल में स्वदेशी तीव्र गति पोत अचल शामिल हो गया है। गोवा में तटरक्षक बल के पश्चिमी कमांडर और अतिरिक्त महानिदेशक अनिल कुमार हरबोला की उपस्थिति में इस पोत को तटरक्षक बल में कमीशन किया गया। इस पोत को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) ने बनाया है। यह जीएसएल द्वारा निर्मित किए जा रहे आठ फास्ट पेट्रोल वेसल्स में से पांचवां पोत है। यह 60 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री के साथ बनाया गया पोत है। यह पोत 52 मीटर लंबा और आठ मीटर चौड़ा है। इसकी गति 27 नॉट है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने

कृत्रिम सूर्यग्रहण का सफल परीक्षण किया

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रोबा-3 मिशन ने अंतरिक्ष में पहली बार कृत्रिम सूर्यग्रहण बनाया है। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि इस मिशन के दौरान दो छोटे-छोटे सैटेलाइट अंतरिक्ष में एक खास दूरी पर उड़ाए गए। इनमें से एक सैटेलाइट ने सूरज को ढक लिया, जैसे चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा सूर्य को ढक लेता है। वहीं दूसरा सैटेलाइट उस समय सूरज की बाहरी रोशनी की तस्वीरें ले रहा था। एजेंसी ने बताया सूर्यग्रहण के दौरान ही वैज्ञानिकों को सूर्य की बाहरी परत को ठीक से देखने का मौका मिलता है, लेकिन प्राकृतिक सूर्यग्रहण कुछ ही पल के लिए होता है और हर जगह से नहीं दिखता। ऐसे में अब सैटेलाइटों की मदद से कभी भी सूर्यग्रहण जैसा नजारा देख सकते हैं, साथ ही वैज्ञानिकों को सूरज की बाहरी परत को समझने में मदद मिलेगी।

शिवसुब्रमण्यम रमण

पीएफआरडीए के अध्यक्ष पद का कार्यभार किया ग्रहण

शिवसुब्रमण्यम रमण ने आधिकारिक रूप से पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष के तौर पर पदभार ग्रहण कर लिया है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि केंद्र सरकार ने रमण की नियुक्ति 5 वर्ष की अवधि या 65 वर्ष तक की आयु, जो भी पहले हो, तक के लिए की है। रमण भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा (आईए एंड एएस) के वर्ष 1991 बैच के अधिकारी हैं। उनके पास वित्तीय विनियमन, सार्वजनिक वित्त और प्रौद्योगिकी का लंबा अनुभव है।

ब्लेज मेट्रेवेली

ब्रिटेन की गुप्तचर एजेंसी एमआई-6 की प्रमुख नियुक्त

ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी एमआई-6 के इतिहास में पहली बार एक महिला को एजेंसी का प्रमुख बनाया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ब्लेज मेट्रेवेली को एमआई-6 का प्रमुख नियुक्त किया है। ब्रिटिश खुफिया एजेंसी में करीब ढ़ाई दशक बिताने के बाद ब्लेज मेट्रेवेली इस साल के अंत में ये पद संभालेंगी। वह सर रिचर्ड मूर की जगह लेंगी। रिचर्ड वर्ष 2020 से एजेंसी का नेतृत्व कर रहे हैं। ब्लेज मेट्रेवेली वर्ष 1999 में सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस में शामिल हुई थीं। फिलहाल वह टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन डिपार्टमेंट की महानिदेशक हैं।

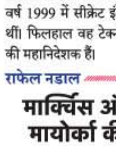

राफेल नडाल

मार्क्विस ऑफ ल्लेवान्त डी मायोर्का की उपाधि मिली

स्पेन के राजा फिलिपे ने दुनिया के महान टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल को 'मार्क्विस ऑफ ल्लेवान्त डी मायोर्का' की उपाधि से सम्मानित किया है। नडाल को यह सम्मान राजा फिलिपे के शासनकाल की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दिया गया है। इस अवसर पर नडाल के अलावा छह अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया, इनमें पॉप गायिक लूज कासाल और पैरालंपिक तैराक टेरेसा पेरालेस शामिल हैं। नडाल को यह सम्मान खेल के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान और टेनिस खेल में देश का गौरव बढ़ाने के लिए दिया गया है। उल्लेखनीय है कि टेनिस में 22 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीत चुके नडाल ने वर्ष 2024 में खेल से संन्यास लिया था।

ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी

ईरान की आईआरजीसी के खुफिया संगठन के प्रमुख नियुक्त

इजराइल और अमेरिका से जंग के बीच ईरान ने ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खुफिया संगठन का नया प्रमुख नियुक्त किया है। आईआरजीसी के कमांडर इन चीफ मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने बताया कि ब्रिगेडियर जनरल खादेमी अब आईआरजीसी के खुफिया संगठन का नेतृत्व करेंगे। खादेमी इससे पहले सुरक्षा और खुफिया संगठन के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।

आह्न ग्यू बैक

दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री नामित हुए

दक्षिण कोरिया में 64 वर्ष बाद देश के रक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी एक आम नागरिक को सौंपी गई है। राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने पांच बार के सांसद और डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता आह्न ग्यू-बैक को देश का नया रक्षा मंत्री नामित किया है। इससे पहले यह पद हमेशा सेना के रिटायर्ड जनरलों के हाथों में ही रहा है। यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब देश के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग ह्युन समेत कई शीर्ष सैन्य अधिकारी आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। सांसद आह्न ग्यू-बैक लंबे समय से नेशनल असेंबली की रक्षा समिति से जुड़े रहे हैं।

स्मृति शेष

भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन

भारत के पूर्व दिग्गज स्पिनर दिलीप दोशी का 77 वर्ष की आयु में कार्डियक अरेस्ट के कारण निधन हो गया। वह उन चुनिंदा क्रिकेटरों में शामिल हैं, जिन्होंने बिशन सिंह बेदी, चंद्रशेखर, प्रसन्ना, वेंकटराघवन की मशहूर चौकड़ी के बावजूद अपनी अलग पहचान बनाई। दिलीप दोशी का प्रथम श्रेणी क्रिकेट कॅरियर काफी शानदार रहा। उन्होंने 1968-69 सीजन में पदार्पण किया और वर्ष 1986 में संन्यास लेने तक कुल 238 प्रथम श्रेणी मैच खेले। इस दौरान उन्होंने कुल 898 विकेट लिए, जिसमें 43 बार एक पारी में पांच विकेट और छह बार एक मैच में दस विकेट शामिल थे। उन्होंने 1979 से 1983 के बीच भारत के लिए 33 टेस्ट मैच खेले और 114 विकेट लिए। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम छह बार एक पारी में पांच विकेट शामिल हैं। वह उन 9 भारतीय खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट पदार्पण में पांच विकेट लिए हैं।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉरेंस का निधन

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉरेंस का 61 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वे पिछले एक वर्ष से मोटर न्यूरोन डिसीज से पीड़ित थे। लॉरेंस ने वर्ष 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए 5 टेस्ट मैच और एक वन-डे अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला है। उन्होंने 18 टेस्ट और 4 वन-डे विकेट लिए हैं। वह इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। लॉरेंस के पास प्रथम श्रेणी क्रिकेट का अपार अनुभव था। उन्होंने 185 प्रथम श्रेणी मैच खेले थे, इन मैचों में उन्होंने 515 विकेट लिए थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

नेशनल इन्श्योरेन्स
National Insurance
Trusted Since 1906

नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड

(भारत सरकार का उपक्रम)
सीआईएनः यू10200डब्ल्यूबी1906जीओआई001713
पंजीकृत कार्यालय और प्रधान कार्यालयः परिसर सं: 18-0374
प्लॉट नं. सीबीडी-81, न्यू टाउन, कोलकाता-700156

266 प्रशासनिक अधिकारियों (सामान्य और विशेषज्ञ) (स्केल-I) की भर्ती

नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड खुले बाजार से स्केल 1 संवर्ग में **266 (दो सौ छियासठ)** अधिकारियों की भर्ती के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित करती है.

महत्वपूर्ण तिथियां

ऑनलाइन पंजीकरण आरंभ होने की तिथि	12 जून, 2025
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए अंतिम तिथि	3 जुलाई, 2025
आवेदन शुल्क का भुगतान	12 जून, 2025 से 3 जुलाई, 2025 तक (दोनों दिवस शामिल)
ऑनलाइन परीक्षा की तिथि- चरण 1 परीक्षा	20 जुलाई, 2025 (अनंतिम)
परीक्षा के लिए बुलावा पत्र की डाउनलोडिंग आरंभ होने की तिथि	बाद में अधिसूचित की जायेगी
ऑनलाइन परीक्षा की तिथि-चरण II परीक्षा	31 अगस्त , 2025 (अनंतिम)

* विस्तृत विज्ञापन रोजगार समाचार दिनांक 21 जून, 2025 में भी प्रकाशित किया जायेगा.

अभ्यर्थियों को केवल ऑनलाइन विधि से आवेदन करना चाहिए. आवेदन के किसी अन्य तरीके/विधि को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

रिक्तियां (अनंतिम):

विषय क्षेत्र	पदों की संख्या	अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	इनमें से पीडब्ल्यूबीडी			
							क	ख	ग	घ एवं ङ
विशेषज्ञ:										
चिकित्सक (एमबीबीएस)	10	4	3	1	1	1	1	2	1	1
विधि	20	8	7	2	1	2				
वित्त	20	8	6	3	1	2				
सूचना प्रौद्योगिकी	20	8	6	2	2	2				
ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स	20	8	6	3	1	2				
विशेषज्ञ बैकलॉग:										
चिकित्सक (एमबीबीएस)	4	-	-	3	1	-	-	-	-	-
वित्त	1	-	-	1	-	-	-	-	-	-
ऑटोमोबाइल इंजीनियर्स	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-
कुल	96	36	29	15	7	9	1	2	1	1

विषय क्षेत्र	पदों की संख्या	अना	अपिव	अजा	अजजा	ईडब्ल्यूएस	इनमें से पीडब्ल्यूबीडी			
							क	ख	ग	घ एवं ङ
सामान्य	170	68	47	26	12	17	3	1	0	0

संक्षिप्ताक्षरः अनाः अनारक्षित; अपिवः अन्य पिछड़ा वर्ग:; अजाः अनुसूचित जाति; अजजाः अनुसूचित जनजाति; ईडब्ल्यूएसः आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग; पीडब्ल्यूबीडीः बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति; कः दृष्टिबाधित और कम दृष्टि; खः बधिर और सुनने में कठिनाई; गः मस्तिष्क पक्षाघात, कुष्ठ रोग से ठीक हुए लोग, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित और मांसपेशीय दुर्विकास सहित चलने-फिरने में अक्षमता; घः ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट सीखने की अक्षमता और मानसिक बीमारी; ङः बहरापन-दृष्टिबाधित सहित खंड (क) से (घ) के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों में से बहु दिव्यांगता;

उपरोक्त रिक्तियां अनंतिम हैं और कंपनी के पास उपयुक्त समय पर कंपनी की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुसार इनमें परिवर्तन करने का अधिकार सुरक्षित है.

i) अपिव श्रेणी से संबंधित परंतु "क्रीमी लेयर" में आने वाले उम्मीदवार अपिव आरक्षण और आयु में छूट के हकदार नहीं हैं. उन्हें अपनी श्रेणी सामान्य के रूप में दर्शानी चाहिए.

ii) विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत आरक्षण, परिणाम को अंतिम रूप देते समय प्रचलित सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार होगा.

iii) भर्ती में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36039/1/2019-स्था. (आरईएस) दिनांक 31.01.2019 से शासित है.

अस्वीकरणः "ईडब्ल्यूएस रिक्तियां अस्थायी हैं और भारत सरकार के आगे के निर्देशों और किसी भी मुकदमे के परिणाम के अधीन हैं. नियुक्ति अनंतिम है और उचित चैनलों के माध्यम से आय और संपत्ति प्रमाण पत्र के सत्यापन के अधीन है."

टिप्पणीः अभ्यर्थी केवल किसी एक विषय के लिए ही आवेदन कर सकते हैं. एक से अधिक आवेदनों (एक ही विषय में या सभी विषयों में) के मामले में केवल नवीनतम वैध (पूर्ण) आवेदन ही रखा जाएगा तथा अन्य कई पंजीकरणों के लिए भुगतान किया गया आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क जब्त कर लिया जाएगा.

राष्ट्रीयता :

कंपनी में भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार निम्नलिखित में से कोई एक होना चाहिए:—

a) भारत का नागरिक हो, **या**

b) नेपाल का प्रजा हो, **या**

c) भूटान की प्रजा हो, **या**

d) तिब्बती शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से बसने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले भारत आया हो, **या**

e) भारतीय मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से बसने के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, युगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, ज़ैरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास कर आया हो.

बशर्ते कि श्रेणी (ख), (ग), (घ) और (ङ) से संबंधित अभ्यर्थी वह व्यक्ति होगा, जिसके पक्ष में भारत सरकार ने पात्रता का प्रमाण-पत्र जारी किया हो.

कृपया ध्यान दें कि यहां निर्दिष्ट पात्रता मानदंड पद के लिए आवेदन करने के लिए बुनियादी मानदंड हैं. साक्षात्कार के समय, उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में बताए गए श्रेणी, राष्ट्रीयता, आयु, शैक्षिक योग्यता आदि से संबंधित अपनी पात्रता और पहचान के समर्थन में प्रासंगिक मूल दस्तावेज और एक स्व-सत्यापित फोटोकॉपी प्रस्तुत करनी होगी. कृपया ध्यान दें कि ऑनलाइन आवेदन की पंजीकरण प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसी भी स्तर पर आवेदन के डेटा में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा. केवल पद के लिए आवेदन करना और ऑनलाइन परीक्षा और/या उसके बाद के साक्षात्कार और/या बाद की प्रक्रियाओं में शॉर्टलिस्ट किया जाना यह नहीं दर्शाता है कि उम्मीदवार को कंपनी में रोजगार की पेशकश की जाएगी. जिस श्रेणी/पद के लिए आवेदन किया गया है, उसके अलावा किसी अन्य श्रेणी/पद के तहत उम्मीदवारी हेतु किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.

1. सेवा शर्तें:

सेवा शर्तें समय-समय पर लागू कंपनी के नियमों के अनुसार होंगी. नियुक्ति के बाद चयनित उम्मीदवारों को भारत में किसी भी स्थान पर तैनात या स्थानांतरित किया जा सकता है, जैसा कि कंपनी द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार तय किया जाता है. **प्रारंभिक तैनाती स्थान पर न्यूनतम प्रवास 5 वर्ष होगा, विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में चयनित उम्मीदवारों को कंपनी के विवेकानुसार न्यूनतम 10 वर्षों की अवधि के लिए उसी विशेषज्ञता में बने रहने की आवश्यकता हो सकती है. हालांकि, वे कंपनी के मानदंडों के अनुसार पदोन्नति के लिए पात्र बने रहेंगे.**

2. परिवीक्षा :

कंपनी के नियमित वेतन रोल पर अधिकारी संवर्ग में नियुक्ति उम्मीदवार ड्यूटी में शामिल होने की तिथि से एक वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेगा. परिवीक्षा अवधि को दो बार छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए एक वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है.

परिवीक्षा अवधि के दौरान अधिकारियों को भारतीय बीमा संस्थान द्वारा आयोजित गैर-जीवन "लाइसेंसिएट परीक्षा" उत्तीर्ण करना आवश्यक होगा. उक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अधिकारी कंपनी में अपनी सेवाओं की पुष्टि के लिए पात्र होंगे. विस्तारित परिवीक्षा अवधि के भीतर उक्त परीक्षा उत्तीर्ण करने में विफल रहने पर अधिकारी को निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर सेवा से बर्खास्त किया जा सकता है. कंपनी किसी भी समय परिवीक्षा अवधि या विस्तारित परिवीक्षा अवधि के दौरान अनुप्रयुक्त पाए जाने पर उम्मीदवार की सेवाओं को बिना किसी नोटिस या कोई कारण बताए समाप्त करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

3. गारंटी बॉण्ड : प्रोबेशनर के तौर पर जॉइन करने से पहले, चुने गए उम्मीदवारों को परिवीक्षा अवधि सहित कम से कम चार वर्ष तक कंपनी में काम करने का वचन-पत्र देना होगा. बॉन्ड अवधि की समाप्ति से पहले कंपनी से इस्तीफा देने की स्थिति में, उन्हें परिवीक्षा के वर्ष के दौरान दिए गए एक साल के सकल वेतन के बराबर लिक्विडेटेड हर्जाना देना होगा, जिसे प्रदान की गई सेवा की अवधि के आधार पर आनुपातिक रूप से कम किया जा सकता है. इसके अलावा, उन्हें एक साल के सकल वेतन के बराबर राशि के लिए अच्छी वित्तीय स्थिति वाले दो जमानतदारों (रक्त संबंधी नहीं) द्वारा विधिवत निष्पादित एक मुहरबंद बॉन्ड जमा करना होगा.

परिवीक्षा अवधि के दौरान कंपनी से त्यागपत्र देने वाले अभ्यर्थी और जिन अभ्यमर्थियों की सेवाएं कंपनी द्वारा परिवीक्षा अवधि के दौरान समाप्त कर दी जाती हैं, उन्हें कंपनी में अपनी पूरी सेवा के दौरान प्राप्त सकल वेतन के अलावा प्रशिक्षण की आंशिक लागत के लिए 25,000/- रुपये की राशि का भुगतान करना होगा. वर्तमान नियोक्ता के साथ किसी मूल पद को बनाए रखने के लिए निष्पादित कोई ग्रहणाधिकार/बांड कंपनी के लिए बाध्यकारी नहीं होगा और कोई छुट्टी वेतन या पेंशन अंशदान नहीं किया जाएगा.

4. परिश्रमिक एवं लाभः

प्रारंभिक मूल वेतन 50925-2500(14)-85925-2710(4)-96765 रुपये के स्केल में रु. 50,925 होगा और अन्य भत्ते प्राप्त होंगे, जो कंपनी में समय-समय पर लागू नियमों के तहत स्वीकार्य हो सकते हैं. महानगर केंद्रों में कुल परिलब्धियां लगभग 90,000 रुपये प्रति माह होंगी. अन्य लाभ जैसे पीएफआरडीए द्वारा शासित नई पेंशन योजना के

तहत पेंशन, ग्रेच्युटी, एलटीएस, चिकित्सा लाभ, समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा आदि नियुक्ति के समय कंपनी में लागू नियमों के अनुसार होंगे. अधिकारी मानदंडों के अनुसार कंपनी/पट्टे पर आवास के लिए भी हकदार हैं. उपरोक्त के अलावा, विशेषज्ञ अधिकारी के रूप में नियुक्त डॉक्टर (एमबीबीएस) समय-समय पर लागू शर्तों के अधीन मूल वेतन के 25% की राशि के बराबर गैर-प्रैक्टिसिंग भत्ते (एनपीए) के लिए पात्र हैं.

5. शैक्षणिक अर्हता (01.05.2025) को :

अभ्यर्थी के पास **01.05.2025** तक योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण पत्र होना चाहिए. विभिन्न विषय क्षेत्रों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षणिक अर्हताएं निम्नानुसार हैं:-

क्र. सं.	विषय क्षेत्र	न्यूनतम अर्हता
1.	चिकित्सक (एमबीबीएस)	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से एमबीबीएस/एमडी/एमएस या पीजी –मेडिकल डिग्री या समकक्ष विदेशी डिग्री जो निर्धारित बेंचमार्क के साथ राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग. (पूर्व में भारतीय चिकित्सा परिषद) द्वारा मान्यताप्राप्त हो. इसके अलावा, उम्मीदवार के पास निर्धारित साक्षात्कार की तिथि तक राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (पूर्व में भारतीय चिकित्सा परिषद) या किसी राज्य चिकित्सा परिषद (एलोपैथी के लिए लागू) से वैध पंजीकरण होना चाहिए.
2.	विधि	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी डिग्री परीक्षा में कम से कम 60% अंकों के साथ (अजा/अजजा उम्मीदवारों के लिए कम से कम 55%) विधि में स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री.
3.	वित्त	चार्टर्ड अकाउंटेंट (आईसीएआई) / कॉस्ट अकाउंटेंट (आईसीडब्ल्यूए) या किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी.कॉम / एम.कॉम, डिग्री परीक्षा में से किसी एक में कम से कम 60% अंकों के साथ (अजा /अजजा अभ्यर्थियों के लिए कम से कम 55%) हों.
4.	सूचना प्रौद्योगिकी	किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी में बी.ई./ बी.टेक./एम.ई./एम.टेक/एमसीए, किसी भी डिग्री परीक्षा में कम से कम 60% अंकों के साथ (अजा/अजजा अभ्ययर्थियों के लिए कम से कम 55%)
5.	ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग	किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में बी.ई./बी.टेक./ एम.ई./एम.टेक या ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (कम से कम एक वर्ष की अवधि) के साथ इंजीनियरिंग की किसी भी शाखा में बी.ई./बी.टेक./एम.ई./एम.टेक. दोनों में से किसी भी डिग्री परीक्षा में कम से कम 60% अंक (अजा/अजजा अभ्यर्थियों के लिए कम से कम 55%) के साथ.
6.	सामान्य अधिकारी	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक / स्नातकोत्तर डिग्री, डिग्री परीक्षा में कम से कम 60% अंकों के साथ (अजा/अजजा अभ्यर्थियों के लिए कम से कम 55%).

टिप्पणी:-

क) ऊपर उल्लिखित योग्यता यूजीसी से अनुमोदित किसी भी मान्यताप्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय या एआईसीटीई से अनुमोदित किसी भी मान्यता प्राप्त भारतीय संस्थान से होनी चाहिए.

ख) अभ्यर्थी के पास 01.05.2025 तक अपेक्षित योग्यता की वैध मार्कशीट/डिग्री प्रमाण पत्र होना चाहिए.

ग) अंक प्रतिशतता अभ्यर्थी के सभी सेमेस्टर/वर्षों में सभी विषयों में प्राप्त कुल अंकों को सभी विषयों में कुल अधिकतम अंकों से विभाजित करके प्राप्त की जायेगी, भले ही ऑनर्स/वैकल्पिक/अतिरिक्त वैकल्पिक विषय कोई भी हो. यह उन विश्वविद्यालयों के लिए भी लागू होगा जहां कक्षा/ग्रेड केवल ऑनर्स अंकों के आधार पर तय किया जाता है. इस प्रकार प्राप्त प्रतिशत के अंश को अनदेखा कर दिया जाएगा, अर्थात 59.99% को 60% से कम माना जाएगा.

(घ) जहां सीजीपीए/ओजीपीए प्रदान किया जाता है, वहां अभ्यर्थी को उपयुक्त प्राधिकारी से जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ ग्रेड को प्रतिशत में बदलने के संबंध में विश्वविद्यालय के मानदंडों का उल्लेख किया गया हो जिनके अनुसार अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त अंकों का प्रतिशत बताया गया हो.

4. 01.05.2025 को आयु:

न्यूनतम आयु : 21 वर्ष अधिकतम आयु: 30 वर्ष, 01.05.2025 को अर्थात, अभ्यर्थी का जन्म 02.05.1995 से पहले और 01.05.2004 के बाद नहीं हुआ होना चाहिए (दोनों तिथियां सम्मिलित हैं).

ऊपरी आयु सीमा में छूट निम्नानुसार होगी:

क्रम सं.	श्रेणी	आयु में छूट
1.	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति	5 वर्ष
2.	अन्य पिछड़ा वर्ग (अपिव – नॉन क्रीमी लेयर)	3 वर्ष
3.	"दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016" के तहत परिभाषित बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति	10 वर्ष
4.	भूतपूर्व सैनिक, आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारी (ईसीओ)/अल्पावधि सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारी (एसएससीओ) सहित कमीशन प्राप्त अधिकारी जिन्होंने 01.05.2025 तक कम से कम पांच वर्ष की सैन्य सेवा प्रदान की है और सेवामुक्त हुए हैं; (क) कार्यभार पूरा होने पर (जिनमें वे भी शामिल हैं जिनका कार्यभार 01.05.2025 से एक वर्ष के भीतर पूरा होना है) कदाचार या अकुशलता के कारण बर्खास्तगी या सेवामुक्ति के अलावा; या (ख) सैन्य सेवा के कारण शारीरिक दिव्यांगता के कारण; या (ग) अमान्यता के कारण. वे ईसीओ/एसएससीओ जिन्होंने 01.05.2025 तक पांच वर्ष की सैन्य सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और जिनका कार्यकाल पांच वर्ष से आगे बढ़ा दिया गया है और जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय ने प्रमाण पत्र जारी किया है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और उन्हें नियुक्ति के प्रस्ताव की प्राप्ति की तारीख से चयन होने पर तीन महीने के नोटिस पर कार्यमुक्त कर दिया जाएगा.	5 वर्ष
5.	किसी विदेशी देश के साथ युद्ध के दौरान या अशांत क्षेत्र में ऑपरेशन के दौरान दिव्यांग हुए रक्षा सेवा कार्मिक और उसके परिणामस्वरूप रिहा हुए	3 वर्ष
6.	सार्वजनिक क्षेत्र की साधारण बीमा कम्पनियों (जीआईसी एवं एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड सहित) के मौजूदा स्थायी कर्मचारी.	8 वर्ष

टिप्पणी:

I. यदि कोई उम्मीदवार उपरोक्त श्रेणियों में से एक से अधिक के अंतर्गत छूट के लिए पात्र है, तो उसे आयु में छूट संचयी आधार पर उपलब्ध होगी, बशर्ते कि अधिकतम आयु 45 वर्ष से अधिक न हो.

II. आयु में छूट चाहने वाले अभ्यर्थियों को आवश्यक प्रमाणपत्रों की प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी तथा साक्षात्कार के समय और/या भर्ती प्रक्रिया के बाद के किसी भी चरण में सत्यापन के लिए मूल प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा.

भूतपूर्व सैनिक के लिए टिप्पणी :

I. यदि भूतपूर्व सैनिक ने भूतपूर्व सैनिक के रूप में उसे दिए जाने वाले लाभ उठाने के बाद सिविल में सरकारी नौकरी ज्वाइन कर ली है, तो सरकार में पुनः रोजगार के उद्देश्य से उसका भूतपूर्व सैनिक का दर्जा समाप्त हो जाता है. हालांकि, वह भूतपूर्व सैनिकों के लिए लागू आयु सीमा में छूट के लिए पात्र होगा.

II. कोई भूतपूर्व सैनिक, जो किसी भी सिविल रोजगार में शामिल होने से पहले विभिन्न रिक्तियों के लिए आवेदन करता है, किसी भी बाद की नौकरी के लिए भूतपूर्व सैनिक के रूप में आरक्षण का लाभ उठा सकता है. हालांकि, यह लाभ उठाने के लिए, भूतपूर्व सैनिक को, जैसे ही वह किसी भी सिविल रोजगार में शामिल होता है, उसे संबंधित नियोक्ता को विभिन्न रिक्तियों के लिए आवेदन की तिथिवार जानकारी के बारे में स्व-घोषणा/वचन देना चाहिए, जिसके लिए उसने प्रारंभिक सिविल रोजगार में शामिल होने से पहले आवेदन किया था. इसके अलावा, यह लाभ केवल उन रिक्तियों के संबंध में उपलब्ध होगा जो सीधी भर्ती से भरी जाती हैं और जहां भी भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण लागू होता है.

iii. अधिकारी संवर्ग में भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई आरक्षण नहीं है.

7. परिभाषाएं :

क. भूतपूर्व सैनिक (भूपूसै) :

केवल उन अभ्यर्थियों को भूतपूर्व सैनिक माना जाएगा जो भारत सरकार, गृह मंत्रालय, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना संख्या 36034/5/85 स्थापना (एससीटी) दिनांक 27.10.1986, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, में निर्धारित संशोधित परिभाषा को पूरा करते हैं.

ख. दिव्यांग पूर्व सैनिक (डीआईएसएक्सएस): भूतपूर्व सैनिक जो संघ की सशस्त्र सेनाओं में सेवा करते समय दुश्मन के विरुद्ध या अशांत क्षेत्रों में कार्रवाई के दौरान दिव्यांग हो गए हों, उन्हें दिव्यांग पूर्व सैनिक यानी डीआईएसएक्सएस माना जाएगा.

ग. बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति (पीडब्ल्यूबीडी): "दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016" की धारा 34 के तहत बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति आरक्षण के लिए पात्र हैं. इस अधिनियम के तहत उल्लिखित दिव्यांगताओं की आरक्षित श्रेणियां इस प्रकार हैं:

क) दृष्टिबाधिता और कम दृष्टि;

ख) बहरापन और सुनने की कम क्षमता;

ग) मस्तिष्क पक्षाघात, कुष्ठ रोग से ठीक हुए व्यक्ति, बौनापन, एसिड अटैक पीड़ित और मांसपेशियों की दुर्बलता सहित चलने-फिरने में अक्षमता;

घ) ऑटिज्म, बौद्धिक अक्षमता, विशिष्ट सीखने की अक्षमता और मानसिक बीमारी;

च) खंड (क) से (घ) के अंतर्गत आने वाले व्यक्तियों में से प्रत्येक दिव्यांगता के लिए पहचाने गए पदों में बहरापन-अंधापन सहित बहु-दिव्यांगता.

नोट : उपरोक्त निर्दिष्ट दिव्यांगताओं की परिभाषा "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016" की अनुसूची के अनुसार होगी.

स्क्राइब का उपयोग करने वाले बेंचमार्क दिव्यांग व्यक्तियों के लिए दिशानिर्देश:

स्क्राइब का उपयोग करने की अनुमति भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन मामले विभाग, नई दिल्ली के कार्यालय ज्ञापन एफ. सं. 16-110/2003-डीडीIII दिनांक 26 फरवरी, 2013 और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी स्पष्टीकरण पत्र एफ. सं. 3/2/2013-कल्याण दिनांक 26.04.2013, भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के कार्यालय ज्ञापन एफ. सं. 34-02/2015-डीडी-III दिनांक 29.08.2018 और एफ. सं. 29-6/2019-डीडीIII दिनांक 10.08.2022 के अनुसार जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप दी जाएगी. ऐसे सभी मामलों में जहां एक स्क्राइब का उपयोग किया जाता है, निम्नलिखित नियम लागू होंगे:

- उम्मीदवार को अपने खर्च पर अपने स्क्राइब की व्यवस्था करनी होगी.
- कार्यालय ज्ञापन संख्या 29-6/2019- डीडी-III दिनांक 10.08.2022 के अनुसार स्क्राइब की सुविधा प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन परीक्षा के समय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की शर्त पर स्क्राइब की सुविधा दी जाएगी, जिसमें यह बताया जाएगा कि संबंधित व्यक्ति के पास लिखने की सीमा है और उसकी ओर से परीक्षा लिखने के लिए स्क्राइब की आवश्यकता है, जैसा कि परिशिष्ट I में संलग्न प्रोफॉर्मा के अनुसार सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थान के सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया है.
- सामान्य विषय के लिए स्क्राइब किसी भी शैक्षणिक स्ट्रीम से हो सकता है. विशेषज्ञ विषय के लिए स्क्राइब को संबंधित विशेषज्ञ स्ट्रीम से अलग शैक्षणिक स्ट्रीम से होना चाहिए.
- अभ्यर्थी और स्क्राइब दोनों को यह पुष्टि करते हुए एक उपयुक्त वचन देना होगा कि स्क्राइब ऊपर बताए गए स्क्राइब के लिए निर्धारित सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है. इसके अलावा, यदि बाद में यह पता चलता है कि उसने कोई निर्धारित पात्रता मानदंड पूरा नहीं किया है या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है, तो आवेदक की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी, चाहे परीक्षा का परिणाम कुछ भी रहा हो.
- **ऑनलाइन आवेदन के समय या परीक्षा के समय या किसी भी स्तर पर प्रस्तुत घोषणा पत्र में उम्मीदवार/ स्क्राइब के बारे में जानबूझकर गलत जानकारी देने पर उम्मीदवार और स्क्राइब को या तो स्थायी रूप से या कंपनी द्वारा तय की गई निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा.**
- जो अभ्यर्थी स्क्राइब का उपयोग करेंगे, उन्हें परीक्षा के प्रत्येक घंटे के लिए 20 मिनट का अतिरिक्त समय या अन्यथा सलाह दी जाएगी.
- **समय के महत्व को देखते हुए, चूंकि परीक्षा एक प्रतियोगी प्रकृति की है, अभ्यर्थी को कंपनी को पूरी तरह से संतुष्ट करना होगा कि उसे स्क्राइब की आवश्यकता है, क्योंकि उसके पास दिव्यांगता के कारण लिखने के लिए शारीरिक सीमाएं हैं, जिसमें गति भी शामिल है, जैसा कि बेंचमार्क/निर्दिष्ट दिव्यांगता वाले व्यक्तियों द्वारा स्क्राइब की सेवाओं का उपयोग करने के संबंध में दिशानिर्देशों में उल्लेख किया गया है.**
- इस प्रक्रिया के लिए स्क्राइब को उम्मीदवार नहीं होना चाहिए. यदि किसी भी चरण में यह पाया जाता है कि स्क्राइब ने किसी अन्य सत्र में भी इसी परीक्षा में भाग लिया है, तो स्क्राइब और उम्मीदवार दोनों की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.
- स्क्राइब नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का वर्तमान कर्मचारी नहीं होना चाहिए.
- जो अभ्यर्थी परीक्षा में स्क्राइब की सेवा लेना चाहते हैं और इसके लिए पात्र हैं, उन्हें ऑनलाइन आवेदन पत्र में इस बात का ध्यानपूर्वक उल्लेख करना चाहिए. इसके बाद किए गए किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.
- एक ही स्क्राइब का उपयोग एक से अधिक अभ्यर्थी नहीं कर सकते. अभ्यर्थी द्वारा नियुक्त स्क्राइब ऑनलाइन परीक्षा के लिए अभ्यर्थी नहीं होना चाहिए. यदि प्रक्रिया के किसी भी चरण में उपरोक्त उल्लंघन पाया जाता है, तो अभ्यर्थी और स्क्राइब दोनों की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.
- केवल प्रतिपूरक समय (ऑनलाइन पंजीकरण के समय) के लिए पंजीकृत उम्मीदवारों को ही ऐसी रियायतें दी जाएंगी क्योंकि उम्मीदवारों को दिया जाने वाला प्रतिपूरक समय सिस्टम आधारित होगा, यदि उम्मीदवार इसके लिए पंजीकृत नहीं है तो परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी के लिए ऐसा समय देना संभव नहीं होगा. प्रतिपूरक समय के लिए पंजीकृत नहीं होने वाले उम्मीदवारों को ऐसी रियायतें नहीं दी जाएंगी.
- परीक्षा के दौरान, किसी भी चरण में यदि यह पाया जाता है कि स्क्राइब स्वतंत्र रूप से प्रश्नों का उत्तर दे रहा है, तो परीक्षा सत्र समाप्त कर दिया जाएगा और उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. लेखक की सेवाओं का उपयोग करने वाले ऐसे उम्मीदवारों की उम्मीदवारी भी रद्द कर दी जाएगी यदि परीक्षा के बाद परीक्षा प्रशासक कर्मियों द्वारा यह रिपोर्ट की जाती है कि स्क्राइब ने स्वतंत्र रूप से प्रश्नों का उत्तर दिया है. **ऐसे मामलों में, उम्मीदवार और स्क्राइब को भविष्य की सभी प्रक्रियाओं से स्थायी रूप से या एक निर्दिष्ट अवधि के लिए प्रतिबंधित भी किया जा सकता है.**
- **कंपनी या परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी अभ्यर्थी/ स्क्राइब का ऑनलाइन आधार पर सत्यापन भी कर सकती है.**

दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए दिशानिर्देश:

I. दृष्टिबाधित अभ्यर्थी (श्रेणी क) :

- दृष्टिबाधित अभ्यर्थी (जो 40% से कम दिव्यांगता से पीड़ित नहीं हैं) परीक्षण की सामग्री को बड़े फ़ॉन्ट में देखने का विकल्प चुन सकते हैं और ऐसे सभी अभ्यर्थी प्रत्येक घंटे के लिए 20 मिनट के प्रतिपूरक समय या अन्यथा परीक्षा के लिए दी गई सलाह के अनुसार पात्र होंगे.
- दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को परीक्षा की विषय-वस्तु को आवर्धक फ़ॉन्ट में देखने की सुविधा उपलब्ध होगी.

II. चिन्हित बेंचमार्क दिव्यांगताओं (श्रेणी ग) के अभ्यर्थी :

- चिन्हित मानक दिव्यांगताओं की श्रेणी (ग) में आने वाले अभ्यर्थियों को प्रति घंटे बीस मिनट का प्रतिपूरक समय या अन्यथा सलाह दी जाएगी, जहां प्रमुख (लेखन) अंग कार्य निष्पादन को धीमा करने की सीमा तक प्रभावित होता है (न्यूनतम 40% हानि).

III. चिन्हित बेंचमार्क दिव्यांगताओं (श्रेणी घ) के अभ्यर्थी :

- परीक्षा के प्रति घंटे बीस मिनट का प्रतिपूरक समय, चाहे स्क्राइब की सेवाएं लेने पर हो या नहीं, उन अभ्यर्थियों को दिया जाएगा, जिनमें चिन्हित श्रेणी घ) बेंचमार्क दिव्यांगता (एसएलडी, एमआई) 40% से अधिक है.

IV. निर्दिष्ट दिव्यांगता वाले व्यक्ति जिनकी दिव्यांगता 40% से कम है और जिन्हें लिखने में कठिनाई होती है.

- पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों (जिनकी दिव्यांगता 40% या उससे अधिक है) पर लागू निर्देशों के अतिरिक्त, निम्नलिखित नियम उन निर्दिष्ट दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए लागू होंगे जो दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 2(एस) की परिभाषा के अंतर्गत आते हैं, परंतु उक्त अधिनियम की धारा 2(आर) की परिभाषा यानी 40% से कम दिव्यांगता वाले और लिखने में कठिनाई वाले व्यक्तिः के अंतर्गत नहीं आते हैं.
- लिखने में कठिनाई वाले व्यक्तियों को ही स्क्राइब और/या प्रतिपूरक समय की सुविधा प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि उन्हें परिशिष्ट-I में दिए गए प्रारूप के अनुसार किसी सरकारी स्वास्थ्य सेवा संस्थान के सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा जारी यह प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि संबंधित व्यक्ति को लिखने में कठिनाई होती है और उसकी ओर से परीक्षा लिखने के लिए स्क्राइब की आवश्यकता है.
- स्क्राइब की योग्यता परीक्षा देने वाले अभ्यर्थी की योग्यता से एक चरण नीचे होनी चाहिए. स्वयं स्क्राइब चुनने वाले व्यक्ति को परिशिष्ट-II में दिए गए प्रोफॉर्मा के अनुसार स्वयं स्क्राइब का विवरण प्रस्तुत करना चाहिए.

कोई भी अभ्यर्थी जो ऊपर बताए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार स्क्राइब का उपयोग करने के लिए पात्र नहीं है, लेकिन ऑनलाइन परीक्षा में स्क्राइब का उपयोग करता है, उसे भर्ती की प्रक्रिया में आगे भाग लेने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा. उपरोक्त दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करके स्क्राइब का उपयोग करने वाला कोई भी उम्मीदवार इस प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि वह पहले ही कंपनी में शामिल हो चुका है, तो उसे बिना किसी सूचना के सेवा से हटाया जा सकता है.

ये दिशानिर्देश समय-समय पर भारत सरकार के दिशानिर्देशों/स्पष्टीकरणों (यदि कोई हो) के अनुसार परिवर्तन के अधीन हैं.

घ. ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग): ऐसे व्यक्ति जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण की मौजूदा योजना के अंतर्गत नहीं आते हैं और जिनके परिवार की सकल वार्षिक आय 8.00 लाख रुपये (केवल आठ लाख रुपये) से कम है, उन्हें आरक्षण के लाभ के लिए ईडब्ल्यूएस के रूप में पहचाना जाना है. आय में सभी स्रोतों यानी वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशे आदि से होने वाली आय शामिल होगी और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय होगी. प्रमाण पत्र 31.03.2025 के बाद जारी किया जाना चाहिए. साथ ही ऐसे व्यक्ति जिनके परिवार के पास निम्नलिखित में से कोई भी संपत्ति है या स्वामित्व करते है, उन्हें परिवार की आय की परवाह किए बिना ईडब्ल्यूएस के रूप में पहचाने जाने से बाहर रखा जाएगा:

- 5 एकड़ या उससे अधिक कृषि भूमि;
- 1000 वर्ग फुट और उससे अधिक का आवासीय फ्लैट;
- अधिसूचित नगर पालिकाओं में 100 वर्ग गज और उससे अधिक का आवासीय प्लॉट;
- अधिसूचित नगर पालिकाओं के अलावा अन्य क्षेत्रों में 200 वर्ग गज और उससे अधिक का आवासीय भूखंड.

ईडब्ल्यूएस दर्जा निर्धारित करने के लिए भूमि या संपत्ति धारण का सत्यापन करते समय "परिवार" द्वारा विभिन्न स्थानों या विभिन्न स्थानों/शहरों में रखी गई संपत्ति को जोड़ा जाएगा. ईडब्ल्यूएस के तहत आरक्षण का लाभ सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी आय और संपत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर प्राप्त किया जा सकता है. भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में अधिसूचित किसी भी प्राधिकरण द्वारा जारी आय और संपत्ति प्रमाण पत्र को केवल ईडब्ल्यूएस से संबंधित होने के उम्मीदवार के दावे के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा. साक्षात्कार के लिए चुने गए उम्मीदवारों को साक्षात्कार की प्रक्रिया में उपस्थित होने के समय और कंपनी द्वारा अपेक्षित भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट अपेक्षित प्रमाण पत्र लाना आवश्यक होगा, ऐसा न करने पर उन्हें साक्षात्कार में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी/उनकी उम्मीदवारी किसी भी चरण में अस्वीकार की जा सकती है. इस उद्देश्य के लिए "परिवार" शब्द में आरक्षण का लाभ चाहने वाला व्यक्ति, उसके माता-पिता और 18 वर्ष से कम आयु के भाई-बहन और साथ ही उसके पति/पत्नी और 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे शामिल होंगे. इस संबंध में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन किया जाएगा.

अस्वीकरण : ईडब्ल्यूएस रिक्तियां अस्थायी हैं और भारत सरकार के आगे के निर्देशों और किसी भी मुकदमे के परिणाम के अधीन हैं. ये दिशानिर्देश समय-समय पर भारत सरकार के दिशानिर्देशों/स्पष्टीकरणों, यदि कोई हो, के संदर्भ में परिवर्तन के अधीन हैं.

8. चयन प्रक्रियाः

भाग क - ऑनलाइन परीक्षाः लिखित परीक्षा दो चरणों में आयोजित की जाएगी.

चरण - I: प्रारंभिक परीक्षा ऑनलाइन, चरण - II: मुख्य परीक्षा ऑनलाइन

चरण- I: प्रारंभिक परीक्षा (सभी विषयों के लिए लागू)

प्रारंभिक परीक्षा जिसमें 100 अंकों के लिए वस्तुनिष्ठ परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न) शामिल होंगे, ऑनलाइन आयोजित की जायेंगी (सभी विषयों के लिए लागू). यह परीक्षा 60 मिनट की अवधि की होगी जिसमें निम्नानुसार 3 खंड होंगे (प्रत्येक खंड के लिए अलग-अलग समय के साथ):

क्रम सं.	परीक्षा/खण्ड का नाम (क्रम में नहीं)	परीक्षा की प्रकृति	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	प्रत्येक परीक्षा/ खण्ड की अवधि (पृथक समय)	परीक्षा का माध्यम
1	अंग्रेजी भाषा	वस्तुनिष्ठ	30	30	20 मिनट	अंग्रेजी
2	तर्क क्षमता	वस्तुनिष्ठ	35	35	20 मिनट	अंग्रेजी/ हिंदी
3	मात्रात्मक अभिरुचि	वस्तुनिष्ठ	35	35	20 मिनट	अंग्रेजी/ हिंदी
	कुल (जोड़)		100	100		

उम्मीदवारों को कंपनी द्वारा तय किए जाने वाले उत्तीर्ण अंकों के साथ प्रत्येक परीक्षा/खंड में उत्तीर्ण होना होगा. कंपनी द्वारा तयें किए गए प्रत्येक श्रेणी में पर्याप्त संख्या में उम्मीदवारों (उपलब्धता के अधीन रिक्तियों की संख्या का लगभग 15 गुना) को मुख्य परीक्षा के लिए चुना जाएगा.

चरण-II: मुख्य परीक्षा : मुख्य परीक्षा में 250 अंकों के लिए वस्तुनिष्ठ परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न) और 30 अंकों के लिए वर्णनात्मक परीक्षा शामिल होगी. वस्तुनिष्ठ और वर्णनात्मक दोनों परीक्षाएं ऑनलाइन होंगी. उम्मीदवारों को कंप्यूटर पर टाइप करके वर्णनात्मक परीक्षा का उत्तर देना होगा. वस्तुनिष्ठ परीक्षा पूरी होने के तुरंत बाद, वर्णनात्मक परीक्षा आयोजित की जाएगी.

(i) वस्तुनिष्ठ परीक्षाः 3 घंटे की अवधि की वस्तुनिष्ठ परीक्षा में सामान्यज्ञों और विशेषज्ञों के लिए क्रमशः पांच और छह खंड होते हैं, जिनके कुल अंक 250 होते हैं:

सामान्य के लिए:

क्रम सं.	परीक्षा/खंड का नाम (क्रम में नहीं)	परीक्षा की प्रकृति	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	परीक्षा का माध्यम	प्रत्येक परीक्षा/ खण्ड की अवधि (पृथक समय)
1	तर्क परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	50	अंग्रेजी/हिंदी	40 मिनट
2	अंग्रेजी भाषा परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	50	अंग्रेजी	40 मिनट
3.	सामान्य जागरूकता परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	50	अंग्रेजी/हिंदी	30 मिनट
4.	कंप्यूटर ज्ञान परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	50	अंग्रेजी/हिंदी	30 मिनट
	मात्रात्मक योग्यता परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	50	अंग्रेजी/हिंदी	40 मिनट
	कुल (जोड़)		250	250		

विशेषज्ञों के लिए:

क्रम सं.	परीक्षा/खंड का नाम (क्रम में नहीं)	परीक्षा की प्रकृति	प्रश्नों की संख्या	अधिकतम अंक	परीक्षा का माध्यम	प्रत्येक परीक्षा/खण्ड की अवधि (पृथक समय)
1.	तर्क परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	40	40	अंग्रेजी/ हिंदी	35 मिनट
2.	अंग्रेजी भाषा परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	40	40	अंग्रेजी	30 मिनट
3.	सामान्य जागरूकता परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	40	40	अंग्रेजी/ हिंदी	20 मिनट
4.	कंप्यूटर ज्ञान परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	40	40	अंग्रेजी/ हिंदी	25 मिनट
5.	मात्रात्मक योग्यता परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	40	40	अंग्रेजी/ हिंदी	35 मिनट
6.	विशेषज्ञ स्ट्रीम में, प्रासंगिक अनुशासन में तकनीकी और व्यावसायिक ज्ञान का आकलन करने के लिए एक अतिरिक्त परीक्षा	वस्तुनिष्ठ	50	40	अंग्रेजी/ हिंदी	35 मिनट
	कुल (जोड़)		250	250		

(ii) वर्णनात्मक परीक्षा : 30 मिनट की अवधि वाली वर्णनात्मक परीक्षा 30 अंकों की होगी, जिसमें अंग्रेजी भाषा की परीक्षा (निबंध - 10 अंक, सार लेखन - 10 और समझ ज्ञान - 10 अंक). वर्णनात्मक परीक्षा अंग्रेजी में होगी और ऑनलाइन विधि से आयोजित की जायेगी.

उम्मीदवारों को वर्णनात्मक परीक्षा मूल्यांकन के लिए शॉर्ट लिस्टिंग हेतु वस्तुनिष्ठ परीक्षा के प्रत्येक खंड के लिए अलग से न्यूनतम अंक प्राप्त करने की आवश्यकता होगी, अर्थात, वर्णनात्मक उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन केवल उन उम्मीदवारों के संबंध में किया जाएगा जो वस्तुनिष्ठ परीक्षा में उत्तीर्ण होंगे. रिक्तियों की संख्या के आधार पर, वर्णनात्मक पत्रों के मूल्यांकन के लिए कट ऑफ तय किए जाएंगे, अर्थात, वर्णनात्मक परीक्षा के लिए भी अलग से कट-ऑफ अंक होंगे. वर्णनात्मक परीक्षा प्रकृति में अर्हक होगी और वर्णनात्मक परीक्षा में प्राप्त अंकों को साक्षात्कार या अंतिम चयन के लिए शॉर्ट लिस्टिंग में नहीं गिना जाएगा.

प्रत्येक अभ्यर्थी को वस्तुनिष्ठ परीक्षा (मुख्य परीक्षा) में न्यूनतम कुल अंक (रिक्तियों की संख्या के अनुसार कंपनी द्वारा तय किया जाएगा) प्राप्त करने होंगे तथा साक्षात्कार के लिए चयन हेतु वर्णनात्मक परीक्षा में अर्हता प्राप्त करनी होगी.

गलत उत्तर के लिए दंड (प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ परीक्षण) दोनों पर लागू):

"अंग्रेजी भाषा" को छोड़कर वस्तुनिष्ठ परीक्षा द्विभाषी (अंग्रेजी और हिंदी में) होगी. सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे, जिनमें वैकल्पिक उत्तर होंगे, जिनमें से एक सही उत्तर होगा. उम्मीदवार को सही उत्तर चुनना होगा और उस विकल्प पर "माउस क्लिक" करना होगा जो उसे सही लगे. वस्तुनिष्ठ परीक्षा में गलत उत्तरों के लिए जुर्माना लगाया जाएगा. प्रत्येक प्रश्न जिसके लिए उम्मीदवार द्वारा गलत उत्तर दिया गया है, उस प्रश्न के लिए निर्धारित अंकों में से एक-चौथाई अंक दंड के रूप में काट लिए जाएंगे ताकि सही अंक प्राप्त किए जा सकें. यदि कोई प्रश्न खाली छोड़ दिया जाता है, यानी उम्मीदवार द्वारा कोई उत्तर चिह्नित नहीं किया जाता है; उस प्रश्न के लिए कोई जुर्माना नहीं लगाया जाएगा. जिस विकल्प/उत्तर पर क्लिक किया जाएगा, उसे हाइलाइट किया जाएगा और उसे उस प्रश्न का उत्तर माना जाएगा. कंपनी परीक्षा की संरचना को संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है, जिसकी सूचना इसकी वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी.

उपरोक्त मूल्यांकन के बाद मुख्य परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना जाएगा. वर्णनात्मक अंग्रेजी परीक्षा केवल ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी. प्रश्न कंप्यूटर की स्क्रीन पर प्रदर्शित किए जाएंगे. उत्तर कीबोर्ड का उपयोग करके टाइप किए जाने हैं. वर्णनात्मक पेपर में प्रश्नों के उत्तर टाइप करने से पहले कृपया कीबोर्ड के सभी प्रमुख कार्यों की जाँच करें. उम्मीदवारों को प्रश्नों के उत्तर देने के लिए 30 मिनट का समय मिलेगा. उम्मीदवारों को अपने खर्च पर ऑनलाइन परीक्षा देनी होगी.

कंपनी परीक्षा की संरचना को संशोधित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है, जिसकी सूचना इसकी वेबसाइट के माध्यम से दी जाएगी. चयन ऑनलाइन टेस्ट और साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर होगा. अंतिम मैरिट सूची उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त समेकित अंकों के अवरोही क्रम में तैयार की जाएगी. मैरिट सूची में रिक्तियों की संख्या के भीतर आने वाले उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा. चयनित उम्मीदवारों को प्रबंधन के विवेक के अनुसार एक से अधिक बैच में नियुक्त किया जा सकता है. चयनित उम्मीदवारों की वरिष्ठता मैरिट / चयन सूची के अनुसार होगी. रिक्तियों की संख्या के 50% से अधिक उम्मीदवारों की प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जा सकती है और अंतिम मैरिट सूची में चयनित उम्मीदवारों द्वारा रोजगार की पेशकश को अस्वीकार करने की स्थिति में इसका उपयोग किया जा सकता है. प्रतीक्षा सूची से उम्मीदवारों का चयन करने का निर्णय पूरी तरह से प्रबंधन के विवेक पर है.

कृपया ध्यान दें कि उम्मीदवारों को निम्नलिखित दस्तावेजों के बिना ऑनलाइन परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी (सभी दस्तावेज अनिवार्य हैं):

(1) परीक्षा की संबंधित तिथि और सत्र के लिए वैध कॉल लेटर

(2) फोटो-पहचान प्रमाण (जैसा कि नीचे निर्दिष्ट है) मूल रूप में जिसमें कॉल लेटर/आवेदन पत्र पर दिखाई देने वाले नाम और अन्य जानकारी बिल्कुल वैसी ही हो**

(3) उपरोक्त फोटो-पहचान प्रमाण की फोटोकॉपी

(4) ई-आधार कार्ड

**** पहचान सत्यापन**

परीक्षा हॉल में और साक्षात्कार के समय, अभ्यर्थी को अपने वर्तमान में मान्य फोटो पहचान पत्र जैसे कि पैन कार्ड/पासपोर्ट/ड्राइविंग लाइसेंस/मतदाता कार्ड/फोटो युक्त बैंक पासबुक/राजपत्रित अधिकारी द्वारा आधिकारिक लेटरहेड पर जारी फोटो पहचान प्रमाण/जनप्रतिनिधि द्वारा आधिकारिक लेटरहेड पर जारी फोटो पहचान प्रमाण/मान्यताप्राप्त महाविद्यालय/विश्वविद्यालय द्वारा जारी वैध नवीनतम पहचान पत्र/फोटो युक्त आधार कार्ड/कर्मचारी आईडी/फोटो युक्त बार काउंसिल पहचान पत्र की मूल प्रति तथा एक फोटोकॉपी के साथ बुलावा पत्र निरीक्षक को प्रस्तुत करना चाहिए और सत्यापन के लिए

मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी. अभ्यर्थी की पहचान बुलावा पत्र, उपस्थिति सूची और प्रस्तुत किए गए अपेक्षित दस्तावेजों में दिए गए विवरण के आधार पर सत्यापित की जाएगी. यदि अभ्यर्थी की पहचान संदिग्ध है तो अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जा सकती है.

इस प्रक्रिया के लिए राशन कार्ड और लर्नर्स ड्राइविंग लाइसेंस मान्य पहचान प्रमाण नहीं हैं.

नोटः उम्मीदवारों को परीक्षा और साक्षात्कार में शामिल होने के दौरान फोटो पहचान प्रमाण की मूल प्रति प्रस्तुत करनी होगी और उसकी फोटोकॉपी परीक्षा कॉल लेटर और साक्षात्कार कॉल लेटर के साथ जमा करनी होगी, जिसके बिना उन्हें परीक्षा और साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि कॉल लेटर (पंजीकरण की प्रक्रिया के दौरान प्रदान किया गया) पर दिखाई देने वाला नाम फोटो पहचान प्रमाण पर दिखाई देने वाले नाम से बिल्कुल मेल खाना चाहिए. जिन महिला उम्मीदवारों ने शादी के बाद पहला/अंतिम/मध्य नाम बदला है, उन्हें इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए. यदि कॉल लेटर और फोटो पहचान प्रमाण में दर्शाए गए नाम में कोई विसंगति है, तो उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी. परीक्षा के लिए कॉल लेटर पर निर्दिष्ट रिपोर्टिंग समय के बाद यानी देर से रिपोर्ट करने वाले उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कॉल लेटर पर उल्लिखित रिपोर्टिंग समय परीक्षा शुरू होने के समय से पहले का है. यद्यपि परीक्षा की अवधि चरण-I के लिए 60 मिनट तथा चरण-II के लिए 210 मिनट है, फिर भी अभ्यर्थियों को विभिन्न औपचारिकताओं, जैसे कि विभिन्न अपेक्षित डेटा/दस्तावेजों का सत्यापन और संग्रहण, लॉग-इन, निर्देश देना आदि को पूरा करने के लिए परीक्षा स्थल पर अधिक समय तक रहना पड़ सकता है.

बायोमेट्रिक डेटा – कैप्चरिंग और सत्यापन

प्रारंभिक परीक्षा (चरण-I) में उत्तीर्ण होने वाले और मुख्य परीक्षा (चरण II) में बैठने वाले उम्मीदवारों के लिए मुख्य परीक्षा (चरण II) के दिन उम्मीदवारों का बायोमेट्रिक डेटा (अंगूठे का निशान) और फोटोग्राफ लेने का निर्णय लिया गया है.

बायोमेट्रिक डेटा और फोटोग्राफ का सत्यापन बाद में किया जाएगा. बायोमेट्रिक डेटा सत्यापन पर प्राधिकरण का निर्णय इसकी स्थिति (मिलान या बेमेल) के संबंध में अंतिम और उम्मीदवारों पर बाध्यकारी होगा. उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित बिंदुओं का ध्यान रखें:

- यदि अंगुलियों पर कोई परत लगी हो (मुद्रित स्याही / मेहंदी / रंग आदि), तो उन्हें अच्छी तरह से धोना सुनिश्चित करें ताकि परीक्षा / साक्षात्कार / जॉइनिंग डे से पहले कोटिंग पूरी तरह से हट जाए.
- यदि अंगुलियां गंदी या धूल भरी हों, तो फिंगरप्रिंट (बायोमेट्रिक) लेने से पहले उन्हें धोना और सुखाना सुनिश्चित करें.
- सुनिश्चित करें कि दोनों हाथों की अंगुलियाँ सूखी हों. यदि अंगुलियाँ नम हैं, तो उन्हें सुखाने के लिए प्रत्येक उंगली को पोंछें.
- यदि कैप्चर की जाने वाली प्राथमिक उंगली (अंगूठा) घायल/क्षतिग्रस्त है, तो तुरंत परीक्षा केंद्र में संबंधित अधिकारी को सूचित करें. ऐसे मामलों में अन्य अंगुलियों, पैर की उंगलियों आदि के निशान लिए जा सकते हैं.

भाग ख – साक्षात्कारः

ऑनलाइन चरण-II (मुख्य परीक्षा) के आधार पर चुने गए सामान्य और विशेषज्ञ पद के उम्मीदवारों को बाद में कंपनी द्वारा आयोजित साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा. साक्षात्कार चयनित केंद्रों पर आयोजित किया जाएगा. साक्षात्कार के लिए केंद्र, स्थान का पता, समय और तिथि की जानकारी शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को कॉल लेटर में दी जाएगी. उम्मीदवारों को कंपनी की वेबसाइट से अपने साक्षात्कार के कॉल लेटर डाउनलोड करने होंगे. कृपया ध्यान दें कि साक्षात्कार की तिथि, केंद्र आदि में परिवर्तन के संबंध में किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा. हालाँकि, कंपनी अपने विवेक पर, अप्रत्याशित परिस्थितियों में, यदि कोई हो, साक्षात्कार की तिथि/स्थान/समय/केंद्र आदि को बदलने या किसी विशेष तिथि/सत्र/स्थान/केंद्र/उम्मीदवारों के समूह के लिए पूरक प्रक्रिया आयोजित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

साक्षात्कार के समय प्रस्तुत किए जाने वाले दस्तावेजों की सूची (जैसा लागू हो):

उम्मीदवार की योग्यता और पहचान के समर्थन में निम्नलिखित मूल दस्तावेज और स्व-सत्यापित फोटोकॉपी साक्षात्कार के समय अनिवार्य रूप से प्रस्तुत किए जाने चाहिए, अन्यथा उम्मीदवार को साक्षात्कार में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. साक्षात्कार के समय उम्मीदवार द्वारा अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर उसे भर्ती प्रक्रिया में आगे भाग लेने से वंचित कर दिया जाएगा.

i) वैध साक्षात्कार कॉल लेटर का प्रिंटआउट.

ii) ऑनलाइन आवेदन पत्र का वैध सिस्टम जनरेटेड प्रिंटआउट

iii) जन्म तिथि का प्रमाण (सक्षम नगर पालिका अधिकारियों द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र या जन्म तिथि के साथ एसएसएलसी/कक्षा दसवीं का प्रमाण पत्र).

iv) विज्ञापन के **पहचान सत्यापन में दर्शाए अनुसार फोटो पहचान प्रमाण.

v) कक्षा दसवीं, बारहवीं और स्नातक या समकक्ष योग्यता आदि के लिए अंक-पत्र और प्रमाण पत्र. 01.05.2025 को या उससे पहले परिणाम की घोषणा के लिए बोर्ड/विश्वविद्यालय से उचित दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा.

vi) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के उम्मीदवारों के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र, जाति वैधता प्रमाण पत्र के साथ.

अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में, प्रमाण पत्र में विशेष रूप से यह खंड होना चाहिए कि उम्मीदवार भारत सरकार के तहत सिविल पदों और सेवाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण के लाभों से बाहर रखे गए क्रीमी लेयर वर्ग से संबंधित नहीं है. गैर-क्रीमी लेयर खंड युक्त ओबीसी जाति प्रमाण पत्र ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि के अनुसार वैध होना चाहिए जैसा कि बिंदु संख्या 13(बी) में दिया गया है. प्रमाण पत्र में उल्लिखित जाति का नाम केंद्र सरकार की सूची/अधिसूचना के साथ अक्षरशः मेल खाना चाहिए.

अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से संबंधित उम्मीदवार लेकिन जो क्रीमी लेयर के अंतर्गत आते हैं और/या यदि उनकी जाति केंद्रीय सूची में नहीं आती है तो वे ओबीसी आरक्षण के हकदार नहीं हैं. उन्हें अपनी श्रेणी को सामान्य के रूप में इंगित करना चाहिए.

vii) बेंचमार्क दिव्यांगता श्रेणी वाले व्यक्तियों के मामले में जिला चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी निर्धारित प्रारूप में दिव्यांगता प्रमाण पत्र. यदि अभ्यर्थी ने ऑनलाइन परीक्षा के समय किसी स्क्राइब की सेवाएं ली हैं, तो हमारी वेबसाइट पर उपलब्ध निर्धारित प्रारूप में स्क्राइब का विधिवत भरा हुआ विवरण प्रस्तुत करें.

viii) भूतपूर्व सैनिक अभ्यर्थी को साक्षात्कार के समय सेवा या सेवामुक्ति पुस्तिका की प्रति, पेंशन भुगतान आदेश तथा अंतिम/वर्तमान पद (मूलभूत तथा कार्यकारी) का दस्तावेजी प्रमाण प्रस्तुत करना होगा. जो अभ्यर्थी अभी भी रक्षा सेवा में हैं, उन्हें सक्षम प्राधिकारी से प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वे 31.10.2025 को या उससे पहले रक्षा सेवा से मुक्त हो जाएंगे.

ix) सरकारी/अर्ध-सरकारी कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (राष्ट्रीयकृत बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों सहित) में सेवारत अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय अपने नियोक्ता से "अनापत्ति प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा, जिसके अभाव में उनकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा तथा यात्रा व्यय, यदि कोई हो, अन्यथा कि स्वीकार्य हो, का भुगतान नहीं किया जाएगा.

x) अनुभव प्रमाण-पत्र, यदि कोई हो.

xi) राष्ट्रीयता मानदंड की श्रेणी (क), (ख), (घ) और (ङ) में आने वाले व्यक्तियों को भारत सरकार द्वारा जारी पात्रता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा.

xii) पात्रता के समर्थन में कोई अन्य प्रासंगिक दस्तावेज

नोटः यदि अभ्यर्थी उपरोक्त वर्णित प्रासंगिक पात्रता दस्तावेज प्रस्तुत करने में असफल रहता है तो उसे साक्षात्कार में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी.

अंतिम चयनः

उम्मीदवारों के संयुक्त अंतिम अंक ऑनलाइन मुख्य परीक्षा (वस्तुनिष्ठ परीक्षण) और साक्षात्कार में उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर निकाले जाएंगे. ऑनलाइन मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार का अधिमान (अनुपात) क्रमशः 80:20 होगा. उम्मीदवारों को साक्षात्कार में न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे, जिसका निर्णय कंपनी द्वारा नियत समय पर किया जाएगा. न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने में विफल रहने वाले या साक्षात्कार या आगे की प्रक्रिया से वंचित उम्मीदवारों के अंकों का खुलासा नहीं किया जा सकता है. अंतिम मेरिट सूची उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त समेकित अंकों के अवरोही क्रम में तैयार की जाएगी. उम्मीदवार को बाद की भर्ती प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने के लिए मेरिट में पर्याप्त रूप से उच्च स्थान पर होना चाहिए, जिसका विवरण बाद में कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा. यदि दो या अधिक उम्मीदवारों ने समान समेकित अंक प्राप्त किए हैं, तो अंतिम मेरिट निम्नलिखित क्रम में तय की जाती है: क) साक्षात्कार में प्राप्त अंक (साक्षात्कार में अधिक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को कम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार से पहले/ऊपर रखा जाएगा). यदि साक्षात्कार के अंक समान हैं, तो ख) जन्म तिथि (आयु में वरिष्ठ उम्मीदवार को आयु में कनिष्ठ उम्मीदवार से पहले/ऊपर रखा जाता है). चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति कंपनी की अपेक्षानुसार उनके चिकित्सकीय रूप से योग्य पाए जाने के अधीन है. ऐसी नियुक्ति कंपनी के सेवा एवं आचरण नियमों के अधीन भी होगी.

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पहले स्वयं को संतुष्ट कर लें कि वे आयु और योग्यता के संबंध में आवश्यकता को पूरा करते हैं **(योग्यता के लिए अंतिम परिणाम 01.05.2025 को या उससे पहले** प्रकाशित होना चाहिए और यदि अयोग्य पाया जाता है, तो उनकी उम्मीदवारी भर्ती प्रक्रिया के किसी भी चरण में रद्द कर दी जाएगी. ऑनलाइन मुख्य / परीक्षा और साक्षात्कार में उपस्थित होने से उक्त पद के लिए चुने जाने का कोई अधिकार स्वतः नहीं मिल जाएगा.

9. आवेदन शुल्क (गैर-वापसी योग्य) :

12-06-2025 से 03-07-2025 तक ऑनलाइन देय (दोनों तिथियां शामिल)

अजा/अजजा/पीडब्ल्यूबीडी	**रु. 250/- (जीएसटी सहित) (केवल सूचना प्रभार)**
अजा/अजजा/पीडब्ल्यूबीडी के अलावा अन्य सभी उम्मीदवार	**रु. 1000/- (जीएसटी सहित) (सूचना प्रभार सहित आवेदन शुल्क)**

*यदि लागू हो तो लेन-देन शुल्क उम्मीदवार द्वारा वहन किया जाएगा.

भुगतान किए गए शुल्क/सूचना शुल्क किसी भी कारण से वापस नहीं किए जाएंगे और न ही इसे किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकता है.

10. (क) परीक्षा केंद्रः

- परीक्षा संबंधित कॉल लेटर में दिए गए स्थानों पर ऑनलाइन आयोजित की जाएगी.
- परीक्षा के लिए केंद्र/स्थल/तिथि/सत्र में परिवर्तन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा.
- हालांकि, कंपनी अपने विवेकानुसार किसी भी परीक्षा केंद्र को रद्द करने और/या कुछ अन्य केंद्रों को जोड़ने का अधिकार सुरक्षित रखती है, जो प्रतिक्रिया, प्रशासनिक व्यवहार्यता आदि पर निर्भर करता है.
- कंपनी उम्मीदवार को उसके द्वारा चुने गए केंद्र के अलावा किसी अन्य केंद्र पर आवंटित करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है.
- उम्मीदवार अपने जोखिम और खर्च पर परीक्षा केंद्र पर परीक्षा के लिए उपस्थित होगा और कंपनी किसी भी प्रकार की चोट या नुकसान आदि के लिए जिम्मेदार नहीं होगी.
- प्रारंभिक परीक्षा (चरण-1) के लिए केंद्रों की अनंतिम सूची नीचे दी गई है:

चरण-I (अनंतिम) के लिए परीक्षा केंद्रः

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	केंद्र
1.	आंध्र प्रदेश	विजयवाड़ा
		विशाखापत्तनम
		ओंगोल
2.	असम	गुवाहाटी
		डिब्रूगढ़
		सिल्चर
		जोरहाट
3.	अरुणाचल प्रदेश	नाहरलागुन
4.	बिहार	पटना
		गया
		भागलपुर
5.	चंडीगढ़	चंडीगढ़/मोहाली
6.	छत्तीसगढ़	रायपुर
		बिलासपुर
7.	दिल्ली-रा.रा.क्षे.	दिल्ली-रा.रा.क्षे.
8.	गोवा	पणजी
9.	गुजरात/दादरा और नगर हवेली/दमन एवं दीव	अहमदाबाद/गांधी नगर
		वड़ोदरा
		सूरत
		राजकोट
10.	हरियाणा	हिसार
		फरीदाबाद
		गुड़गांव
11.	हिमाचल प्रदेश	शिमला
		मंडी
12.	जम्मू और कश्मीर/लद्दाख	श्रीनगर
		जम्मू
		लेह
13.	झारखंड	रांची
		जमशेदपुर
14.	कर्नाटक	बेंगलुरु
		हुबली/धारवाड़
		मेंगलौर
		मैसूर
15.	केरल	एर्नाकुलम/कोच्चि
		तिरुवनंतपुरम
		कोझिकोड़
16.	मध्य प्रदेश	भोपाल
		इंदौर
		ग्वालियर
		जबलपुर
17.	महाराष्ट्र	मुंबई/नवी मुंबई/ठाणे/एमएमआर
		नागपुर

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	केंद्र
		पुणे
		छत्रपति संभाजी नगर
		नासिक
18.	मणिपुर	इम्फाल
19.	मेघालय	शिलांग
20.	मिजोरम	आइजोल
21.	नगालैंड	कोहिमा
		दीमापुर
22.	ओडिशा	भुवनेश्वर
		कटक
		राउरकेला
		बरहामपुर
23.	पुदुच्चेरी	पुदुच्चेरी
24.	पंजाब	अमृतसर
		लुधियाना
		बठिंडा
25.	राजस्थान	जयपुर
		जोधपुर
		बीकानेर
26.	सिक्किम	गंगटोक
27.	तमिलनाडु	चेन्नई
		कोयंबटूर
		मदुरै
28.	तेलंगाना	हैदराबाद/रंगारेड्डी
		वारंगल
29.	त्रिपुरा	अगरतला
30.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
		इलाहाबाद
		कानपुर
		नोएडा/ग्रेटर नोएडा
31.	उत्तराखंड	देहरादून
		हरिद्वार
		हल्द्वानी
32.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता/ग्रेटर कोलकाता
		सिलीगुड़ी
		आसनसोल
33.	अंडमान तथा निकोबार	पोर्ट ब्लेयर

चरण-II (अनंतिम) के लिए परीक्षा केंद्र:

क्रम सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	केंद्र
1.	आंध्र प्रदेश/तेलंगाना	हैदराबाद
2.	असम	गुवाहाटी
3.	बिहार	पटना
4.	चंडीगढ़	चंडीगढ़/मोहाली
5.	छत्तीसगढ़	रायपुर
6.	दिल्ली- एनसीआर	दिल्ली-एनसीआर
7.	गुजरात	अहमदाबाद-गांधीनगर
8.	हिमाचल प्रदेश	शिमला
9.	जम्मू और कश्मीर	जम्मू
10.	झारखंड	रांची
11.	कर्नाटक	बेंगलुरु
12.	केरल	एर्नाकुलम/कोच्चि
13.	महाराष्ट्र	मुंबई/नवी मुंबई/ठाणे/एमएमआर
14.	मध्य प्रदेश	भोपाल
15.	ओडिशा	भुवनेश्वर
16.	राजस्थान	जयपुर
17.	तमिलनाडु	चेन्नई
18.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ
19.	उत्तराखंड	देहरादून
20.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता/ग्रेटर कोलकाता

टिप्पणी: उपर्युक्त परीक्षा केंद्र अनंतिम हैं, कंपनी आवश्यकतानुसार किसी भी केंद्र को जोड़ने या हटाने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

चरण-II के लिए परीक्षा के लिए केंद्र सीमित होंगे. परीक्षा केंद्र और तिथियों को कंपनी के विवेकानुसार बदला जा सकता है. किसी भी केंद्र पर परीक्षा रद्द होने की स्थिति में, कंपनी अपने विवेकानुसार संबंधित उम्मीदवारों को वैकल्पिक केंद्र आवंटित कर सकती है. चरण-I और चरण-II परीक्षाओं के लिए अलग-अलग कॉल लेटर जारी किए जाएंगे और उम्मीदवारों को कंपनी की वेबसाइट यानी **https://nationalinsurance.nic.co.in/** पर दिए गए लिंक से उचित समय पर डाउनलोड करना चाहिए. बिना कॉल लेटर के उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा.

नोटः यदि पर्याप्त संख्या में अभ्यर्थी "ऑनलाइन" परीक्षा के लिए किसी विशेष केंद्र का चयन नहीं करते हैं, तो कंपनी उन अभ्यर्थियों को कोई अन्य सहायक केंद्र आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है या यदि अभ्यर्थियों की संख्या किसी केंद्र के लिए ऑनलाइन परीक्षा के लिए उपलब्ध क्षमता से अधिक है, तो कंपनी अभ्यर्थी को कोई अन्य केंद्र आवंटित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.

10 (ख) परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण (गैर-आवासीय): अजा/अजजा/अपिव/ (गैर-आवासीय)/पीडब्ल्यूबीडी अभ्यर्थी जो परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण का लाभ उठाना चाहते हैं, वे ऑनलाइन आवेदन करते समय इसका संकेत दे सकते हैं. अभ्यर्थियों को विवरण के लिए नियमित रूप से वेबसाइट **https://nationalinsurance.nic.co.in/** पर भर्ती अनुभाग का संदर्भ लेना आवश्यक है. जिन अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण का विकल्प चुना है, उन्हें पंजीकृत ई-मेल/मोबाइल के माध्यम से प्रशिक्षण की तिथि और स्थान के बारे में भी सूचित किया जाएगा.

कृपया ध्यान दें कि केवल परीक्षा-पूर्व प्रशिक्षण में भाग लेने से कोई भी उम्मीदवार कंपनी में नौकरी पाने का अधिकार प्राप्त नहीं कर लेता. उम्मीदवारों को अपने खर्च पर भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण में भाग लेना होगा.

11. आवेदन कैसे करें :

विस्तृत दिशा-निर्देश/प्रक्रियाएं: **क.** आवेदन पंजीकरण, **ख.** शुल्क का भुगतान, **ग.** दस्तावेज स्कैन और अपलोड उम्मीदवार केवल **12-06-2025 से 03-07-2025** (दोनों दिन सम्मिलित) तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और आवेदन का कोई अन्य तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा.

पंजीकरण से पहले ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

ऑनलाइन आवेदन करने से पहले, उम्मीदवारों को चाहिए कि वे-

(I) अपना निम्न लिखित स्कैन करें :

- फोटोग्राफ (4.5 सेमी × 3.5 सेमी)
- हस्ताक्षर (काली स्याही से)
- बाएं अंगूठे का निशान (काली या नीली स्याही से सफेद कागज पर) (यदि किसी उम्मीदवार के बाएं हाथ का अंगूठा नहीं है, तो वह अपने दाहिने अंगूठे का उपयोग कर सकता है. यदि दोनों अंगूठे गायब हैं, तो तर्जनी से शुरू करते हुए बाएं हाथ की उंगलियों में से एक का निशान लिया जाना चाहिए. यदि बाएं हाथ पर कोई उंगलियां नहीं हैं, तो तर्जनी से शुरू करते हुए दाहिने हाथ की उंगलियों में से किसी एक का निशान लिया जाना चाहिए. यदि कोई उंगलियां उपलब्ध नहीं हैं, तो बाएं पैर के अंगूठे का निशान लिया जा सकता है. ऐसे सभी मामलों में जहां बाएं अंगूठे का निशान अपलोड नहीं किया गया है, उम्मीदवार को अपलोड किए गए दस्तावेज में उंगली का नाम और बाएं / दाएं हाथ या पैर के अंगूठे का विवरण निर्दिष्ट करना चाहिए).
- हस्तलिखित घोषणा (काली स्याही से सफेद कागज पर) (नीचे दिया गया पाठ) (हस्तलिखित घोषणा उम्मीदवार की स्वयं की लिखावट में और केवल अंग्रेजी में होनी चाहिए. यदि यह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लिखी गई है और अपलोड की गई है या किसी अन्य भाषा में है, तो आवेदन को अमान्य माना जाएगा. (उन उम्मीदवारों के मामले में जो लिख नहीं सकते, वे घोषणा का पाठ टाइप करवा सकते हैं और टाइप की गई घोषणा के नीचे अपने बाएं हाथ के अंगूठे का निशान (यदि हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं हैं) लगा सकते हैं और विनिर्देशों के अनुसार दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं.

यह सुनिश्चित करते हुए कि ये सभी स्कैन किए गए दस्तावेज खंड में आगे दी गई विशिष्टताएं पूरी करना अपेक्षित है.

(ii) कैपिटल लैटर्स में हस्ताक्षर स्वीकार्य नहीं होंगे.

(iii) बाएं हाथ के निशान को सही प्रकार से स्कैन किया जाना चाहिए तथा धुंधला नहीं होना चाहिए.

(iv) हस्तलिखित घोषणा का पाठ निम्नानुसार होना चाहिए:-

"मैं.........................(अभ्यर्थी का नाम) एतद्‌द्वारा घोषणा करता/करती हूं कि आवेदन-पत्र में दी गई सभी सूचनाएं सही, सत्य और वैध है. जब भी अपेक्षित होगा मैं समर्थित दस्तावेज प्रस्तुत कर दूंगा/दूंगी.

(v) उपर्युक्त हस्तलिखित घोषणापत्र अभ्यर्थी की हस्तलिपि में तथा केवल अंग्रेजी में ही होना चाहिए, कैपिटल अक्षरों में नहीं होना चाहिए. यदि इसे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य भाषा में लिखा और अपलोड किया गया है, तो आवेदन को अमान्य माना जाएगा.

(vi) अपेक्षित आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने के लिए आवश्यक विवरण/दस्तावेज तैयार रखें

(vii) एक वैध व्यक्तिगत ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर रखें, जिसे इस भर्ती प्रक्रिया के पूरा होने तक सक्रिय रखा जाना चाहिए. सभी आधिकारिक संचार अभ्यर्थी की पंजीकृत ईमेल आईडी पर भेजे जाएंगे. किसी भी परिस्थिति में, अभ्यर्थी को किसी अन्य व्यक्ति के साथ ईमेल आईडी साझा नहीं करनी चाहिए/उल्लेख नहीं करना चाहिए. यदि किसी अभ्यर्थी के पास वैध व्यक्तिगत ईमेल आईडी नहीं है, तो उसे ऑनलाइन आवेदन करने से पहले अपना नया ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर बनाना चाहिए और उस ईमेल खाते और मोबाइल नंबर को बनाए रखना चाहिए.

क. आवेदन प्रक्रिया:

1. उम्मीदवार कंपनी की वेबसाइट **https://nationalinsurance.nic.co.in/** पर जाएं और **"APPLY ONLINE"** विकल्प पर क्लिक करें, जिससे एक नई स्क्रीन खुलेगी.
2. आवेदन पंजीकृत करने के लिए, **"नए पंजीकरण के लिए यहां क्लिक करें"** टैब चुनें और नाम, संपर्क विवरण और ईमेल-आईडी दर्ज करें. सिस्टम द्वारा एक प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड जनरेट किया जाएगा और स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा. उम्मीदवार को प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड को नोट कर लेना चाहिए. प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड को दर्शाने वाला एक ईमेल और एसएमएस भी भेजा जाएगा.
3. यदि उम्मीदवार एक बार में आवेदन पत्र पूरा करने में असमर्थ है, तो वह **"सेव एंड नेक्स्ट"** टैब चुनकर पहले से दर्ज किए गए डेटा को सेव कर सकता है. ऑनलाइन आवेदन जमा करने से पहले उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन पत्र में विवरणों को सत्यापित करने और यदि आवश्यक हो तो उन्हें संशोधित करने के लिए "सेव एंड नेक्स्ट" सुविधा का उपयोग करने की सलाह दी जाती है. दृष्टिबाधित उम्मीदवारों को आवेदन पत्र को ध्यानपूर्वक भरना चाहिए तथा अंतिम जमा करने से पहले विवरणों को सत्यापित करना चाहिए/सत्यापित करवाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सही हैं.
4. उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन में भरे गए विवरणों को स्वयं सावधानीपूर्वक भरें तथा सत्यापित करें क्योंकि **COMPLETE REGISTRATION BUTTON** पर क्लिक करने के बाद कोई परिवर्तन संभव/स्वीकार्य नहीं होगा.
5. आवेदन में उम्मीदवार तथा उसके पिता/पति आदि का नाम सही-सही लिखा होना चाहिए तथा यह प्रमाण-पत्र/अंक-पत्र तथा पहचान प्रमाण-पत्र में दिए गए नाम के समान होना चाहिए. कोई भी परिवर्तन/परिवर्तन होने पर उम्मीदवारी अयोग्य हो सकती है.
6. अपने विवरण को सत्यापित करें तथा **'अपने विवरण को सत्यापित करें'** तथा **'सहेजें और अगला'** बटन पर क्लिक करके अपना आवेदन सुरक्षित करें.
7. उम्मीदवार बिंदु "ग" के अंतर्गत फोटो तथा हस्ताक्षर की स्कैनिंग तथा अपलोड करने के लिए दिशानिर्देशों में दिए गए विनिर्देशों के अनुसार फोटो तथा हस्ताक्षर अपलोड करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं.
8. उम्मीदवार आवेदन पत्र के अन्य विवरण भरने के लिए आगे बढ़ सकते हैं.
9. पंजीकरण पूर्ण करने से पहले संपूर्ण आवेदन पत्र का पूर्वावलोकन और सत्यापन करने के लिए पूर्वावलोकन टैब पर क्लिक करें.

10. यदि अपेक्षित है, विवरण में सुधार करें, और केवल सत्यापन तथा यह सुनिश्चित करने के बाद कि फोटोग्राफ, हस्ताक्षर अपलोड कर दिये गये हैं तथा अन्य विवरण आपने सही तरह से भरा है, "**COMPLETE REGISTRATION**" पर क्लिक करें.
11. "**Payment**" टैब पर क्लिक करें तथा भुगतान पूरा करें.
12. **'सबमिट'** बटन पर क्लिक करें.

ख. शुल्क का भुगतान (केवल ऑनलाइन मोड):

1. आवेदन पत्र भुगतान गेटवे के साथ एकीकृत है और निर्देशों का पालन करके भुगतान प्रक्रिया पूरी की जा सकती है.
2. भुगतान डेबिट कार्ड (रुपे/वीजा/मास्टर कार्ड/मेस्ट्रो), क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, आईएमपीएस, कैश कार्ड/मोबाइल वॉलेट का उपयोग करके किया जा सकता है.
3. ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपनी भुगतान जानकारी जमा करने के बाद, कृपया सर्वर से सूचना की प्रतीक्षा करें. दोहरे शुल्क से बचने के लिए बैक या रिफ्रेश बटन न दबाएं.
4. लेनदेन के सफल समापन पर, एक ई-रसीद तैयार की जाएगी.
5. **'ई-रसीद'** का न बनना भुगतान विफलता को दर्शाता है. भुगतान विफल होने पर, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने प्रोविजनल रजिस्ट्रेशन नंबर और पासवर्ड का उपयोग करके फिर से लॉगिन करें और भुगतान की प्रक्रिया को दोहराएं.
6. उम्मीदवारों को ई-रसीद और ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लेना आवश्यक है जिसमें शुल्क विवरण शामिल है. कृपया ध्यान दें कि यदि इसे जनरेट नहीं किया जा सकता है, तो ऑनलाइन लेनदेन सफल नहीं हो सकता है.
7. **क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं के लिए:** सभी शुल्क भारतीय रुपये में सूचीबद्ध हैं. यदि आप गैर-भारतीय क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं, तो आपका बैंक प्रचलित विनिमय दरों के आधार पर आपकी स्थानीय मुद्रा में परिवर्तित हो जाएगा.
8. अपने डेटा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, कृपया अपना लेनदेन पूरा होने के बाद ब्राउज़र विंडो बंद कर दें.
9. शुल्क के भुगतान के बाद शुल्क विवरण वाले आवेदन पत्र को प्रिंट करने की सुविधा है.

ग. दस्तावेजों को स्कैन करने और अपलोड करने के लिए दिशा-निर्देश:

ऑनलाइन आवेदन करने से पहले, उम्मीदवार को नीचे दिए गए विनिर्देशों के अनुसार अपनी फोटो और हस्ताक्षर की स्कैन की गई (डिजिटल) छवि की आवश्यकता होगी.

फोटोग्राफ छवि:

- फोटोग्राफ हाल ही में खींची गई पासपोर्ट शैली की रंगीन तस्वीर होनी चाहिए.
- सुनिश्चित करें कि तस्वीर रंगीन हो, हल्के रंग की, अधिमानतः सफेद, पृष्ठभूमि पर ली गई हो.
- कैमरे की तरफ आराम से देखते हुए सीधे खड़े रहें.
- यदि तस्वीर धूप वाले दिन ली गई है, तो सूरज को अपने पीछे रखें या खुद को छाया में रखें, ताकि आप आँखें न सिकोड़े और कोई तीखी छाया न हो.
- यदि आपको फ्लैश का इस्तेमाल करना है, तो सुनिश्चित करें कि कोई "लाल-आंख" न हो
- यदि आप चश्मा पहनते हैं, तो सुनिश्चित करें कि कोई प्रतिबिंब न हो और आपकी आँखें स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हों.
- टोपी, हैट और काला चश्मा स्वीकार्य नहीं है. धार्मिक हेडवियर की अनुमति है, लेकिन यह आपके चेहरे को नहीं ढकना चाहिए.
- आयाम 200 x 230 पिक्सेल (अधिमान्य).
- फ़ाइल का आकार 20kb-50 kb के बीच होना चाहिए.
- सुनिश्चित करें कि स्कैन की गई छवि का आकार 50kb से अधिक न हो. यदि फ़ाइल का आकार 50 kb से अधिक है, तो स्कैनिंग की प्रक्रिया के दौरान स्कैनर की सेटिंग जैसे DPI रिज़ॉल्यूशन, रंगों की संख्या आदि को समायोजित करें.
- यदि फ़ोटो, फ़ोटो के स्थान पर अपलोड नहीं किया जाता है, तो परीक्षा के लिए प्रवेश अस्वीकार कर दिया जाएगा. इसके लिए उम्मीदवार स्वयं जिम्मेदार होगा.
- उम्मीदवार को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि फ़ोटो के स्थान पर और हस्ताक्षर के स्थान पर अपलोड किया गया है. यदि फ़ोटो के स्थान पर फ़ोटो और हस्ताक्षर के स्थान पर हस्ताक्षर ठीक से अपलोड नहीं किए गए हैं, तो उम्मीदवार को परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- अभ्यर्थी को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपलोड की जाने वाली फोटो आवश्यक आकार की हो तथा चेहरा स्पष्ट रूप से दिखाई दे.

हस्ताक्षर, बाएं अंगूठे का निशान तथा हस्तलिखित घोषणा चित्र:

- आवेदक को श्वेत कागज पर काली स्याही वाले पेन से हस्ताक्षर करने होंगे.
- आवेदक को श्वेत कागज पर काली या नीली स्याही से अपने बाएं अंगूठे का निशान लगाना होगा.
- आवेदक को श्वेत कागज पर काली स्याही से स्पष्ट रूप से अंग्रेजी में घोषणा लिखनी होगी.
- हस्ताक्षर, बाएं अंगूठे का निशान तथा हस्तलिखित घोषणा आवेदक की होनी चाहिए, किसी अन्य व्यक्ति की नहीं.
- हस्ताक्षर का उपयोग कॉल लेटर तथा जहां भी आवश्यक हो, वहां किया जाएगा.
- यदि परीक्षा के समय उपस्थिति पत्रक अथवा कॉल लेटर पर आवेदक के हस्ताक्षर अपलोड किए गए हस्ताक्षर से मेल नहीं खाते हैं, तो आवेदक को अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा.
- कैपिटल लैटर्स में हस्ताक्षर/हस्तलिखित घोषणा स्वीकार नहीं की जाएगी.

बाएं अंगूठे का निशान:

- आवेदक को अपने बाएं अंगूठे का निशान काली या नीली स्याही से सफ़ेद कागज़ पर लगाना होगा.
- बाएं अंगूठे का निशान आवेदक का होना चाहिए, किसी अन्य व्यक्ति का नहीं.
  - फ़ाइल प्रकार : **jpg / jpeg**
  - **आयाम: 200 DPI में 240 x 240 पिक्सेल (पसंदीदा अपेक्षित गुणवत्ता के लिए) यानी 3 सेमी * 3 सेमी (चौड़ाई * ऊँचाई)**
  - फ़ाइल का आकार: **20 KB - 50 KB**

हस्तलिखित घोषणा:

- हस्तलिखित घोषणा की सामग्री अपेक्षा के अनुरूप होनी चाहिए.
- हस्तलिखित घोषणा बड़े अक्षरों में नहीं लिखी जानी चाहिए.
- आवेदक को सफ़ेद कागज़ पर काली या नीली स्याही से स्पष्ट रूप से अंग्रेज़ी में घोषणा लिखनी होगी.
- हस्तलिखित घोषणा आवेदक की होनी चाहिए, किसी अन्य व्यक्ति की नहीं.
- हस्तलिखित घोषणा
  - फ़ाइल प्रकार: **jpg / jpeg**
  - **आयाम: 200 DPI में 800 x 400 पिक्सेल (पसंदीदा आवश्यक गुणवत्ता के लिए) यानी 10 सेमी * 5 सेमी (चौड़ाई * ऊंचाई)**
  - फ़ाइल का आकार: **50 KB - 100 KB**

दस्तावेजों को स्कैन करना:

- स्कैनर रिज़ॉल्यूशन को कम से कम 200 डीपीआई (डॉट्स प्रति इंच) पर सेट करें.
- कलर को ट्रू कलर पर सेट करें.
- स्कैनर में छवि को बाएं अंगूठे के निशान / हाथ से लिखे गए घोषणापत्र के किनारे तक क्रॉप करें, फिर छवि को अंतिम आकार (जैसा कि ऊपर निर्दिष्ट किया गया है) में क्रॉप करने के लिए अपलोड एडिटर का उपयोग करें.
- **छवि फ़ाइल JPG या JPEG प्रारूप में होनी चाहिए. एक उदाहरण फ़ाइल नाम है: image01.jpg या image01.jpeg**
- फ़ोल्डर फ़ाइलों को सूचीबद्ध करके या फ़ाइल छवि आइकन पर माउस ले जाकर छवि आयामों की जाँच की जा सकती है.
- MS Windows/MS Office का उपयोग करने वाले उम्मीदवार MS Paint या MS Office Picture Manager का उपयोग करके आसानी से .jpeg प्रारूप में दस्तावेज़ प्राप्त कर सकते हैं. किसी भी प्रारूप में स्कैन किए गए दस्तावेज़ों को फ़ाइल मेनू में 'इस रूप में सहेजें' विकल्प का उपयोग करके .jpg / .jpeg प्रारूप में सहेजा जा सकता है. आकार को क्रॉप और फिर आकार बदलने के विकल्प का उपयोग करके समायोजित किया जा सकता है.
  - **यदि फ़ाइल का आकार और प्रारूप निर्धारित अनुसार नहीं है, तो एक त्रुटि संदेश प्रदर्शित होगा.**
  - **ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवार को अपनी तस्वीर, हस्ताक्षर, बाएं अंगूठे का निशान और हस्तलिखित घोषणा अपलोड करने के लिए एक लिंक प्रदान किया जाएगा.**

दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया:

- ऑनलाइन आवेदन पत्र भरते समय उम्मीदवार को बाएं अंगूठे का निशान और हस्तलिखित घोषणा अपलोड करने के लिए अलग-अलग लिंक प्रदान किए जाएंगे.
- संबंधित लिंक "बाएं अंगूठे का निशान / हस्तलिखित घोषणा अपलोड करें" पर क्लिक करें.
- उस स्थान को ब्राउज़ करें और चुनें जहाँ स्कैन किए गए बाएं अंगूठे का निशान / हस्तलिखित घोषणा फ़ाइल सहेजी गई है.
- फ़ाइल का चयन उस पर क्लिक करके करें
- 'ओपन/अपलोड' बटन पर क्लिक करें. जब तक आप निर्दिष्ट अनुसार अपना बायां अंगूठा का निशान और हस्तलिखित घोषणा अपलोड नहीं करते, तब तक आपका ऑनलाइन आवेदन पंजीकृत नहीं होगा.
- यदि फ़ाइल का आकार और प्रारूप निर्धारित अनुसार नहीं है, तो एक त्रुटि संदेश प्रदर्शित होगा.
- अपलोड की गई छवि का पूर्वावलोकन छवि की गुणवत्ता देखने में मदद करेगा. अस्पष्ट/धुंधले होने की स्थिति में, इसे अपेक्षित स्पष्टता/गुणवत्ता के साथ पुनः अपलोड किया जा सकता है.

नोट:

(1) यदि बाएं अंगूठे का निशान या हस्तलिखित घोषणा अस्पष्ट/धुंधली है, तो उम्मीदवार का आवेदन अस्वीकार किया जा सकता है.

(2) ऑनलाइन आवेदन पत्र में बाएं अंगूठे का निशान/हस्तलिखित घोषणा अपलोड करने के बाद उम्मीदवारों को यह जांचना चाहिए कि चित्र स्पष्ट हैं और सही तरीके से अपलोड किए गए हैं. यदि बाएं अंगूठे का निशान या हस्तलिखित घोषणा स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती है, तो उम्मीदवार अपना आवेदन संपादित कर सकते हैं और फॉर्म जमा करने से पहले अपने अंगूठे का निशान/हस्तलिखित घोषणा को फिर से अपलोड कर सकते हैं.

(3) ऑनलाइन पंजीकरण करने के बाद, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने सिस्टम द्वारा जेनरेट किए गए ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रिंटआउट लें.

नोट: कृपया ध्यान दें कि ऑनलाइन आवेदन में उल्लिखित सभी विवरण जैसे कि उम्मीदवार का नाम, श्रेणी, जन्म तिथि, पता, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, परीक्षा केंद्र, आदि को अंतिम माना जाएगा और ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने के बाद कोई परिवर्तन/संशोधन की अनुमति नहीं दी जाएगी. इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन पत्र को अत्यंत सावधानी से भरें क्योंकि विवरण में परिवर्तन के संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया जाएगा. कंपनी आवेदन में गलत और/या अपूर्ण विवरण प्रस्तुत करने या आवेदन पत्र में आवश्यक विवरण प्रदान करने में चूक से उत्पन्न होने वाले किसी भी परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होगी.

एक ऑनलाइन आवेदन जो किसी भी तरह से अधूरा है जैसे कि उचित पासपोर्ट आकार की फोटो, हस्ताक्षर, बाएं अंगूठे का निशान और ऑनलाइन आवेदन पत्र में अपलोड की गई हस्तलिखित घोषणा/असफल शुल्क/सूचना शुल्क भुगतान के बिना वैध नहीं माना जाएगा. उम्मीदवारों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से बहुत पहले ऑनलाइन आवेदन करें और शुल्क/सूचना शुल्क जमा करने के लिए अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा न करें, ताकि इंटरनेट पर भारी लोड/वेबसाइट जाम होने के कारण वेबसाइट पर लॉग ऑन करने में अक्षमता/असफलता की संभावना से बचा जा सके. कंपनी उपरोक्त कारणों या किसी अन्य कारण से अंतिम तिथि के भीतर अपने आवेदन जमा नहीं कर पाने वाले उम्मीदवारों के लिए कोई जिम्मेदारी नहीं लेती है. कृपया ध्यान दें कि आवेदन करने के लिए उपरोक्त प्रक्रिया ही एकमात्र वैध प्रक्रिया है. आवेदन का कोई अन्य तरीका स्वीकार नहीं किया जाएगा. अधूरे आवेदनों को अस्वीकार कर दिया जाएगा.

आवेदक द्वारा अपने आवेदन में प्रस्तुत की गई कोई भी जानकारी उम्मीदवार के लिए व्यक्तिगत रूप से बाध्यकारी होगी और यदि उसके द्वारा दी गई जानकारी/विवरण बाद में झूठे पाए जाते हैं, तो वह अभियोजन/सिविल परिणामों के लिए उत्तरदायी होगा.

कॉल लेटर डाउनलोड करना : उम्मीदवारों को ऑनलाइन टेस्ट (चरण- I और II के लिए अलग-अलग) और साक्षात्कार के लिए कॉल लेटर डाउनलोड करने के लिए हमारी वेबसाइट **https://nationalinsurance.nic.co.in/** पर जाना होगा. कॉल लेटर डाउनलोड करने की सूचना ईमेल/एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जाएगी. एक बार जब उम्मीदवार संबंधित लिंक पर क्लिक करता है, तो वह कॉल लेटर डाउनलोड करने के लिए विंडो तक पहुँच सकता है. उम्मीदवार को कॉल लेटर डाउनलोड करने के लिए (i) पंजीकरण संख्या/रोल नंबर, (ii) पासवर्ड/जन्म तिथि का उपयोग करना आवश्यक है. अभ्यर्थी को कॉल लेटर पर हाल ही में ली गई पहचान योग्य फोटो चिपकानी होगी, अधिमानतः वही जो पंजीकरण के दौरान दी गई हो, तथा परीक्षा केंद्र पर (i) कॉल लेटर (ii) फोटो पहचान प्रमाण के साथ उपस्थित होना होगा, जैसा कि पहचान सत्यापन के तहत पहले निर्धारित किया गया था तथा कॉल लेटर में भी निर्दिष्ट किया गया था, तथा iii) मूल रूप में लाए गए फोटो पहचान प्रमाण की फोटोकॉपी के साथ उपस्थित होना होगा.

12. कदाचार के दोषी पाए गए अभ्यर्थियों के विरुद्ध कार्रवाई : उम्मीदवारों को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है कि वे कोई भी ऐसा विवरण प्रस्तुत न करें जो गलत, छेड़छाड़ किया हुआ या मनगढ़ंत हो तथा ऑनलाइन आवेदन जमा करते समय किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को न छिपाएं.

ऑनलाइन परीक्षा, साक्षात्कार या बाद की चयन प्रक्रिया के समय, यदि कोई अभ्यर्थी निम्नलिखित का दोषी पाया जाता है (या पाया गया है):

i) अनुचित साधनों का प्रयोग करना **या (ii)** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा छद्मवेश धारण करना या छद्मवेश धारण करवाना **या (iii)** परीक्षा/साक्षात्कार हॉल में दुर्व्यवहार करना या परीक्षण(ओं) की विषय-वस्तु या उसमें दी गई किसी भी जानकारी को किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से, मौखिक या लिखित, इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक रूप से किसी भी उद्देश्य के लिए प्रकट करना, प्रकाशित करना, पुनरुत्पादित करना, प्रसारित करना, संग्रहीत करना या प्रसारित करने और संग्रहीत करने में सुविधा प्रदान करना **या (iv)** अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी भी अनियमित या अनुचित साधन का सहारा लेना या (v) किसी भी अनुचित साधन से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त करना या (vi) परीक्षा/साक्षात्कार हॉल में मोबाइल फोन या संचार के समान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाना, ऐसा अभ्यर्थी स्वयं को आपराधिक अभियोजन के लिए उत्तरदायी बनाने के अलावा, निम्नलिखित के लिए उत्तरदायी हो सकता है:

क) उस परीक्षा से अयोग्य घोषित किया जाना जिसके लिए वह अभ्यर्थी है.

ख) राष्ट्रीय बीमा कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजित किसी भी परीक्षा से स्थायी रूप से या निर्दिष्ट अवधि के लिए वंचित किया जाना.

ग) सेवा समाप्ति के लिए, यदि वह पहले से ही कंपनी (राष्ट्रीय बीमा कंपनी लिमिटेड) में शामिल हो चुका है.

13. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग व्यक्तियों के लिए विशेष निर्देश :

क) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के संबंध में जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी (जैसा कि भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है): i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उप आयुक्त/अतिरिक्त उप आयुक्त/उप कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वजीफा प्राप्त मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/उप-मंडल मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी वजीफा प्राप्त मजिस्ट्रेट के पद से नीचे नहीं) तालुक मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त **(ii)** मुख्य प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त मुख्य प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट **(iii)** राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे नहीं हो **(iv)** उस क्षेत्र का उप-मंडल अधिकारी जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार सामान्य रूप से रहता हो. जहां तक तमिलनाडु के अनुसूचित जनजाति समुदायों का सवाल है, तहसीलदार के बजाय राजस्व प्रभागीय अधिकारी द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र ही स्वीकार किया जाएगा.

नोट: साक्षात्कार के समय जाति वैधता प्रमाण पत्र (जहाँ भी लागू हो) मूल रूप में, उस राज्य/संघ शासित प्रदेश के उपयुक्त अधिकारियों से, जहाँ से जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया था, स्व-सत्यापित फोटोस्टेट प्रति के साथ प्रस्तुत किया जाना है.

ख) अपिव के रूप में आरक्षण चाहने वाले उम्मीदवारों को समय-समय पर संशोधित डीओपीटी ओएम संख्या 36012/22/93-स्था.(एससीटी) दिनांक 15/11/1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी अपनी "ओबीसी स्थिति और गैर-क्रीमी लेयर स्थिति" के बारे में प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है. प्रमाण पत्र में डीओपीटी ओएम संख्या 36012/22/93-स्था.(एससीटी) दिनांक 08/09/1993 (समय-समय पर संशोधित) की अनुसूची के कॉलम 3 के अनुरूप "गैर-क्रीमी लेयर खंड" शामिल होना चाहिए. प्रमाण पत्र पिछले तीन वित्तीय वर्षों अर्थात वित्त वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 की आय पर आधारित होना चाहिए (और 31.03.2025 के बाद जारी किया गया होना चाहिए). इसके बिना उम्मीदवार को साक्षात्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. ऐसे उम्मीदवारों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के अलावा निम्नलिखित प्रारूप में एक घोषणा भी प्रस्तुत करनी चाहिए.

"मैं, श्री पुत्र/पुत्री, ग्राम/कस्बा/शहर जिला .... राज्य का निवासी हूं, यह घोषणा करता हूँ कि मैं उस समुदाय से हूं जिसे भारत सरकार द्वारा सेवाओं में आरक्षण के उद्देश्य से पिछड़े वर्ग के रूप में मान्यता दी गई है, जैसा कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93-स्था.(एससीटी) दिनांक 08/09/1993 में निहित नियमों के अनुसार, समय-समय पर संशोधित किया गया है. यह भी घोषित किया जाता है कि मैं समय-समय पर संशोधित दिनांक 8-9-1993 के उपर्युक्त कार्यालय ज्ञापन की अनुसूची के कॉलम 3 में उल्लिखित व्यक्तियों/वर्गों (क्रीमी लेयर) से संबंधित नहीं हूं."

प्रमाणपत्र में उल्लिखित जाति का नाम केंद्र सरकार की सूची/अधिसूचना के साथ अक्षरशः मेल खाना चाहिए. ओबीसी श्रेणी से संबंधित उम्मीदवार लेकिन क्रीमी लेयर के अंतर्गत आते हैं और/या यदि उनकी जाति केंद्रीय सूची में जगह नहीं पाती है तो वे ओबीसी आरक्षण के हकदार नहीं हैं.

ग) बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के लिए, अधिकृत प्रमाणन प्राधिकारी जिला स्तर पर मेडिकल बोर्ड होगा, जिसमें जिले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उप-मंडल चिकित्सा अधिकारी और एक हड्डी रोग विशेषज्ञ / नेत्र रोग विशेषज्ञ / ईएनटी सर्जन या उपयुक्त सरकार द्वारा प्रमाणन प्राधिकारी के रूप में नामित कोई अन्य व्यक्ति शामिल होगा.

घ) आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों के संबंध में आय और संपत्ति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्राधिकारी (जैसा कि समय-समय पर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया जाता है): (I) जिला मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट / कलेक्टर / डिप्टी कमिश्नर / अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर / प्रथम श्रेणी वजीफा प्राप्त मजिस्ट्रेट / सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट / तालुका मजिस्ट्रेट / कार्यकारी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त सहायक आयुक्त, (II) मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट, (III) राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे न हो आय में सभी स्रोतों से होने वाली आय शामिल होगी, जैसे कि वेतन, कृषि, व्यवसाय, पेशा आदि और यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आय होगी. प्रमाण पत्र 31.03.2025 के बाद जारी किया जाना चाहिए.

ङ) साक्षात्कार आदि के समय प्रस्तुत किए जाने वाले (अजा, अजजा, अपिव, पीडब्ल्यूबीडी, ईडब्ल्यूएस, भूतपूर्व सैनिक) प्रमाण पत्रों के निर्धारित प्रारूपों के लिए कृपया अनुलग्नक देखें. इन श्रेणियों से संबंधित उम्मीदवारों को केवल इन प्रारूपों में ही प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है.

14. सामान्य जानकारी :

- अभ्यर्थियों को अनिवार्य रूप से आवश्यक दस्तावेज जैसे वैध कॉल लेटर, फोटोकॉपी और फोटो पहचान प्रमाण की मूल प्रति, जिस पर ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए आवेदन पत्र में दिया गया नाम हो, प्रस्तुत करना होगा.
- परीक्षा के संचालन में कुछ समस्याएँ उत्पन्न होने की संभावना से पूरी तरह से इंकार नहीं किया जा सकता है, जो परीक्षा वितरण और/या परिणाम उत्पन्न होने को प्रभावित कर सकती हैं. उस स्थिति में, समस्या को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा, जिसमें उम्मीदवारों को अन्य केंद्रों पर स्थानांतरित करना या यदि आवश्यक समझा जाए तो दूसरी परीक्षा आयोजित करना शामिल हो सकता है. इस संबंध में कंपनी का निर्णय अंतिम होगा. ऐसे परिवर्तन को स्वीकार न करने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी खो देंगे.
- भर्ती से संबंधित सभी मामलों में कंपनी का निर्णय अंतिम होगा और उम्मीदवारों पर बाध्यकारी होगा. इस संबंध में कोई पत्राचार या व्यक्तिगत पूछताछ स्वीकार नहीं की जाएगी.
- यदि परीक्षा एक से अधिक सत्रों में आयोजित की जाती है, तो विभिन्न सत्रों में उपयोग की जाने वाली विभिन्न टेस्ट बैटरियों के कठिनाई स्तर में मामूली अंतर को समायोजित करने के लिए विभिन्न सत्रों के अंकों को बराबर किया जाएगा. यदि नोड्स की क्षमता कम है या किसी केंद्र या किसी उम्मीदवार के लिए कुछ तकनीकी व्यवधान होता है, तो एक से अधिक सत्रों की आवश्यकता होती है.
- सही और गलत उत्तरों की समानता के पैटर्न का पता लगाने के लिए व्यक्तिगत उम्मीदवारों की प्रतिक्रियाओं (उत्तरों) का विश्लेषण और अन्य उम्मीदवारों के साथ तुलना की जाएगी. यदि इस संबंध में अपनाई गई विश्लेषणात्मक प्रक्रिया में यह अनुमान / निष्कर्ष निकाला जाता है कि प्रतिक्रियाएं साझा की गई हैं और प्राप्त अंक वास्तविक / वैध नहीं हैं, तो कंपनी संबंधित उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखती है और ऐसे उम्मीदवारों (अयोग्य) का परिणाम रोक दिया जाएगा.
- चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवार द्वारा गलत जानकारी प्रदान करने और/या प्रक्रिया उल्लंघन के मामलों का पता चलने पर उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी एनआईसीएल (नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड) भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि ऐसे मामले वर्तमान चयन प्रक्रिया के दौरान पता नहीं चल पाते हैं, लेकिन बाद में पता चलते हैं, तो ऐसी अयोग्यता पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी.
- ऑनलाइन परीक्षा (प्रारंभिक और मुख्य) और/या साक्षात्कार के लिए तिथि, समय और स्थान में परिवर्तन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा. ऑनलाइन आवेदन पत्र में उल्लिखित विवरण में परिवर्तन के किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा.
- पद के लिए ऑनलाइन आवेदन करते समय, आवेदक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह निर्दिष्ट तिथियों पर ऊपर उल्लिखित पात्रता और अन्य मानदंडों को पूरा करता है और उसके द्वारा प्रस्तुत विवरण सभी मामलों में सही हैं. यदि भर्ती के किसी भी चरण में यह पाया जाता है कि कोई उम्मीदवार पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करता है और/या उसने कोई गलत/झूठी जानकारी दी है या कोई महत्वपूर्ण तथ्य छिपाया है, तो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी. यदि नियुक्ति के बाद भी इनमें से कोई भी कमी पाई जाती है, तो उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं.
- अभ्यर्थियों को उनके हित में सलाह दी जाती है कि वे अंतिम तिथि से काफी पहले ऑनलाइन आवेदन करें तथा इंटरनेट पर अधिक लोड या वेबसाइट जाम होने के कारण वेबसाइट पर लॉग ऑन करने में असमर्थता/असफलता की संभावना से बचने के लिए अंतिम तिथि तक प्रतीक्षा न करें.
- किसी भी कारण से अंतिम तिथि के भीतर आवेदन न कर पाने वाले अभ्यर्थियों के लिए कंपनी कोई जिम्मेदारी नहीं लेती है.
- आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे स्वयं ऑनलाइन पंजीकरण करें तथा भर्ती प्रक्रिया के दौरान अपना ई-मेल आईडी सक्रिय रखें. अभ्यर्थियों को कंपनी से एसएमएस सेवा के लिए आवेदन पत्र में अपना मोबाइल नंबर देना चाहिए. कृपया ध्यान दें कि प्रक्रिया के दौरान ई-मेल आईडी तथा मोबाइल नंबर सक्रिय रखना है.
- सूचनाएं केवल ऑनलाइन आवेदन पत्र में पंजीकृत ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर पर ईमेल और/या एसएमएस द्वारा भेजी जाएंगी. यदि मोबाइल नंबर, ईमेल पते में परिवर्तन, तकनीकी खराबी या अन्यथा, जो कंपनी के नियंत्रण से परे है, के मामले में सूचना/सूचनाएं उम्मीदवारों तक नहीं पहुंचती हैं, तो कंपनी जिम्मेदार नहीं होगी और उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नवीनतम अपडेट के लिए हमारी वेबसाइट https://nationalinsurance.nic.co.in/ के भर्ती अनुभाग पर कड़ी नजर रखें और साथ ही भर्ती प्रक्रिया के दौरान समय-समय पर अपने पंजीकृत ईमेल खाते की जांच करें.
- उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन टेस्ट और साक्षात्कार के आधार पर होगा. कंपनी जहाँ भी आवश्यक समझे, कोई अन्य परीक्षा आयोजित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है और साथ ही अपने विवेक पर किसी भी केंद्र को जोड़ने, हटाने या आवंटित करने का अधिकार भी रखती है.
- ऑनलाइन टेस्ट में प्रवेश उम्मीदवारों के आयु/योग्यता/श्रेणी (एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूबीडी/ईडब्ल्यूएस/एक्सएस) आदि के दस्तावेजों के संदर्भ में सत्यापन के बिना पूरी तरह से अनंतिम होगा.
- किसी भी उम्मीदवार द्वारा एक से अधिक आवेदन प्रस्तुत नहीं किए जाने चाहिए. एक से अधिक आवेदनों के मामले में केवल नवीनतम वैध (पूर्ण) आवेदन ही रखा जाएगा तथा अन्य कई पंजीकरणों के लिए भुगतान किया गया आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क जब्त कर लिया जाएगा.
- ऑनलाइन परीक्षा और/साक्षात्कार में एक से अधिक बार उपस्थित होने पर सरसरी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.
- एक बार पंजीकृत किए गए ऑनलाइन आवेदन को वापस नहीं लिया जाएगा तथा/या एक बार भुगतान किया गया आवेदन शुल्क/सूचना शुल्क वापस नहीं किया जाएगा और न ही किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जाएगा.
- अभ्यर्थी को केवल किसी एक विषय के लिए ही आवेदन करना चाहिए. एक से अधिक विषयों के लिए किए गए आवेदन से अभ्यर्थी के सभी आवेदन अमान्य हो जाएंगे.
- साक्षात्कार के लिए बुलाए गए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय आयु/योग्यता/श्रेणी आदि से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में आरक्षण चाहने वाले अभ्यर्थियों को सक्षम प्राधिकारी से निर्धारित प्रारूप में जाति प्रमाण पत्र के साथ जाति वैधता प्रमाण पत्र (जहां भी लागू हो) प्रस्तुत करना होगा, जिसमें अभ्यर्थी की जाति, वह अधिनियम/आदेश जिसके तहत जाति को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में मान्यता दी गई है तथा वह गांव/शहर जहां का अभ्यर्थी मूल रूप से निवासी है, का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए.
- किसी भी स्तर पर यदि जाति प्रमाण पत्र में जालसाजी पाई जाती है, तो अभ्यर्थी का नामांकन स्वतः ही रद्द हो जाएगा.
- सरकारी/अर्ध-सरकारी कार्यालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों सहित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यरत उम्मीदवारों को साक्षात्कार के समय अपने नियोक्ता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' प्रस्तुत करना होगा, जिसके न होने पर उनकी उम्मीदवारी पर विचार नहीं किया जाएगा और यात्रा व्यय, यदि कोई अन्यथा स्वीकार्य है, का भुगतान नहीं किया जाएगा. जिन उम्मीदवारों का चयन किया जाता है, उन्हें कंपनी में शामिल होने के समय अपने नियोक्ता (सरकारी/सार्वजनिक क्षेत्र/निजी) से डिस्चार्ज लेटर/रिलीविंग लेटर जमा करना आवश्यक है, जिसके बिना उन्हें शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी.
- उम्मीदवारों को अपने खर्चे पर परीक्षा देनी होगी. साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों को यात्रा के साक्ष्य (रेल/बस टिकट/रसीद आदि) प्रस्तुत करने पर अपने निवास स्थान से सबसे छोटे मार्ग से स्लीपर क्लास का रेलवे किराया/बस किराया मिलेगा.
- उम्मीदवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके द्वारा सभी स्थानों पर किए गए हस्ताक्षर सही हैं. उसके कॉल लेटर, उपस्थिति पत्रक आदि में तथा भविष्य में कंपनी के साथ सभी पत्राचार में एक समान होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार का कोई अंतर नहीं होना चाहिए. कैपिटल लैटर्स में हस्ताक्षर स्वीकार्य नहीं होंगे.
- यदि चयन प्रक्रिया या नियुक्ति के बाद के चरण में, विशेषज्ञ विश्लेषण के अनुसार, उम्मीदवार के हस्तलिखित घोषणापत्र पर लिखावट भिन्न/भिन्न पाई जाती है, तो उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी.
- उम्मीदवार को ऑनलाइन आवेदन पत्र में एक हालिया, पहचान योग्य फोटो (4.5 सेमी × 3.5 सेमी) अपलोड करना चाहिए तथा उम्मीदवार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में उपयोग के लिए उसकी प्रतियां सुरक्षित रखी जाएं. उम्मीदवारों को यह भी सलाह दी जाती है कि प्रक्रिया पूरी होने तक वे अपना रूप न बदलें. प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में एक ही फोटो प्रस्तुत न करने या किसी भी चरण में पहचान के बारे में संदेह होने पर अयोग्यता हो सकती है.
- उम्मीदवारों को इस विज्ञापन में तथा उसके बाद दी गई परीक्षा के सोशल डिस्टेंसिंग मोड के संबंध में सभी दिशानिर्देशों का पालन करना आवश्यक है. किसी भी उल्लंघन के परिणामस्वरूप उम्मीदवारी रद्द हो सकती है.
- चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति कंपनी की आवश्यकताओं के अनुसार उनके चिकित्सकीय रूप से योग्य पाए जाने के अधीन है. ऐसी नियुक्ति कंपनी के सेवा और आचरण नियमों के अधीन भी होगी.
- पात्रता, ऑनलाइन परीक्षाओं के संचालन, अन्य परीक्षणों, साक्षात्कार और चयन से संबंधित सभी मामलों में कंपनी के निर्णय अंतिम और सभी उम्मीदवारों पर बाध्यकारी होंगे. इस संबंध में कंपनी द्वारा किसी भी प्रतिनिधित्व या पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा.
- कंपनी किसी भी उम्मीदवार को भारत में कहीं भी, यहां तक कि प्रारंभिक तैनाती के स्थान पर 5 साल की अवधि समाप्त होने से पहले भी स्थानांतरित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.
- इस विज्ञापन और/या इसके प्रत्युत्तर में किसी भी आवेदन से उत्पन्न होने वाले किसी भी दावे या विवाद के संबंध में कोई भी कानूनी कार्यवाही केवल कोलकाता में ही शुरू की जा सकती है. किसी भी मामले/विवाद पर सुनवाई करने का एकमात्र और अनन्य क्षेत्राधिकार केवल कोलकाता स्थित न्यायालयों/न्यायाधिकरणों/फोरमों के पास होगा.
- चयनित उम्मीदवार कंपनी के सेवा विनियमों के नियमों और शर्तों के अधीन होंगे.
- अभ्यर्थी का परीक्षा/साक्षात्कार में प्रवेश पूर्णतः अनंतिम है. अभ्यर्थी को कॉल लेटर जारी कर दिए जाने मात्र से यह नहीं माना जा सकता कि कंपनी द्वारा उसकी उम्मीदवारी को अंतिम रूप से मंजूरी दे दी गई है.
- परीक्षा केंद्र के अंदर निम्नलिखित वस्तुओं की अनुमति नहीं है:

  क) कोई भी स्टेशनरी वस्तु जैसे पाठ्य सामग्री (मुद्रित या लिखित), कागज के टुकड़े, ज्यामिति/पेंसिल बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, राइटिंग पैड, पेन ड्राइव, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन/स्कैनर आदि.

  ख) कोई भी संचार उपकरण जैसे ब्लूटूथ, इयरफ़ोन, माइक्रोफ़ोन, पेजर, हेल्थ बैंड आदि. - अन्य वस्तुएँ जैसे गॉगल्स, हैंडबैग, हेयर-पिन, हेयर-बैंड, बेल्ट, कैप आदि.

  ग) सभी प्रकार के आभूषण जैसे अंगूठी, झुमके, नोज-पिन, चेन/नेकलेस, पेंडेंट, बैज, ब्रोच आदि की अच्छी तरह से जाँच की जानी चाहिए.

  घ) कोई भी घड़ी/कलाई घड़ी, कैमरा, आदि.

  ङ) कोई भी धातु की वस्तु

  च) कोई भी खाने योग्य वस्तु जो खुली या पैक की हुई हो

  छ) कोई भी अन्य वस्तु जिसका उपयोग संचार उपकरणों जैसे कैमरा, ब्लूटूथ डिवाइस आदि को छिपाने के लिए अनुचित साधनों के रूप में किया जा सकता हो.

इन निर्देशों का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और भविष्य की परीक्षाओं से प्रतिबंध लगाने तथा पुलिस शिकायत सहित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी. उम्मीदवारों को उनके अपने हित में सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा स्थल पर कोई भी प्रतिबंधित वस्तु न लाएं, क्योंकि उनकी सुरक्षा की व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जा सकती. ऑनलाइन परीक्षा के संचालन में लगी कोई भी एजेंसी किसी भी वस्तु के खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं लेगी. इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उम्मीदवारों की उनकी अपनी कीमत होगी.

- कंपनी बिना कोई कारण बताए प्रक्रिया के किसी भी चरण में उपरोक्त भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखती है.
- चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में उम्मीदवार द्वारा गलत जानकारी देने और/या प्रक्रिया उल्लंघन के मामले पाए जाने पर उम्मीदवार को चयन प्रक्रिया से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे भविष्य में किसी भी भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी. यदि वर्तमान चयन प्रक्रिया के दौरान ऐसे मामलों का पता नहीं चलता है, लेकिन बाद में पता चलता है, तो ऐसी अयोग्यता पूर्वव्यापी प्रभाव से लागू होगी.

किसी भी विसंगति के मामले में, हमारी वेबसाइट https://nationalinsurance.nic.co.in/en/recruitments के भर्ती अनुभाग में प्रकाशित विस्तृत विज्ञापन का अंग्रेजी संस्करण अंतिम होगा. उम्मीदवारों को विस्तृत विज्ञापन, ऑनलाइन आवेदन और भर्ती प्रक्रिया पर आगे अद्यतन के लिए हमारी वेबसाइट के भर्ती अनुभाग पर जाने की सलाह दी जाती है. किसी भी रूप में सिफारिश को अयोग्यता माना जाएगा.

उप महाप्रबंधक, कार्मिक विभाग,
प्रधान कार्यालय, कोलकाता

मिनेरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड

पद का नाम - अकाउंटेंट, हिन्दी ट्रांसलेटर, टेक्निशियन (सर्वे एंड ड्रॉफ्ट्समैन, सेंपलिंग, लेबोरेटरी, ड्रीलिंग), असिस्टेंट (मटेरियल्स, एकाउंट्स, हिन्दी), स्टेनोग्राफर, इलेक्ट्रिशियन, मशीनिस्ट, मेकेनिक, जूनियर ड्राइवर
पदों की संख्या - 108
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://mecl.co.in

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड

पद का नाम - अप्रेंटिस (फिटर, इलेक्ट्रिशियन, वेल्डर)
पदों की संख्या - 44
योग्यता - शासकीय/अशासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से संबंधित ट्रेड में (एनसीवीटी/एससीवीटी)आईटीआई उत्तीर्ण।
अंतिम तिथि - 10 जुलाई, 2025
वेब. - https://mppgcl.mp.gov.in

इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड

पद का नाम - प्रोजेक्ट तकनीशियन (फिटर इंस्ट्रूमेंट्स, फिटर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑप्टिकल वर्कर)
पदों की संख्या - 48
योग्यता - कक्षा दसवीं उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई से पूर्णकालिक नियमित राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट कोर्स किया हो।
अंतिम तिथि - 04 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://indiaoptel.in

ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला लखनऊ रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

पद का नाम - अनुसंधान सहयोगी, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता
पदों की संख्या - 20
योग्यता - अनुसंधान सहयोगी पद के लिए भौतिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स/ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक/सेमी कंडक्टर प्रोसेसिंग/लेजर ऑप्टिक्स/मैटेरियल साइंस/क्वांटम तकनीक में पीएचडी हो तथा कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता के लिए भौतिकी/इलेक्ट्रॉनिक्स/ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक/सेमी कंडक्टर प्रोसेसिंग/लेजर ऑप्टिक्स/मैटेरियल साइंस/क्वांटम तकनीक/रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री होना आवश्यक है।
अंतिम तिथि - 05 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.drdo.gov.in

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - महाप्रबंधक (इंजीनियरिंग), प्रबंधक (एफओक्यूए), ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी (जीईटी), एसोसिएट फ्लाइट इंजीनियर, एसोसिएट केबिन क्रू
पदों की संख्या - 33
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 21 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.pawanhans.co.in

भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग एवं भू-सूचना विज्ञान संस्थान

पद का नाम - युवा पेशेवर-I
पदों की संख्या - 50
योग्यता - न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ बीई/बीटेक (कम्प्यूटर/कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना प्रौद्योगिकी/कृत्रिम बुद्धिमत्ता/डाटा विज्ञान/इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार/ इंस्ट्रूमेंटेशन और नियंत्रण तथा संबद्ध शाखाएं)
अंतिम तिथि - 04 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://bisag-n.gov.in

भर्ती एवं मूल्यांकन केंद्र, डीआरडीओ

पद का नाम - वैज्ञानिक 'बी'
पदों की संख्या - 152
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित विषय में इंजीनियरिंग या प्रौद्योगिकी में प्रथम श्रेणी स्नातक की डिग्री।
अंतिम तिथि - 04 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.drdo.gov.in

सेंटर फॉर हाई एनर्जी सिस्टम्स एंड साइंसेस, हैदराबाद

पद का नाम - स्नातक (डिग्री) प्रशिक्षु, तकनीशियन (डिप्लोमा) प्रशिक्षु
पदों की संख्या - 25
योग्यता - स्नातक (डिग्री) प्रशिक्षु पद के लिए कम्प्यूटर विज्ञान/इलेक्ट्रॉनिक्स/इलेक्ट्रिकल एवं इलक्ट्रॉनिक्स/मैकेनिकल/केमिकल इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक तथा तकनीशियन (डिप्लोमा) प्रशिक्षु पद के लिए संबंधित विषयों में इंजीनियरिंग डिप्लोमा।
अंतिम तिथि - 04 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.drdo.gov.in

आंध्र शिक्षा सोसायटी

पद का नाम - प्रधानाचार्य, उप प्राचार्य, पीजीटी (रसायन विज्ञान, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, बागवानी, कम्प्यूटर विज्ञान, भौतिकी, गणित), टीजीटी (हिन्दी, कम्प्यूटर विज्ञान, गृह विज्ञान, अंग्रेजी, गणित, प्राकृतिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, तेलुगु), विशेष शिक्षा शिक्षक, सहायक शिक्षक, नर्सरी शिक्षक, लाइब्रेरियन, प्रयोगशाला सहायक, ड्राइंग शिक्षक, संगीत शिक्षक, भौतिक शिक्षा शिक्षक, प्रधान लिपिक, उच्च श्रेणी लिपिक, निम्न श्रेणी लिपिक
पदों की संख्या - 111
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 05 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.andhra-educationsociety.com

एडमिशन अलर्ट

टूल रूम एंड ट्रेनिंग सेंटर, पटना

पाठ्यक्रम का नाम - डिप्लोमा इन टूल एंड डाई मैकेनिकल इंजीनियरिंग, डिप्लोमा इन एडवांस्ड मैकाट्रॉनिक्स एंड इंडस्ट्रीयल ऑटोमेशन
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा दसवीं उत्तीर्ण हो।
सीट संख्या - 120-120
आवेदन की अंतिम तिथि - 07 जुलाई, 2025
वेबसाइट - https://www.idtr.gov.in

एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्र, भोपाल

पाठ्यक्रम का नाम - डिप्लोमा इन टूल एंड डाई मेकिंग, डिप्लोमा इन मेकाट्रॉनिक्स
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा दसवीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।
सीट संख्या - 60-60
आवेदन की अंतिम तिथि - 13 जुलाई, 2025
प्रवेश परीक्षा की तिथि - 20 जुलाई, 2025
वेब. - https://www.msmetcbhopal.org

मध्यप्रदेश की नदियां

कृषि को समृद्ध करती सिंध और सागड़ नदी

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की सिंध और सागड़ नदी का परिचय–

हमारी नदियां प्राणदायिनी, जीवन-दायिनी और मोक्षदायिनी हैं। नदियों के तटों पर कई सभ्यताएं विकसित हुई हैं। सृष्टि निर्माण के साथ नदियों का भी जन्म हुआ। विभिन्न नदियों की उत्पत्ति की अपनी-अपनी कथा और किवदन्तियां हैं। सिंध और सागड़ नदी की भी अपनी कहानी है।

उत्पन्नति कथा

कहा जाता है कि सिंध नदी ब्राह्मण की पुत्री रूप है। इसी कारण उद्गम और संगम के लगभग मध्य में नदी पर एक ऐसा तीर्थ क्षेत्र है जिसे तीर्थों का भांजा कहा जाता है। किवदन्ती के अनुसार सिंध नदी का जन्म लगभग 3 हजार वर्ष पुराना है। कहा जाता है कि लटेरी का एक ब्राह्मण कृषक खेती किया करता था, दोपहर में बैलों को पानी पिलाने की लिये समीप के ग्राम झुकर जाना पड़ता था। कृषक ब्राह्मण की दो छोटी-छोटी कन्याएं थीं, वह अपने कृषक पिता को दोपहर का भोजन और मिट्टी के बर्तन में पानी लेकर प्रतिदिन खेत पर जाया करती थीं। कृषक पिता जब भोजन करते थे तब तक दोनों कन्याएं बैलों को समीप के ग्राम में पानी पिलाने ले जाती थीं। दोनों बहनों ने जल समस्या जानकर पिता को बिना बताये एक तलैया खोदने का निर्णय लिया। पिता कृषि कार्य करते और दोनों बहने तलैया खोदती, बहनों की मेहनत सफल हुई कुछ समय बाद वहां पानी निकल आया।

अब वे पिता के लिए भोजन तो लातीं पर जल का बर्तन खाली लेकर आने लगीं, एक दिन कृषक पिता भोजन कर रहे थे दोनों बहनें बैलों को पानी पिलाने और पानी लेने तलैया पहुंची। पिता भोजन कर चुके थे, लेकिन दोनों बहनें पानी लेकर नहीं आई, वह दोनों बहनें तलैया का शीतल जल देखकर नहाने लगीं। इधर पिता को चिंता हुई बालिकाएं क्यों नहीं आईं? पिता बालिकाओं को खोजने निकले तो देखा कि समीप में एक नवनिर्मित तलैया है। जिसमें बालिकाएं स्नान कर रही हैं। पिता को देखकर दोनों बालिकाएं तलैया से निकलकर विपरीत दिशा में दौड़ने लगीं। कृषक पिता दक्षिण दिशा में छोटी बालिका की ओर दौड़े बालिका आगे-आगे पिता पीछे-पीछे। बालिका वहां से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर रुकी और कृषक पिता से वापिस जाने को कहा-पिता वापिस आ गये और विपरीत दिशा में उत्तर दिशा की ओर दूसरी बालिका के पीछे दौड़ लगाई। वह बालिका लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर रुकी और पिता को छोटी बहन की भांति वापिस लौटने को कहा। बालिका ने कहा कि जहां तक आप हमारा पीछा करोगे वहां तक पानी के दर्शन नहीं होंगे। गोपीताल से दक्षिण में दो किलोमीटर की दूरी पर जहां छोटी बालिका रुकी थी, उस स्थान का नाम ईशरकुण्ड है और उत्तर दिशा में जहां दूसरी बालिका गई थी, उस स्थान का नाम कालिया देह है। गोपीताल से इन दोनों स्थानों तक पानी सिर्फ वर्षा काल में बहता है। शेष समय में ईशरकुण्ड तथा कालियादेह से वर्ष भर जल धारा बहती रहती है। इस प्रकार दोनों बहनों के नाम पर नदियों के नाम पड़े और नदियों का जन्म हुआ। उन दोनों बहनों के नाम थे सागड़ एवं सिंध।

उद्गम स्थल गोपीताल

मध्यप्रदेश की हृदयस्थली भोपाल से लगे विदिशा जिले की दूरस्थ तहसील लटेरी, जिला मुख्यालय से 85 किलोमीटर की दूरी पर सिरोंज से 30 किलोमीटर की दूरी पर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से 97 किलोमीटर आगरा-मुम्बई राजमार्ग क्र.-3 के नगर ब्यावरा (राजगढ़) से 56 किलोमीटर, गुना से 90 किलोमीटर, सेन्ट्रल रेल्वे के गंजबासौदा रेल्वे स्टेशन से 70 किलोमीटर एवं तहसील मुख्यालय लटेरी (विदिशा) से मात्र 3 किलोमीटर की दूरी पर है। लटेरी नगरीय परिषद् के वार्ड नं. 14 ग्राम गोपीतलाई में एक छोटी-सी तलैया (गोपीताल) है, इसी तलैया से दो नदियों का उद्गम हुआ है जिन्हें दो सगी बहनें कहते हैं। गोपीताल से जो नदी धारा उत्तर दिशा में बहती है उसे सिंध नदी एवं जो नदी धारा दक्षिण दिशा में बहती है- उसे सागड़ नदी कहते हैं।

सागड़ नदी छोटी बहन जो गोपीताल से बहकर 64 किलोमीटर की यात्रा करके गंजबासौदा (विदिशा) के समीप गुरोद ग्राम में बेतवा नदी में मिलती है। जबकि बड़ी बहन सिंध 37 किलोमीटर लटेरी-सिरोंज (विदिशा) में बहकर गुना जिले में प्रवेश कर मध्यप्रदेश के सात जिलों में बहती हुई भिण्ड जिले से चम्बल नदी के समीप उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के पचनदा संगम स्थल पर यमुना में मिल जाती है। गोपीताल में साल भर पानी रहता है। इसके उत्तर तथा दक्षिण में दो छोटे-छोटे जल निकास हैं, जिनसे सिंध और सागड़ नदी का जन्म होता है।

सिंध नदी का उद्गम गोपीताल कर्क रेखा के उत्तर में स्थित है। सिंध नदी मालवा के पठार की नदी है। मालवा के उत्तरी पठार पर विदिशा जिलों की मुख्य नदी बेतवा है। मध्यप्रदेश का पश्चिमी जिला राजगढ़ है जिसकी प्रमुख नदी पार्वती है। पार्वती नदी एवं बेतवा नदी के मध्य से सिंध नदी का उद्गम होता है। उद्गम स्थल पर संक्षिप्त रूप वाली नदी उत्तर की ओर बढ़कर विशालकाय रूप में सिंध नदी के नाम से जानी जाती है। जो उद्गम से 32 किलोमीटर लटेरी तहसील में एवं 5 किलोमीटर सिरोंज तहसील में बहने के बाद अर्थात् कुल 37 किलोमीटर विदिशा जिले में बहने के बाद गुना जिले के विकासखण्ड आरोन के ग्राम खिरिया में प्रवेश करती है।

सिंध नदी गुना जिले में प्रवेश करते ही बड़ा स्वरूप लेती है। यह नदी जिला विदिशा, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया और अंत में मध्यप्रदेश के भिण्ड से उत्तरप्रदेश के जालौन जिले में प्रवेश करती है। सिंध नदी गुना, अशोकनगर, ग्वालियर, दतिया एवं भिण्ड की जिला सीमा बनाती है तथा शिवपुरी जिले के मध्य में बहती है। इस प्रकार सिंध नदी मध्यप्रदेश के सात जिलों में बहकर मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश सीमा पर जालौन उत्तरप्रदेश में एक पांच नदियों का संगम होता है वहां मिल जाती है। इस अद्भुत संगम स्थल को पचनदा कहते हैं। इस संगम पर यमुना, चम्बल, सिंधु, कुंआरी एवं बेसली नदी का संगम होता है।

वर्तमान में सिंध नदी विदिशा, गुना और अशोकनगर में बारह महीनों नहीं बहती है। ग्रीष्म काल में नदी की जल धारा टूट जाती है। जबकि आगे शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया और भिण्ड में यह सदानीरा है। अर्थात् शिवपुरी से आगे नदी में वर्ष भर पानी की धारा बहती है। नदी के तटों पर उन्नत कृषि की जाती है यहां की मुख्य फसलें रबी एवं खरीफ की फसलें हैं। हजारों एकड़ भूमि पर सिंचाई सिंध नदी के द्वारा होती है। नदी के तट पर ग्वालियर एवं भिण्ड की सीमा पर कुछ बीहड़ भी हैं। सिंध नदी के आस-पास कंटीली झाड़ियों वाला वन भू-भाग है। जिसमें धोंकरा, धौकरी, खेजड़ी, बबूल एवं वेकल के पेड़ हैं। यह नदी लगभग 20 कस्बों सहित गुना शहर को जल की आपूर्ति करती है।

नदी तट के प्रमुख तीर्थ

नदी उद्गम से संगम तक आस्था एवं भक्ति की धारा बहाती है। इसके तटों पर विभिन्न अवसरों पर मेले आयोजित होते हैं। इसके तटों पर आयोजित होने वाले मेलों में दतिया जिले के संवदा में सनकुआं मंदिर पर कार्तिक पूर्णिमा पर दीपदान मेला लगता है, इसी स्थान पर दीपावली की दूज पर एक बड़ा वार्षिक मेला लगता है। सनकुआं मंदिर परिसर तीर्थ क्षेत्र माना जाता है।

इस तीर्थ को सभी तीर्थों का भांजा कहा जाता है। भांजा तीर्थ के संबंध में मान्यता है कि यह सिंध नदी ब्राह्मण पुत्री के रूप में है। समूची नदी शंकरजी की भक्ति का क्षेत्र है। उद्गम के समीप एक जटाशंकरी चमत्कारिक स्थान है जहां पर 250 वर्ष पुराना 4-5 फीट का एक छोटा सा पीपल का पेड़ है यह कभी भी बढ़ता नहीं है अब वहां पर एक मंदिर का निर्माण हो गया है। दतिया जिले में नदी के तट पर घने जंगल में पहाड़ पर रतनगढ़ माता मंदिर है जो अति प्राचीन मंदिर है तथा क्षेत्र की जनता का आस्था का केन्द्र है।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

भारतीय पहलवानों ने एशियन चैम्पियनशिप में जीता खिताब

हनोई, भारतीय पहलवानों ने वियतनाम में आयोजित अंडर-23 एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में अपना दबदबा बनाते हुए महिला और पुरुष दोनों वर्गों में शानदार प्रदर्शन किया और ओवरऑल चैम्पियनशिप जीत ली है। यह किसी भी एशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय पहलवानों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। प्रतियोगिता में भारत ने पुरुष वर्ग में 6 स्वर्ण और 1 रजत के साथ कुल 7 पदक अपने नाम किए, जबकि महिला वर्ग में 4 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य पदक के साथ भारत शीर्ष स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में भारत के लिए निखिल (61 किलोग्राम), सुजीत (65 किलोग्राम), जयदीप (74 किलोग्राम), चंद्र मोहन (79 किलोग्राम), सचिन (92 किलोग्राम) और विक्की (97 किलोग्राम) ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि 125 किलोग्राम भारवर्ग में जसपूरन सिंह ने रजत पदक जीता।

ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट

नीरज ने जीते लगातार दो स्वर्ण पदक

ओस्ट्रावा, भारत के स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट में पहला स्थान हासिल किया है। यह लगातार दूसरा टूर्नामेंट है, जिसमें नीरज खिताब जीतने में सफल रहे हैं। नीरज ने इससे पहले 20 जून को फ्रांस में आयोजित पेरिस डायमंड लीग में पहला स्थान हासिल किया था। प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने के बाद नीरज ने कहा कि उनका लक्ष्य इस वर्ष विश्व एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में भालाफेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतना है।

नीरज ने चेक रिपब्लिक में आयोजित इस टूर्नामेंट में 85.29 मीटर भाला फेंका और पहले स्थान पर रहे। स्पर्धा में दक्षिण अफ्रीका के डोव स्मिथ (84.12 मीटर) पर्सनल बेस्ट के साथ दूसरे और ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स (83.63 मीटर) तीसरे नंबर पर रहे। नीरज इस समय वर्ल्ड एथलेटिक्स के कॉन्टीनेंटल टूर पर हैं। इस टूर्नामेंट में 9 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है।

- नीरज ने दो वर्ष बाद डायमंड लीग में जीता है स्वर्ण पदक।
- नीरज ने ओलंपिक खेलों में दो बार पदक (वर्ष 2020 में स्वर्ण पदक तथा वर्ष 2024 में रजत पदक) जीते हैं।
- नीरज ने विश्व चैम्पियनशिप और डायमंड लीग में एक-एक बार स्वर्ण पदक भी जीता है।

तीसरे प्रयास में किया सर्वश्रेष्ठ थ्रो

नीरज चोट के चलते पिछले दो बार से इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सके थे, लेकिन इस बार उन्होंने इसमें हिस्सा लिया और शीर्ष पर रहने में सफल रहे। नीरज ने इस टूर्नामेंट में फाउल के साथ शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने दूसरे प्रयास में 83.45 मीटर का थ्रो किया, लेकिन तीसरे प्रयास में उन्होंने 85.29 मीटर का थ्रो किया जो अंत में उन्हें विजेता बनाने के लिए काफी रहा। नीरज ने चौथे प्रयास में 82.17 मीटर और पांचवें प्रयास में 81.01 मीटर का थ्रो किया। नीरज ने छठा और आखिरी प्रयास फाउल किया।

अच्छी लय में चल रहे हैं नीरज

नीरज इस सीजन अच्छी लय में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने हाल ही में पेरिस डायमंड लीग जीता था। उन्होंने पिछले महीने दोहा डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहते हुए 90 मीटर का आंकड़ा भी पार किया था। उन्होंने 90.23 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया था। अब उन्होंने गोल्डन स्पाइक मीट जीतकर अपनी लय बरकरार रखी है।

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा अब 5 जुलाई को होने वाली पहली नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

आईसीसी रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बनीं मंधाना

दुबई, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज और उप कप्तान स्मृति मंधाना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा वन-डे बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना ने पहला स्थान हासिल किया है। मंधाना लगभग 6 वर्ष बाद वन-डे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2019 में पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया था। आईसीसी महिला वन-डे बल्लेबाजी रैंकिंग में मंधाना के 727 रेटिंग अंक हैं।

सेंथिल कुमार ने स्क्वॉश में जीता कांस्य पदक

कुचिंग, भारत के स्क्वॉश खिलाड़ी वेलावन सेंथिल कुमार ने एशियन स्क्वॉश चैम्पियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किया है। सेंथिल कुमार ने प्रतियोगिता में पुरुष एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन किया और स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें हांगकांग के एलेक्स लाउत्स क्वान के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मैच में क्वान ने सेंथिल कुमार को 65 मिनट तक चले मुकाबले में 11-9, 13-11, 5-11, 11-6 से हराया। इस हार की वजह से उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। एशियन स्क्वॉश चैम्पियनशिप में सेंथिल कुमार का यह दूसरा पदक है।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज

इंग्लैंड ने पांच विकेट से जीता टेस्ट मैच

लीड्स, भारत और इंग्लैंड के बीच लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच को इंग्लैंड ने 5 विकेट से जीत लिया है। इस जीत के साथ इंग्लैंड 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे हो गया है। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी करने को कहा। पहली पारी में भारत की शुरुआत शानदार रही। के.एल. राहुल और यशस्वी ने पहले विकेट के लिए 91 रन जोड़े। राहुल ने 42 रन बनाए, जबकि यशस्वी ने 101 रनों की पारी खेली। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने भी शतक बनाए जिसकी बदौलत भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन बनाने में सफल रही।

इंग्लैंड की टीम ने भी पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया। टीम के लिए बल्लेबाज ओली पोप ने 106 रनों की पारी खेली, जबकि हैरी ब्रूक (99) और बेन डकेट ने (62) अर्धशतक लगाए, इंग्लैंड की टीम ने पहली पारी में 465 रन बनाए। दूसरी पारी में भी भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा। दूसरी पारी में के.एल. राहुल (137) और ऋषभ पंत (118) ने शतकीय

पारी खेली, हालांकि मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों के लचर प्रदर्शन के कारण टीम इंडिया इंग्लैंड को बड़ा लक्ष्य नहीं दे सकी। भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 364 रन बनाये।

इंग्लैंड ने जीत के लिए मिले 371 रनों के लक्ष्य का पीछा आक्रामक अंदाज में किया। सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली ने टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 188 रन जोड़े। क्रॉली ने 65 रन बनाये जबकि डकेट ने 149 रनों की पारी खेली। इनके बाद जो रूट (53), बेन स्टोक्स (33) और जेमी स्मिथ (44) की शानदार पारियों के दम पर इंग्लैंड ने यादगार जीत दर्ज की।

पंत दोनों पारियों में शतक बनाने वाले दूसरे विकेटकीपर

लीड्स, पहला टेस्ट मैच भले ही इंग्लैंड ने जीता हो, लेकिन भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अपने प्रदर्शन से खेलप्रेमियों का जमकर मनोरंजन किया। पंत ने मैच की दोनों पारियों में शतक जड़कर इतिहास रच दिया है। वह टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक बनाने वाले भारत के पहले तथा विश्व के दूसरे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए हैं। पंत से पहले यह कारनामा जिम्बाब्वे के एंडी फ्लावर ने किया है।

मार्केटा ने जीता बर्लिन ओपन का खिताब

बर्लिन, चेक गणराज्य की युवा महिला टेनिस खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने बर्लिन ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग के सेमीफाइनल में बेलारूस की आर्यना सबालेंका को मात देने वाली मार्केटा ने फाइनल में चीन की वांग झिंयु को रोमांचक मुकाबले में 7-6, 4-6, 6-2 से हराया। वर्ष 2023 में यूएस ओपन जीतने के बाद यह मार्केटा का पहला डब्ल्यूटीए खिताब है।

हॉकी खिलाड़ियों को मिलेगा 25 हजार रुपये प्रतिमाह भत्ता

पटाया, भारतीय हॉकी टीम के महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों को खेल मंत्रालय की ओर से अब हर महीने 25 हजार रुपये का अतिरिक्त भत्ता दिया जाएगा। खेल मंत्रालय ने आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने के लिए इस अतिरिक्त भत्ता (आउट ऑफ पाकेट अलाउंस) को मंजूरी दी गई है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने इस फैसले का स्वागत किया है।

खेल मंत्रालय ने बताया कि मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत हॉकी इंडिया के 80 खिलाड़ियों को अतिरिक्त भत्ता देने का फैसला लिया गया। इसमें 40 महिला और 40 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि हॉकी इंडिया की ओर से बार-बार यह अनुरोध आ रहा था, जिसे मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करें और देश के लिये पदक जीतें। टॉप्स के तहत कोर समूह के खिलाड़ियों को 50 हजार रुपये और डेवलपमेंटल खिलाड़ियों को 25 हजार रुपये प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता दिया जाता है।

मेसी ने किए फीफा टूर्नामेंट्स में सबसे ज्यादा गोल

अटलांटा, अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने फुटबॉल में एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। मेसी फीफा टूर्नामेंट्स में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी ने यह उपलब्धि अमेरिका में आयोजित फीफा क्लब विश्वकप के दौरान हासिल की। फीफा क्लब विश्वकप में इंटर मियामी क्लब के लिए खेलने वाले मेसी ने पुर्तगाली फुटबॉल क्लब पोर्टो के खिलाफ शानदार गोल किया। मैच में इंटर मियामी ने पोर्टो को 2-1 से हराया। मेसी ने अपने 20 वर्ष के कॅरियर में 10 फीफा टूर्नामेंट खेले हैं, इनमें फीफा विश्वकप, फीफा क्लब विश्वकप और फीफा अंडर-20 विश्वकप शामिल है।

ब्लिट्ज टीम चैम्पियनशिप

दिव्या देशमुख ने विश्व नंबर वन खिलाड़ी यिफान को हराया

लंदन, भारत की प्रतिभावान युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। दिव्या ने लंदन में आयोजित वर्ल्ड ब्लिट्ज टीम चेस चैंपियनशिप में दुनिया की नंबर एक महिला खिलाड़ी चीन की हाउ यिफान को हराकर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। हाउ यिफान को शतरंज जगत में अपराजेय माना जाता है। यही कारण है कि दिव्या की यह जीत ऐतिहासिक मानी जा रही है।

टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहले मुकाबले में दिव्या को यिफान के हाथों हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने दूसरे मुकाबले में जबरदस्त वापसी की। सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने खेल

की शुरुआत से ही यिफान पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। ब्लिट्ज चेस में समय की सटीक गणना और सही चालों का महत्व बहुत अधिक होता है और दिव्या ने इसे बखूबी साबित किया।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमकती पहचान

दिव्या ने वर्ष 2023 में इंटरनेशनल मास्टर (आईएम) का खिताब हासिल किया था। इसके बाद उन्होंने वर्ष 2024 में विश्व जूनियर बालिका अंडर-20 चैंपियनशिप में भी देश का परचम लहराया, इस प्रतियोगिता में दिव्या ने 11 में से 10 अंक जुटाकर टॉप स्थान हासिल किया। इसके अलावा, 45वें चेस ओलंपियाड में भारत को गोल्ड मेडल दिलाने में भी उनकी अहम भूमिका रही। उनकी परफॉर्मेंस रेटिंग 2600 से अधिक रही, जो उनके उच्चतम स्तर के खेल को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने की सराहना

दिव्या की इस जीत की देशभर में सराहना हो रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्हें बधाई देते हुए लिखा कि वर्ल्ड टीम ब्लिट्ज चैंपियनशिप के सेमीफाइनल के दूसरे मुकाबले में वर्ल्ड नंबर वन हाउ यिफान को हराने पर दिव्या देशमुख को बधाई।

दिव्या ने बचपन से दिखाया कौशल

दिव्या देशमुख का जन्म 9 दिसंबर 2005 को महाराष्ट्र के नागपुर में हुआ था। महज पांच साल की उम्र में दिव्या ने शतरंज की बिसात पर कदम रखा और जल्द ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने हुनर का जलवा दिखाया। वर्ष 2012 में उन्होंने अंडर-7 नेशनल चैंपियनशिप जीतकर सबका ध्यान खींचा। इसके बाद वर्ष 2014 में डरबन में आयोजित अंडर-10 वर्ल्ड यूथ टाइटल और वर्ष 2017 में ब्राजील में अंडर-12 कैटेगरी में भी खिताब अपने नाम किए। उनकी निरंतर प्रगति ने उन्हें वर्ष 2021 में ग्रैंडमास्टर बना दिया। इसके साथ ही वह देश की 22वीं महिला खिलाड़ी बनीं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

ललित उपाध्याय ने हॉकी से लिया संन्यास

नई दिल्ली, टोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम का हिस्सा रहे दिग्गज हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय ने अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्सास का ऐलान किया है। अर्जुन अवार्डी ललित ने अपने एक्स हैंडल पर अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की जानकारी दी। ललित ने बेल्जियम के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग में यूरोपीय चरण के बाद संन्यास लिया है। उन्होंने अपना आखिरी मैच 15 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। वर्ष 2014 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में कदम रखने वाले ललित ने 183 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, इन मैचों में उन्होंने 67 गोल दागे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

भविष्य में एक्स से कर सकेंगे डिजिटल पेमेंट

दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने सैटेलाइट इंटरनेट के क्षेत्र में अपनी कंपनी स्टारलिंक के माध्यम से क्रांति ला दी है। अब भारत में भी स्टारलिंक को अपनी सेवाएं शुरू करने की मंजूरी मिल चुकी है। लेकिन मस्क की नजरें अब केवल इंटरनेट तक सीमित नहीं हैं। उनका अगला बड़ा कदम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को पूरी तरह से बदलने की दिशा में है। रिपोर्ट के अनुसार, एलन मस्क और एक्स की सीईओ लिंडा याकारिनो इस प्लेटफॉर्म को एक सुपर ऐप के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रहे हैं। याकारिनो ने बताया कि भविष्य में लोग इस ऐप से न सिर्फ सोशल मीडिया का उपयोग करेंगे, बल्कि पेमेंट, निवेश, ट्रेडिंग और खरीदारी जैसे काम भी कर सकेंगे। कंपनी जल्द ही अपना क्रेडिट और डेबिट कार्ड भी लॉन्च कर सकती है।

युद्धपोत 'तमाल' एक जुलाई को होगा नौसेना में शामिल

रूस में निर्मित अत्याधुनिक बहुउद्देशीय स्टील्थ युद्धपोत तमाल आगामी एक जुलाई को भारतीय नौसेना में शामिल हो जायेगा। नौसेना ने यह जानकारी दी। नौसेना के अनुसार इस युद्धपोत का निर्माण रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में यांतर शिपयार्ड में किया गया है जहां एक समारोह में औपचारिक रूप से इसे नौसेना के बेड़े में शामिल किया जायेगा। यह युद्धपोत रडार को धोखा देने वाली प्रणाली तथा आधुनिक हथियारों से लैस है। विदेशी सरजमीं से नौसेना में शामिल किया जाने वाला यह आखिरी युद्धपोत है। पश्चिमी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ संजय जे. सिंह मुख्य अतिथि के रूप में इस समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इस अवसर पर भारत और रूस के उच्चस्तरीय सरकारी अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

ओमान लगाएगा व्यक्तिगत आयकर, खाड़ी देशों में यह कदम उठाने वाला पहला देश

ओमान ने अपनी अर्थव्यवस्था की हाइड्रोकार्बन पर निर्भरता कम करने के व्यापक प्रयास के तहत व्यक्तिगत आयकर लगाने की योजना बनाई है। अभी तक छह सदस्यीय तेल समृद्ध खाड़ी सहयोग परिषद का कोई सदस्य देश ऐसा कर नहीं लगाता है। कर लागू होने पर ऐसा करने वाला ओमान पहला खाड़ी देश होगा। यह योजना शाही आदेश द्वारा जारी की गई तथा समाचार एजेंसी द्वारा इसकी खबर दी गई। इसके अनुसार, पांच प्रतिशत कर वर्ष 2028 से शुरू होगा और यह केवल उन लोगों पर लागू होगा जो सालाना 109,000 डॉलर से अधिक कमाते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या इससे क्षेत्र के अन्य राष्ट्र भी ऐसा करने के लिए प्रेरित होंगे। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि खाड़ी देशों को सरकारी राजस्व में विविधता लाने के लिए आने वाले वर्षों में नए कर लगाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

विशाखापट्टनम में हुए 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित

योग हमें विश्व के साथ एकरूपता की दिशा में ले जाता है, यह हमें सिखाता है कि हम अलग-थलग नहीं, बल्कि प्रकृति का ही हिस्सा हैं : प्रधानमंत्री

- **योग ने समस्त विश्व को एकजुट किया है।**
- **योग सबके लिए है, सीमाओं से, पृष्ठभूमि से, उम्र या क्षमता से परे है।**
- **योग एक ऐसी प्रणाली है जो हमें 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाती है।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विशाखापट्टनम में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह को संबोधित किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईवाईडी) समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग का सार 'एकजुट होना' है और यह देखना उत्साहजनक है कि योग ने विश्व को कैसे एकजुट किया है। पिछले एक दशक में योग की यात्रा पर विचार करते हुए, श्री मोदी ने उस क्षण का स्मरण किया जब भारत ने संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के विचार का प्रस्ताव रखा था। उन्होंने कहा कि 175 देशों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जो इतनी व्यापक वैश्विक एकता का एक दुर्लभ उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि यह समर्थन केवल एक प्रस्ताव के लिए नहीं था, बल्कि इसने मानवता की भलाई के लिए दुनिया द्वारा किए गए सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 वर्ष बाद, योग विश्व भर में लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि योगांध्रा अभियान में दो करोड़ से अधिक लोग शामिल हुए हैं, जो जनभागीदारी की जीवंत भावना को दर्शाता है।

प्रत्येक जीव का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस की थीम, 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। उन्होंने कहा कि यह थीम एक गहन सत्य को दर्शाती है- पृथ्वी पर जीव का स्वास्थ्य परस्पर जुड़ा हुआ है। मानव कल्याण, हमारे भोजन को पैदा करने वाली मिट्टी, हमारे पानी की आपूर्ति करने वाली नदियों, हमारे इकोसिस्टम को साझा करने वाले पशुओं और हमें पोषण देने वाले पौधों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। योग हमें इस अंतर्संबंध के प्रति जागरूक करता है और हमें विश्व के साथ एकरूपता की दिशा में ले जाता है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'योग हमें सिखाता है कि हम अलग-थलग व्यक्ति नहीं, बल्कि प्रकृति के अभिन्न अंग हैं।' शुरुआत में, हम अपने स्वास्थ्य और कल्याण की देखभाल करना सीखते हैं, लेकिन धीरे-धीरे, यह देखभाल हमारे पर्यावरण, समाज और पूरे विश्व तक फैल जाती है।

वैज्ञानिक प्रासंगिकता स्थापित

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान योग अनुसंधान में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं, जिनका उद्देश्य समकालीन चिकित्सा पद्धतियों के भीतर इसकी वैज्ञानिक प्रासंगिकता स्थापित करना है। भारत अपने चिकित्सा और अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से योग के क्षेत्र में साक्ष्य-आधारित चिकित्सा को बढ़ावा दे रहा है।

योग शांति का मार्ग प्रशस्त करता है

विश्व के विभिन्न हिस्सों में बढ़ते तनाव, अशांति और अस्थिरता पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में योग शांति का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने कहा, 'योग मानवता को सांस लेने, संतुलन बनाने और फिर से संपूर्ण बनने के लिए आवश्यक पॉज बटन है।' प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वैश्विक समुदाय से विशेष अपील करते हुए आग्रह किया, 'इस योग दिवस को मानवता के लिए योग 2.0 की शुरुआत का प्रतीक बनाएं, जहां आंतरिक शांति वैश्विक नीति बनेगी।' उन्होंने जोर दिया कि योग को केवल एक व्यक्तिगत अभ्यास नहीं रहना चाहिए, बल्कि वैश्विक साझेदारी के लिए एक माध्यम के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने प्रत्येक राष्ट्र और प्रत्येक समाज से योग को अपनी जीवनशैली और सार्वजनिक नीति में शामिल करने का आग्रह किया।

एक्सिओम-4 मिशन

अंतरिक्ष की माइक्रोग्रेविटी में होगी इंसुलिन और ब्लड-शुगर पर रिसर्च

भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस के लिए नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किए गए स्पेसशिप से अंतरिक्ष उड़ान के लिए रवाना हुए।

एक्सिओम-4 मिशन डाइबिटीज के मरीजों के लिए उम्मीद की किरण लेकर आया है। यूएई की हेल्थ सर्विस प्रोवाइडर, बुर्जील होल्डिंग्स, माइक्रोग्रेविटी में ग्लूकोज के व्यवहार पर रिसर्च कर रही है। इसके तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला समेत अन्य एस्ट्रोनॉट्स 14 दिनों तक ऑर्बिटल लैब में ग्लूकोज मॉनिटर पहनेंगे। अबू धाबी स्थित बुर्जील होल्डिंग्स के सीईएमओ ने बताया कि उनका उद्देश्य यह देखना है कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान ब्लड शुगर में कोई बदलाव होता है या नहीं। माइक्रोग्रेविटी में ग्लूकोज और इंसुलिन पर यह अध्ययन वैज्ञानिकों को ऐसी वियरेबल टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद करेगा, जो बिस्तर पर पड़े रोगियों या लकवा जैसी बीमारियों से ग्रसित लोगों के लिए सहायक हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, अंतरिक्ष यात्री इंसुलिन पेन भी साथ ले गए हैं, ताकि यह देखा जा सके कि माइक्रोग्रैविटी में इंसुलिन के अणुओं पर क्या असर पड़ता है।

अब तक अंतरिक्ष यात्रा पर नहीं गया कोई शुगर पेशेंट

नासा अब तक इंसुलिन लेने वाले डाइबिटीज के रोगियों को अंतरिक्ष यात्रा की अनुमति नहीं देता। हालांकि, इंसुलिन न लेने वाले मरीजों के लिए कोई आधिकारिक मनाही नहीं है, फिर भी अब तक कोई शुगर पेशेंट अंतरिक्ष की यात्रा पर नहीं गया।

सेना को स्वदेशी 'लॉइटरिंग म्यूनिशन'

नागास्त्र-1 की पहली खेप मिली

भारतीय सेना को पहले स्वदेशी 'लॉइटरिंग म्यूनिशन' (घूमकर हमला करने वाला हथियार) नागास्त्र-1 आर की पहली खेप मिल गई है। पिछले साल नागपुर की सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड को 480 नागास्त्र-1 आर का ऑर्डर दिया गया था। पहली खेप में ऐसे 120 हथियार शामिल हैं। यह सिस्टम पूरी तरह देश में बना है। इसमें 80 प्रतिशत से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया। इससे रात में भी ऑपरेशन संभव है। यह हवा में घात लगाकर हमला करता है। अगर हमला रद्द करना हो तो इसे वापस बुलाया जा सकता है। नागास्त्र-1 में 360 डिग्री जिम्बल कैमरा लगा है। यह हर दिशा में नजर रख सकता है। इसमें थर्मल कैमरे लगाने का विकल्प है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, सुशासन और नवाचार के साथ बढ़ रहा - श्री पीयूष गोयल

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने मर्चेंट्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एमसीसीआई) द्वारा आयोजित वेबिनार को संबोधित किया। 'वैश्विक चुनौतियों का सामना करते हुए भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर' विषय पर आयोजित वेबिनार में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने वृद्धिशील प्रगति पर नहीं, बल्कि परिमाणात्मक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया है और इसने न केवल विकास पर बल्कि समावेशी, स्थायी, निष्ठापूर्ण विकास पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने भारतीय विकास के अनुरूप विकास हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है तथा वह सेवा, सुशासन और नवाचार में विश्वास रखती है। श्री गोयल ने कहा कि भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और

आशा है कि अगले तीन वर्षों में यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा।

वर्ष 2027 तक हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की आशा रखते हैं। उन्होंने कहा कि सभी हितधारक- सरकार, व्यापार समुदाय, उद्योग, व्यापार और 140 करोड़ भारतीय प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण से पूरी तरह से जुड़े हुए हैं।

लक्ष्य की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका

श्री पीयूष गोयल ने कहा कि अमृतकाल के दौरान एमसीसीआई इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के संवादों से सरकार को यह समझने में सहायता मिलती है कि वैश्विक अस्थिरता, अशांति और अनिश्चितता के बावजूद उद्योगों को समर्थन देने के लिए क्या किया जाना चाहिए। इतिहास हमें स्मरण कराता है कि महान अर्थव्यवस्थाएं ठहराव में नहीं बनतीं अपितु महान अर्थव्यवस्थाएं निरंतर सक्रियता से जुड़े रहने से बनती हैं। भारत के लिए यह समय है कि वह इस अवसर का लाभ उठाए और इस अवसर को नहीं गंवाना चाहिए।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।